Kaveri Kapoor Makes Rare...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 23 February 2025 ● Year: 03 ● Issue: 41 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

6,795 चांदी 98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS चाकुलिया में दो की हुई मॉब लिंचिंग

JAMSHEDPUR: पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया थाना क्षेत्र के जोड़सा गांव में शुक्रवार की रात करीब 2 बजे मॉब लिंचिंग की घटना हुई। ग्रामीणों ने गांव में बकरी चोरी करने के आरोप में दो युवकों को लाठी-डंडों से इतना पीटा कि उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।

पूरी खबर पेज 04 पर

हमास ने पांच इजरायली बंधकों को किया रिहा

NEW DELHI : हमास ने छह इजरायली बंधकों में से पांच को शनिवार को रिहा कर दिया। गाजा में दो अलग-अलग समारोहों में सैकड़ों फलस्तीनियों के सामने नकाबपोश, सशस्त्र हमास लड़ाकों द्वारा मंच पर लाकर पांचों को रेड क्रॉस को सौंप दिया गया। मध्य शहर नुसेरात में, तीन इजराइली युवाओं ओमर वेंकर्ट, ओमर शेम टोव को रेड क्रॉस के वाहनों में बिटाया गया जो इजराइल के लिए रवाना हो गए। इससे पहले दिन में दक्षिणी गाजा शहर राफा में दो अन्य बंधकों को रिहा कर दिया गया था। दो बंधकों ताल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टू (३९) को नकाबपोश और हथियारबंद हमास लड़ाके मंच पर लाए और उसके बाद उन्हें रेड क्रॉस की एंबुलेंस में बैठा दिया गया।

बब्बर खालसा ने ग्रेनेड हमला करने का किया दावा

CHANDIGARH: खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने पंजाब के अमृतसर स्थित बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) कैंप पर ग्रेनेड हमला करने का दावा किया है। पंजाब में पूर्व समय के दौरान हुई ग्रेनेड हमले की घटनाओं की तरह इस घटना में भी पंजाब पुलिस ने अधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है, जबकि विपक्षी दल शिरोमणि अकाली दल इसे पंजाब सरकार की बड़ी असफलता करार दिया है। बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने पोस्ट सांझा करते हुए लिखा कि शुक्रवार रात डेढ बजे बीएसएफ कैंप खासा के गेट नंबर 3 के बाहर ग्रेनेड हमला हुआ है। इसकी जिम्मेदारी मैं हैप्पी पासियां और गोपी नवांशहरिया लेते हैं।

यूएसटीएम के कुलाधिपति गुवाहाटी से गिरफ्तार

GUWAHATI: शनिवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूएसटीएम), मेघालय के कुलाधिपति महबूब-उल हक को उनके गुवाहाटी स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि श्रीभूमि जिला पुलिस की एक टीम ने हक को गिरफ्तार किया है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, उन्हें गुवाहाटी स्थित उनके आवास से पकड़ा गया और श्रीभूमि लाया जा रहा है। हम फिलहाल और विवरण नहीं दे सकते। उन्होंने यह भी बताने से इनकार कर दिया कि हक को किस मामले में हिरासत में लिया गया है। हक पिछले साल अपने ओबीसी प्रमाण पत्र को लेकर विवाद में फंस गए थे, जिसे उन्होंने 1990 के दशक में श्रीभूमि जिले में धोखाधड़ी से हासिल किया।

नीकरशाही

ब्रजेश मिश्र

नौकरशाही के गलियारों में इन दिनों आवाजाही का दौर चल रहा है। मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए अलग-अलग 'गणेश परिक्रमा' हो रही है। इसके बावजूद अपेक्षित 'वर' की प्राप्ति नहीं हो रही। जानें, क्या कुछ चल रहा है अंदरखाने ... द फोटोन न्यूज के चीफ एक्जीक्यूटिव एडिटर की कलम से।

डुबकी लगाकर बस

टटका-टटका पहुंचे थे। अचानक रांची की सड़क पर आमना-सामना हो गया। सो, पूछ लिया, 'और गुरु कैसी रही यूपी की यात्रा...' गुरु सवाल में छिपी आगे की बात समझ गए। बोले- क्या जानना चाहते हो? सीधे पूछो तो बताएं। सवाल पर सवाल था, सो जवाब देना था। कहा–अरे गुरु, अनुभव पूछ रहे, व्यवस्था पूछ रहे, प्रबंधन पूछ रहे, प्रशासन पूछ रहे, विकास पूछ रहे ...। गुरु को शायद इतने लंबे जवाब की अपेक्षा नहीं थी। रोकने के अंदाज में बोले, अरे सुनो, सुनो! तुम्हारी पहली पंक्ति में ही सब समझ गया। जिज्ञासा उठी है तो समाधान लेते जाओ। प्रशासन का प्रबंधन ही व्यवस्था कहलाती है। विकास

का अनुभव वैचारिक स्तर पर निर्भर है। गुरु ने पूरे तथ्य का सार दो पंक्तियों में समेट दिया। बेचैन मन इसकी विशद व्याख्या चाहता था। सो, फिर शालीन भाषा में पुछ लिया, 'समझे नहीं गुरु। 'गुरु बोले, सुनो, अज्ञेय की एक कविता है, 'हरी घास पर क्षण भर।' कवि लिखता है, ह्यआओ बैठें, इसी ढाल की हरी घास पर। माली-चौकीदारों का यह समय नहीं है ...'। यह कविता तत्कालीन इलाहाबाद में लिखी गई थी, सन 1949 में। यह वही इलाहाबाद है, जिसका नाम अब प्रयागराज है और जहां इन दिनों महाकुंभ लगा है। हर तरफ भक्ति के गीत सुनाई दे रहे हैं- अलख निरंजन, अलख निरंजन, जय गुरु दैत्य, जय

गिरनारी ... प्रथम यज्ञ भूखंड

धरा पे...। पूरे देश से लोंगों के

अलक राज' में क्षण भर... झारखण्ड मंत्रालय प्रयागराज पहुंचने का सिलसिला

जारी है। आस्था के संगम में रनान करने की होड़ है। मानव मन में भी यही अंतरद्वंद्व चल रहा है। स्थान एक ही है। कोई हरी घास पर बैठकर शांति पाना चाहता है। कोई लाखों की भीड के साथ पानी में डुबकी लगाना चाहता है। कहने का मतलब यह है कि जिस यपी का तम हाल जानना चाहते हो, तुम्हारे हालात भी उससे अलग नहीं हैं। बस तुम समझ नहीं पा रहे। कहीं भगदड़ दिखाई दे रही है। कहीं

पेपर लीक सुनाई दे रहा है। कहीं शासन की कमान 'युपी' के हाथ में है। कहीं प्रशासन की कमान 'यूपी' के हाथ में है। किसी के पास विकास का 'बाबा मॉडल' है। किसी के पास विकास का 'अबुआ मॉडल' है। सब अपने में व्यस्त हैं। सब अपने में व्यवस्थित हैं। ना कहीं कुछ अच्छा है, ना कहीं कुछ बुरा हैं। सब मन का फेर है। किसी बडे घराने के बडे राजनेता ने कभी इलाहाबाद में ही कहा था.

'गरीबी सिर्फ एक मानसिक

अवस्था है।' बाकी पूरे देश में बनाकर सतत विकास स्थापित है कि झारखंड जैसे राज्य के कई जिलों में विकास के लिए विकास के अधिकारी नहीं हैं। कई अधिकारी विकास अधिकारी बनने की योग्यता जगाने की तमाम कोशिशों के बावजूद ह्यअलक राज' अलग राह पर है।

प्रशासन का पुरा जोर, व्यवस्था करने पर है। अब यह बात दीगर रखते हैं, इसके बावजूद इनका 'विकास' नहीं हो रहा है। अलख

महाकुंभ में अब तक 60 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी



PRAYAGRAJ @ PTI:

तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से चल रहे दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ ने शनिवार को नया इतिहास रच दिया। यहां अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी। 60 करोड से अधिक की यह संख्या किसी भी सांस्कृतिक सामाजिक आयोजन में मनुष्य के अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में कुल 120 करोड़ सनातनी हैं। इस लिहाज से महाकुंभ में दुनिया के आधे से अधिक सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुके हैं। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है। माना जा रहा है कि भटान नरेश समेत 73 देशों के राजनियकों और अतिथियों ने किया पवित्र स्नान

• दुनिया के आधा से अधिक सनातनियों ने दिखाई श्रद्धा

यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार सुव्यवस्थित प्रयासों से संभव हो पाया है। भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया है। खास बात यह रही कि महाकुम्भ के महाआयोजन में 73 देशों के राजनयिक और भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, मां जानकी के मायके नेपाल के 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर महाकुंभ के साक्षी बन चुके हैं।

कार्रवाई : जांच टीम ने अब तक ८ से ९ आरोपियों से की है पूछताछ

मैद्रिक परीक्षा में पेपर लीक को लेकर हो रहे नए-नए खुलासे गढ़वा, गिरिडीह, कोडरमा और जमशेदपुर में लगातार की जा रही कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड एकेडमिक काउंसिल

(जैक) की मैट्रिक परीक्षा के हिंदी और साइंस का प्रश्नपत्र लीक होने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसमें नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसकी चर्चा झारखंड में ही नहीं, बल्कि बाहर में भी हो रही है, क्योंकि इसके तार बाहर से भी जुड़े हुए हैं। गौरतलब है कि इस मामले में कोडरमा जिला से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गढ़वा में तीन आरोपियों पर केस किया गया है। तीनों नाबालिग हैं। 9 को हिरासत में लिया गया है। जमशेदपुर से भी तार जुड़े हुए हैं। कोडरमा डीसी के नेतृत्व में बनी जांच टीम पुरे मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से छानबीन कर रही है। गढवा. गिरिडीह. कोडरमा और जमशेदपुर में लगातार कार्रवाई की गढ़वा जिले के मेराल प्रखंड का जा रही है। बताया जा रहा है कि एक युवक प्रश्नपत्र लीक करने के

• कोडरमा डीडीसी के नेतृत्व में बनी टीम हर

पहलू की गंभीरता से कर रही छानबीन • शनिवार को हुई संस्कृत की परीक्षा का प्रश्नपत्र भी हुआ था वायरल,

• प्रश्नपत्रों के सोशल मीडिया में वायरल होने का एक जैसा दिख रहा

लेकिन फर्जी निकला

• जिला साइबर सेल के संपर्क में है जैक स्टेट साइबर सेल, अधिकारी ले रहे जानकारी

छात्र परेशान, सख्त कार्रवाई की उठी आवाज

झारसण्ड अधिवेस परिषद, राँघी JHARKHAND ACADEMIC COUNCIL RANCHI

हिंदी और विज्ञान की परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के बाद परीक्षा रद्द होने से परीक्षार्थियों और उनके अभिभावक परेशान हैं। शनिवार को संस्कृत की परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों ने प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर सरकार से सवाल किए और प्रश्नपत्र लीक करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। उल्लेखनीय है कि

इससे पहले 18 फरवरी को हिंदी और 20 फरवरी को विज्ञान की परीक्षा हुई थी। 20 फरवरी को विज्ञान की परीक्षा संपन्न होने के बाद जब इस बात की पृष्टि हुई कि सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए प्रश्नपत्र परीक्षा में मिले प्रश्नपत्र से बिल्कुल मिलते-जुलते हैं, तब जैक बोर्ड ने दोनों विषयों की परीक्षा रद्द कर दी।

तक हो चुके वायरल बताया जा रहा है कि जैक मैट्रिक बोर्ड

तीन प्रश्नपत्र अब

के तीन प्रश्न पत्र वायरल हो चुके हैं। इनमें मैट्रिक के तीन पेपर हैं – हिंदी, साइंस और संस्कृत हैं। संस्कृत की परीक्षा शनिवार को हुई। इसका पेपर भी वाट्सग्रुप में वायरल था। हालांकि, वायरले पेपर फर्जी निकला। इन प्रश्न पत्रों के सोशल मीडिया में वायरल होने का ट्रेंड एक जैसा ही है। प्रश्न पत्र वायरल होने की जानकारी जैक के अधिकारियों को भी मिली है। जैक स्टेट साइबर सेल और जिला साइबर सेल के संपर्क में हैं। पेपर लीक को लेकर साइबर सेल को अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। जैक ने कहा है कि भ्रामक वायरल प्रश्न पर परीक्षार्थी ध्यान नहीं दें।

पता फर्जी था। इसके अलावा शहर में भी प्रश्न पत्र लीक का मामला

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संगम में लगाई ड्बकी

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने महाकुंभ पहुंचकर संगम में आस्था की डुबकी लगाई और गंगा पूजन कियाँ। भाजपा अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जगद्भुरू सतुआ बाबा, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत प्रदेश सरकार के कड़ मात्रया न संगम में डुबकी लगाई।इससे पहले प्रयागराज पहुंचने पर मुख्यमंत्री

आदित्यनाथ, भूपेन्द्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री पाठक व जल शक्तिमंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जेपी नड्डा का स्वागत किया। एयरपोर्ट से भाजपा अध्यक्ष अरैल पहुंचे और वहां से स्टीमर पर सवार होकर संगम तट पहुंचे और स्नान किया इसके बाद नड्डा लेटे हनुमान मंदिर का दर्शन पूजन करेंगे। इसके बाद किला स्थित अक्षय वट का दर्शन पूजन करने जाएंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री, <u>ध्यमत्रा पाठक, भूपन्द्र चाधरा</u> मंत्री आशीष पटेल, नंद गोपाल नंदी एवं विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह भी हैं।

पेपर लीक को लेकर हंगामा होने के आसार

विस का बजट सत्र कल से पक्ष-विपक्ष की बैठक आज

PHOTON NEWS RANCHI: कल यानी 24 फरवरी से झारखंड विधानसभा का बजट सत्र शरू होने जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष का अब तक चयन नहीं हुआ है। आज यानी 23 फरवरी को विपक्षी दलों ने विधायक दल की बैठक बलाई है। सत्ता पक्ष के दलों की भी बैठक होगा। इसमें बजट सत्र की रणनीति तैयार की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष का चयन भी इस बैठक में हो सकता है। बजट सत्र के दौरान सदन में जैक पेपर लीक और जैक अध्यक्ष की नियुक्ति पर हंगामा होने के आसार हैं। बजट सत्र से पहले



राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने भी रविवार को प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की बैठक बुलाई है। राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान बैठक की अध्यक्षता करेंगे। राजद महागठबंधन सरकार का घटक दल है। बता दें कि 3 मार्च 2025 को सदन में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर बजट पेश करेंगे।

विमान में 'टूटी' सीट को लेकर शिवराज ने की एअर इंडिया की आलोचना

आरोप में पकड़ा गया। हालांकि

छानबीन में पता चला कि उसका

BHOPAL: शनिवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एअर इंडिया की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें 'टूटी और धंसी हुई' सीट आवंटित की गई। शिवराज ने साथ ही कहा कि यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद एअरलाइन का उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैटाना अनैतिक है। चौहान द्वारा 'एक्स' पर अपना अनुभव साझा करने के बाद एअर इंडिया ने 'असुविधा' के लिए माफी मांगी है। चौहान ने कहा कि वह पूसा किसान मेले का उद्घाटन करने, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक में भाग लेने और चंडीगढ़ में किसान संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा करने के लिए भोपाल से दिल्ली जा रहे थे।

के एक सेंटर गोपीनाथ सिंह कॉलेज

दर्दनाक : धनबाद में दलुडीह के पास एनएच पर देर रात हुआ सड़क हादसा महाकुंभ जा रहे बंगाल के 6 श्रद्धालुओं की मौत

PHOTON NEWS DHANBAD:

कोलकाता-दिल्ली लेन पर दलुडीह के पास एनएच हाईवे पर हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के दो बच्चों सहित 6 लोगों की जान चली गई एवं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना हृदयविदारक थी। सडक के दाहिने तरफ खडी एक ब्रेकडाउन ट्रक यमराज बन कर छह जिंदगीयों को लील गई। कुंभ स्नान के लिए बंगाल से निकली स्कार्पियो राजगंज में टक के पीछे टकरा गई थी, जिससे स्कार्पियों के परखच्चे उड़ गए थे। घटना में पीछे से टाटा

घटना के वक्त हाईवे में दो दर्जन से अधिक स्ट्रीट लाइटें थीं बंद पसरा हुआ था अंधकार

घटना के वक्त कोलकाता-दिल्ली लेन में करीब 12 एवं दिल्ली-कोलकाता लेन में करीब 17 स्टीट लाइट बंद थीं। इसके कारण सर्विस रोड एवं हाईवे में अंधकार पसरा हुआ था। ग्रामीण सहित पुलिस व जाम में

फंसे लोगों का कहना था कि अगर लाइट जलती रहती तो शायद इतनी भयानक घटना नहीं घटती। रोशनी होने पर स्कार्पियो चालक ट्रक को दूर से देख लेता और वाहन की हद तक नियंत्रित कर लेता।

नेक्सन की कार भी टकरा गई। ईश्वर का आशीर्वाद ही था कि टाटा कार में बैठे लोग बाल-बाल बच गए। इस दौरान हाईवे में लगीं

सारी स्ट्रीट लाइटें बंद थीं, जो घटना की बड़ी वजह बन कर सामने आईं। मौके में मौजूद थानाप्रभारी अलीशा कुमारी ने इस

बात को स्वीकार करते हुए कहा कि संबंधित पदाधिकारियों को थाना बुलाकर लाइट बंद होने का कारण पूछा जाएगा।

दुनिया की सबसे लंबी समुद्री परियोजना का मिलेगा फायदा फास्ट प्युचर

सी केबल स्कीम से भारत में और बेहतर हो जाएंगी इंटरनेट सेवाएं

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK

इस हाईटेक दौर में हमारे जीवन की भौतिक और मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति में इंटरनेट सेवाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बेशक इसके कई नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते हैं, लेकिन यह भी सही है कि इसकी हाई क्वालिटी की सेवाओं पर लगातार रिसर्च वर्क हो रहा है। इसे लेकर नई स्कीम और मेगा प्रोजेक्ट पर काम करने की ओर दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियां ध्यान दें रही हैं। इसी कड़ी में कुछ दिन पहले फेसबुक, वाट्सएप और इंस्टाग्राम की स्वामित्व वाली अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने बड़ा एलान किया है। हाल ही में मेटा की ओर से दिए गए आधिकारिक बयान में यह बताया गया है कि भारत दुनिया की सबसे लंबी समुद्री केबल 🔰 परियोजना से जुड़ेगा। मेटा ने 'प्रोजेक्ट वाटरवर्थ' की घोषणा की है। यह पांच प्रमुख महाद्वीपों तक पहुंचेगा। 50,000 किलोमीटर से अधिक लंबा होगा। इसकी लंबाई पृथ्वी की परिधि से भी अधिक है। इस दशक के उंत तक इस प्रोजेक्टके एक्टिव होने की उम्मीद है।

सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने भविष्य के लिए 'वॉटरवर्थ' प्रोजेक्ट का किया है एलान पांच महाद्वीपों तक इस प्रोजेक्ट को पहुंचाने का है मेगा प्लान, भारत भी जुड़ेगा

५० हजार किलोमीटर के विशाल दायरे में इंटरनेट सर्विसेज को किया जाएगा इंप्रूव उम्मीद जताई जा रही है कि इस

दशक के अंत तक

एविटव हो जाएगा

नया प्रोजेक्ट



सबसे बड़े बाजारों में

शामिल

🕨 अमेरिका, ब्राजील, भारत, दक्षिण अफ्रीका और अन्य प्रमुख क्षेत्र होंगे अधिक लाभान्वित > पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद जारी बयान में किया गया था जिक्र

तकनीकी रूप से अत्यंत उन्नत परियोजना

बताया जा रहा है कि भारत, अमेरिका और अन्य स्थानों को जोड़ने के लिए दुनिया की सबसे लंबी, सबसे अधिक क्षमता वाली और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत समुद्री केबल परियोजना लाई जा रही है। बेशक इंटरनेट

संचालन के लिए समुद्री केबल महत्वपूर्ण हैं। ये देशों को एक-दूसरे से जोड़ने में महत्वपूर्ण मूमिका निभाते हैं। स्थानीय दूरसंचार ऑपरेटर अपने ग्राहकों को इंटरनेट पहुंच देने के लिए समुद्री केबल से जुड़ते हैं।

पटना के थाना परिसर में मृत पाई गई कांस्टेबल की पत्नी

PATNA : शनिवार को बिहार की राजधानी पटना के पीरबहोर थाने के स्टाफ क्वार्टर में एक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत मिली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृत महिला की पहचान पीरबहोर थाने में तैनात कांस्टेबल धनंजय कुमार की पत्नी दीपिका (30) के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस ने फरार धनंजय के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। टाउन–1 (पटना) की उप-संभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दीक्षा ने कहा, शनिवार की सुबह पीरबहोर थाने के स्टाफ क्वार्टर में कांस्टेबल धनंजय कुमार की पत्नी का शव मिला। जब पुलिस वहां पहुंची, तो उसका शव जमीन पर पडा था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना का सही कारण पता नहीं चल पाया है। एसडीपीओ ने कहा, प्रथम दृष्ट्या यह हत्या का मामला प्रतीत होता है। शरीर पर बाहरी चोट के निशान मिले।

45 मिनट तक राजधानी में हुई झमाझम बारिश

अधिकतम-न्यूनतम तापमान में आई गिरावट

झारखंड में मौसम का मिजाज एक बार फिर से बदला है। रांची में शनिवार को दोपहर एक बजे के आसपास गरज के साथ बारिश शुरू हो गई। इससे हवा में ठंडक बढ़ गई। 45 मिनट तक तक झमाझम बारिश से शहर में जलजमाव की स्थिति बन गई। सड़कों पर नालियों का गंदा पानी बहता नजर आया, जिससे दुकानदारों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

खासकर कर्बला चौक और

आसपास के इलाकों में जलजमाव

की स्थिति बन गई है। स्थानीय



लोगों का कहना है कि नियमित सफाई न होने के कारण नालियां भर गई हैं और यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो जलभराव की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इससे पहले शुक्रवार को मौसम साफ था। गुरुवार की सुबह भी जोरदार बारिश हुई थी। राज्य के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश दर्ज की गई।

THE PROTON NEWS

www.thephotonnews.com Sunday, 23 February 2024



आस्या, प्रकृति और आध्यात्मिक शांति की यात्रा

यह हमारे अनुभवों को समद्ध करने का जरिया भी होती हैं। मेरी दिल्ली से चित्रकूट की यात्रा भी कुछ ऐसी ही रही। यह यात्रा केवल भौगोलिक दरी तय करने तक सीमित नहीं थी, बल्कि एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा भी थी। चित्रकृट, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित है। यह न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य का भी प्रतीक है। इस जगह के बारे में वर्षों से सुनता आया था, लेकिन पहले कभी मौका ही नहीं मिला लेकिन, अब जब

मौका मिला तो खुद को नहीं रोक पाया। दिल्ली की हलचल और व्यस्तता से कुछ दिनों की राहत पाने के लिए मैंने चित्रकूट की यात्रा करने का निर्णय लिया। यह स्थान भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के वनवास काल से जुड़ा हुआ है और यही इसकी आध्यात्मिक महत्ता को बढ़ाता है। मैंने ट्रेन से जाने का फैसला किया और दिल्ली से चित्रकूटधाम के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेस में आरक्षण करा लिया।

यात्रा की शुरूआत पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से हुई। ट्रेन ने जैसे ही गति पकड़ी, शहर की चहल-पहल पीछे छटने लगी और मैं अपने ख्यालों में डब गया। रास्ते में उत्तर प्रदेश के कई शहरों और गाँवों के दृश्य मन को रोमांचित कर रहे थे। सुबह का सूरज उगते ही ट्रेन चित्रकूटधाम स्टेशन पर पहुँच गई। स्टेशन पर उतरते ही एक अलग ही अनुभूति हो रही थी झ मानो मैं किसी पवित्र धरा पर कदम रख रहा हूँ।

चित्रकृट पहुँचते ही सबसे पहले मैंने

भ्रमण नहीं होतीं, बल्कि **घुमक्कड की पाती**

निश्चय किया। कहा जाता है कि यह पर्वत

स्वयं भगवान राम का प्रतीक है और

इसकी परिक्रमा करने से मनोकामनाएँ

कामदगिरि की परिक्रमा के दौरान जगह-

है। ऑटो रिक्शा से वहाँ पहुँचना एक

प्राकृतिक दृश्य बेहद खूबसूरत थे। गुप्त

गोदावरी दो गुफाओं का समृह है, जिसमें

से एक गफा में अंदर से जलधारा बहती

है। मान्यता है कि यहाँ भगवान राम और

लक्ष्मण ने कुछ समय बिताया था। जैसे

ही मैं गुफा के अंदर गया, ठंडे पानी की

धार मेरे पैरों को छू रही थी। गुफा के

अंदर का वातावरण रहस्यमयी और

पवित्र लग रहा था। यहाँ के पुजारियों ने

बताया कि यह जलधारा गोदावरी नदी से

जुड़ी हुई है और इसे पवित्र माना जाता

है। चित्रकूट आने पर हनुमान धारा न

जाना संभव नहीं था। यह स्थान पहाड़

की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ तक पहुँचने

के लिए कई सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं।

किंतु ऊँचाई पर पहुँचते ही वहाँ का

दिल्ली की हलचल और व्यस्तता से कुछ दिनों की राहत पाने के लिए मैंने चित्रकूट की यात्रा करने का निर्णय लिया। यह स्थान भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के वनवास काल से जुड़ा हुआ है और यही इसकी आध्यात्मिक महत्ता को बढ़ाता है। मैंने ट्रेन से जाने का फैसला किया और दिल्ली से चित्रकूटधाम के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेस में आरक्षण करा लिया।



विहंगम दृश्य यात्रा की सारी थकान मिटा देता है। यहाँ भगवान हनमान का एक विशाल मंदिर है, जहाँ एक प्राकृतिक जलधारा उनके चरणों में गिरती है। मान्यता है कि जब भगवान राम ने हनुमान जी को लंका जलाने का आदेश दिया था. तब लौटकर आने पर उनकी पुंछ की आग इसी धारा से बुझी थी। यहाँ पर खड़े होकर चित्रकूट के सुंदर नजारों को देखना मन को अद्भुत शांति देता है। इसके बाद मैंने सती अनुसुइया आश्रम जाने का निर्णय लिया। यह स्थान मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित है और इसकी पवित्रता इसे और भी खास बनाती है। यह वही स्थान है, जहाँ माता अनुसुइया ने अपने तप से

दी साहित्य में एक

महानुभाव पाए जाते

उच्चकोटि

हैं, जिनका नाम है सप्तवर्णी

प्रकाशवान। सप्तवर्णी प्रकाशवान

साहब तहजीब, बागों, नफासत के

शहर लखनऊ में पाए जाते हैं।

इनका निक नेम 'किरायेदार' भी

है।लखनऊ में इनके बारे में मशहूर

है कि ये टोटका से गाज टाल दिया

करते हैं। इनके खानदान में जितने

भी लोग हैं सब ने कहीं न कहीं

मकान किराये पर ले रखा है। जिस

भी मकान में किराएदार बने वो

मकान कभी छोड़ा नहीं। इनकी

तारीख शाहिद रही है कि न इन्होंने

मकान छोडा और न किराया देना

बंद किया। ये और बात है कि

किराया फिर कचहरी में ही जमा

हुआ। वो भी कहीं दस रुपये तो

कहीं पांच रुपये। अब तो लखनऊ

में इनको दबी जुबान में लोग

सप्तवर्णी प्रकाशवान नहीं, बल्कि

सप्तवर्णी किरायेदार भी कहा करते

हैं। मान्यता है कि राम 16 कलाओं

में माहिर थे और कृष्ण 64

कलाओं में, जबिक सप्तवर्णी में

तो सौ से ज्यादा कलाएं व्याप्त हैं,

तभी तो सिर्फ ज्यादा पढ़े-लिखे

लोग ही इनके दिखाए सब्जबाग में

ख्वाबों की ताबीर के लिए आते

हैं। सप्तवर्णी के आयोजन में एक

सिस्टर कन्सर्न है 'सिद्धा सम्मान'।

इस सम्मान से ही उनके बहुधा

रोजगार चला करते हैं। उनका

शोध बहुत लंबा रहता है। सबसे

पहले वो कहानी या कविता

लिखने वाली किसी ऐसी लेखिका

को स्पॉट करते हैं, जिसने लेखन

में भले ही नाम न कमाया हो, मगर

वास्तविक जीवन में जरूर कमा

रही हो, वो भी हरे-हरे नोट। इनकी

नजर में नौकरी करने वाली

युवतियां टॉप स्लॉट पर रहती हैं।

इसके अलावा जो युवतियां अपना

खुद का व्यापार कर रही हों,

उनको भी ये स्पॉट करते हैं । ऐसे

ही साहित्यिक शिकारियों के लिये

दुष्यंत कुमार साहब फरमा गए हैं-

'तुम्ही से प्यार जताएं, तुम्ही को

खा जाएं अदीब यूँ तो सियासी हैं

पर कमीन नहीं'

शिकारी ने एक युवा कवयित्री सृष्टि

जो शौकिया तौर पर कभी -

कभार कविताएं लिखा करती थी।

सृष्टि विज्ञान की शोधार्थी थी उसे

जेआरएफ की अच्छी स्कालरशिप

भी मिल रही थी। वह विवाहित

थी, पति भी कमाता था। सृष्टि

अपनी कमाई की खुद मुख्तार थी

और ऐसी ही कमाने वाली युवतियों

पर सप्तवर्णी की नजर रहा करती

शनाया को चुना।

तो साहित्य के इस माहिर

भरत मिलाप का होगा अनुभव

चित्रकूट की यात्रा में सबसे भावुक करने वाला स्थान भरत मिलाप मंदिर था। यह वही स्थान है, जहाँ भरत अपने बडे भाई राम को वापस अयोध्या चलने के लिए मनाने आए थे। जब यहाँ पहुँचा, तो मंदिर की शांति और वहाँ के भक्तों की श्रद्धा को देखकर मैं भी भावूक हो गया। इस स्थल की ऊर्जा ऐसी थी कि

वास है और नदी किनारे बैठकर

रोमांच भरा हनुमान धारा ट्रेक

SCAN ME प्रकाशित करेंगे।

चित्रकृट प्रकृति प्रेमियों और ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए भी बेहतरीन जगह है। कामदगिरि पर्वत परिक्रमा को आजकल लोग एक ट्रेक के रूप में भी जानते हैं। इस बात ने मुझे अचंभित किया। लेकिन यह सबसे प्रसिद्ध है, जहाँ लोग 5 किलोमीटर की परिक्रमा की बजाय ट्रेकिंग करते हैं। हनुमान धारा ट्रेक भी रोमांचक है, जिसमें सैकडों सीढियाँ चढनी पडती हैं, लेकिन ऊपर से दिखने वाला दृश्य बेहद खूबसूरत होता है। गुप्त गोदावरी गुफा ट्रेक भी चुनौतीपूर्ण है, जहाँ जलधारा से होते हुए गुफा में प्रवेश किया जाता है। जनकपुर पहाड़ी ट्रेक और बलदाऊ पहाड़ ट्रेक भी साहसिक यात्रियों को आकर्षित करते हैं। चित्रकूट में ट्रेकिंग के साथ आध्यात्मिक शांति का अनोखा अनुभव मिलता है, जिसका मैंने भरपूर लाभ उढाया।

आत्मिक शांति का अनुभव

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के

लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।

2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी

भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

चित्रकृट में बिताए ये दो दिन मेरे लिए किसी आध्यात्मिक यात्रा की तरह थे। यहाँ के हर स्थल ने मुझे न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी समृद्ध किया। दिल्ली लौटते समय मैं इस यात्रा की यादों में डबा हुआ था। चित्रकूट न केवल एक तीर्थ स्थल है, बल्कि यह वह स्थान है जहाँ प्रकृति, धर्म और इतिहास एक साथ मिलते हैं। अगर आप भी कुछ समय के लिए अपनी व्यस्त दिनचर्या से दूर शांति और आत्मिक शुद्धि की तलाश में हैं, तो चित्रकूट से बेहतर स्थान कोई नहीं हो सकता। यह यात्रा मेरे जीवन की सबसे अनमोल यादों में से एक बन गई और मैं निश्चित रूप से यहाँ दोबारा आना चाहुँगा। इस जगह पर आने वाले लोगों के लिए रहने, खाने और घूमने से संबंधित हर तरह की सुविधाएँ मौजूद हैं। आप इन सुविधाओं का लाभ उठाने के साथ भगवान राम से जुड़ी इस पावन धरती पर अपनी आस्था को प्रकट करते हैं।

यह भाईचारे और प्रेम का संदेश

त्रिदेव झ ब्रह्मा, विष्णु और महेश को बालक रूप में बदल दिया था। आश्रम का वातावरण बेहद शांत और आध्यात्मिक था। यहाँ साधु-संतों का

ध्यान करना एक अनोखा अनुभव था। इस स्थान पर आकर मैं एक अलग ही मानसिक शांति महसूस कर

देती प्रतीत हो रही थी। दिनभर की

किनारे बैठकर सूर्यास्त देखना मेरे

लिए एक अनोखां अनुभव था। यहाँ

की शुद्ध हवा, पानी की बहती धारा

और वातावरण में गूँजते भजन मन

को अपार शांति दे रहे थे। इस

जगह पर मैं काफी देर तक बैठा

रहा और अपनी इस यात्रा के बारे में

यात्रा के बाद मंदाकिनी नदी के

'महाकुम्भ की बेला'

'महाकुम्भ की बेला' महाकुम्भ का जश्न है आया, झुमे भारत सारा, एक सौ चौवालिस साल के बाद

आती यह शृभ बेला अब आया सालों के बाद ये मनोवांछित मेला।

देश हो चाहे विदेशों से लोगों ने

तैयारी, भर भर के पंडाल लगे हैं, खुश है जनता सारी, सोलह मिलियन

लोग खड़े हैं लेने को दो डुबकी।

भांति भांति के लोग खड़े हैं, कोई अमीर, तो कोई गरीब, कुंभ की महिमा और गुणगान सुनकर हो गये सब एक समान।

मैंने भी अपनी माँ से बोला, यह है कुम्भ की पवित्र बेला, हम भी जाएंगे, संगम में नहाएंगे। आप, पापा मैं और भैया, वो बोलीं परीक्षा कर रही सर पे ता-ता-थैया। मैंने बोला, मान जा मैया, हम उसके बाद जाएंगे, परीक्षा के भूत जब सर से उतर जाएंगे। मां फिर मुस्कुराई और अच्छे से पढ़ने की शर्त लगाई।

महाकुम्भ की बेला है ये, महाकुम्भ की बेला!

त्यंग्य = बर्बरीक

'सिद्धा पर गिद्ध'



थी। उन्होंने सष्टि शनाया को 'सिद्धा सम्मान' के लिए चुने जाने का एक ईमेल भेज दिया। सृष्टि पहले हैरान हुई और फिर पुलकित, उसने भी धन्यवाद का एक ईमेल कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए भेज दिया। सप्तवर्णी अपने प्रकाशन की अनियमित स्मारिका भी निकालते थे, जो सिद्धा के नाम से होती थी। ये स्मारिका तैयार करते समय खुब प्रचार-प्रसार करते थे। पहले हल्के, धुंधले, ब्लर प्रिंट की स्मारिका उन्होंने निकाली और उसकी एक कॉपी ईमेल से सृष्टि को भेज दिया। 'सिद्धा सम्मान' के दिन नजदीक आ रहे थे। सृष्टि बेहद उत्साहित थी, अचानक उन्होंने सृष्टि को फोन किया और कहा- 'ये आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना होने जा रही है। हम जो स्मारिका आमतौर पर निकालते हैं वो हमारे बजट के अनुसार ही होती है। लेकिन, इसे हम एचडी क्वालिटी का रखें तो बात और अच्छी रहेगी, आखिर ये एक कालजयी इवेंट होगा। बस आपको थोड़ा सहयोग करना

सृष्टि ने संकोच में कहा

'जी सर, आप जैसा कहें'। 'चौदह हजार और लगेंगे, वैसे तो हमारा भी दस हजार पहले से हमारा लग ही रहा है। मगर हम इसे आपके जीवन का सबसे कीमती साहित्यिक पल बनाने की कोशिश करेंगे। वैसे ये चुनना आपकी इच्छा पर है, अगर अपग्रेड नहीं करेंगी तो भी कोई हर्ज नहीं, हम अपनी पूर्व योजना के अनुसार ही स्मारिका और सम्मान समारोह करेंगे ही। अगर सही लगे तो कल तक पैसे औ? अपनी कुछ अच्छी एचडी क्वालिटी फोटोज भेज दीजिएगा'।

'जी ओके ,सोच कर बताती



कहकर सृष्टि ने फोन रख

सृष्टि शनाया ने जब साहित्य में कदम रखा था, तभी प्रतिज्ञा कर ली थी कि किसी पुस्तक, सम्मान आदि के लिए वह पैसा नहीं देगी। सृष्टि को इस तरह बात बढ़ा कर ऐन वक्त पर स्मारिका के एचडी क्वालिटी के नाम पर पैसा मांगने की बात बहुत बुरी लगी। उसने तय किया कि वह सम्मान के नाम पर मांगे जा रहे पैसों के लिये एक रुपया भी नहीं देगी। और, जब रुपया नहीं देना तो जवाब भी नहीं देगी कोई सप्तवर्णी प्रकाशवान को। कई रोज बीत गए किसी भी प्रकार का सूचना का आदान-प्रदान नहीं हुआ तो सृष्टि ने मान लिया कि अब ये सिद्धा सम्मान का चैप्टर बंद हो चुका है। अचानक एक दिन उसे एक ईमेल मिली, जिसमें एक ब्रोशर था जिसमें स्वर्णजनित अक्षरों में उसके नाम के पहले सिद्धा दर्ज था। उसकी बेहद सुंदर और युवतर उम्र की तस्वीर थी, सॉफ्ट कॉपी में प्रस्तावित सिद्धा सम्मान देखकर वह मंत्रमुग्ध हो गई। उसे सप्तवर्णी जी को लालची मान लेने की अपनी सोच पर बहुत ग्लानि हुई और साहित्य में पैसा न देने की अपनी प्रतिज्ञा पर चिढ़ के साथ

कोफ्त भी हुई। सृष्टि ने अगले दिन

सप्तवर्णी को फोन किया और

इससे पहले कि वह कुछ कह पाती

सप्तवर्णी प्रकाशवान ने कहा

झ्र'सिद्धा सम्मान मैंने अपनी मां की

स्मृति में शुरू किया था। उनका

नाम सिद्धेश्वरी था। उन्होंने मुझे

इस लायक बनाया। इसीलिए हर संघर्षशील स्त्री में मुझे अपनी मां का ही संघर्ष नजर आता है। मेरी आर्थिक स्थिति इन दिनों थोड़ी तंग हो गई थी, इसलिए ब्रोशर छपवाने और आयोजन की तैयारी में थोड़ी देर लगी, मगर अब सब इंतजाम हो गया है और आयोजन के लिये हॉल वगैरह भी बुक हो गया है। दो हफ्ते बाद आयोजन है, आप उन तारीखों में उपलब्ध रहेंगी ना, डेट

की कोई दिक्कत तो नहीं है?' सृष्टि ने पुलकते हुए कहा-'जी कोई दिक्कत नहीं। मैं उस दिन आफिस से छुट्टी ले लूंगी। जी वो पैसे मैं भेज दूं जो आप कह रहे थे चौदह हजार?'

सृष्टि की बात को काटते हुये सप्तवर्णी बोले-'पैसों-वैसों की बात करके मुझे शमिंदा न करें। आप मेरी छोटी बहन जैसी हैं, अपनी मां के आदर्शों को लेकर मैं ये आयोजन कर रहा हूं। ये मेरे लिए बहुत ही इमोशनल और पारिवारिक आयोजन है। छोटी बहन से पैसे लिए तो अपनी ही नजरों में गिर जाएंगे। बताता हूं एक दो दिन में आयोजन की डिटेल्स, सपरिवार आने की तैयारी करो और मेरे घर ही रुकना सभी लोग उस दिन। एक आध दिन रुक कर ही गोंडा लौटना'। सृष्टि ये सुनकर पुलकित हो गई और उसे अपनी पूर्व की सोच का पश्चाताप भी हुआ कि सप्तवर्णी जी को कितना गलत समझ रही थी, वह जबिक छोटी बहन मानते हैं उसे। खूब प्रचार-प्रसार हो गया और आखिर दो

हफ्ते बाद की तारीख आ ही गई। उसने सपरिवार लखनऊ निकलने से पहले सप्तवर्णी जी को फोन किया कि हम आयोजन स्थल पर इतने बजे पहुंचेंगे।

उधर से सप्तवर्णी जी बिलख-बिलख कर रोते हुए बोले-

'मैं तो बर्बाद हो गया, लुट गया। मेरे प्रकाशन के डीपीटी ऑपरेटर सनील वर्मा का एक भयानक एक्सीडेंट हो गया, उसका ऑपरेशन कराया था वो भी विफल हो गया, अब जहर पूरे पैरों में फैल गया है। पैर काटना पड़ेगा एक या शायद दोनों ही। वरना वो मर जाएगा। उसकी और मेरी सारी जमा-पंजी लग गई इस महंगे नर्सिंग होम में। अब ढाई लाख रुपये और मांगे जा रहे हैं आगे के इलाज और दवा के लिए। सुनील मेरे छोटे भाई जैसा है, अकेला कमाने वाला और उसके दो छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। मेरे पास अब एक रुपया भी नहीं है लेकिन मैं अपने छोटे भाई सुनील को बचाऊंगा जरूर। चाहे अपना घर-बार या खुद को ही बेच देना पडे। मेरे छोटे भाई को बचाने में मेरी कुछ मदद करो छोटी बहन'।

ये कहते हुए दहाड़े मार कर सप्तवर्णी जी रोने लगे।

उन्होंने फोन बंद नहीं किया और लगातार रोते रहे। फोन पर ही सही, मगर उनके विलाप सुनकर सृष्टि भी रो पड़ी और इमोशनल हो गई। वो भी सुबक-सुबक कर रोने लगी। लखनऊ के सप्तवर्णी जी के नर्सिंग होम का विलाप गोंडा की सृष्टि शनाया के घर में समा चुका था। सृष्टि बहुत गुमसुम और उदास रहने लगी। उसे अपने नए भाई का विलाप और दुख बर्दाश्त नहीं हुआ। उसे अब सप्तवर्णी जी का डीपीटी आपरेटर सुनील अपना सगा छोटा भाई लगने लगा था। काफी सोच विचार कर उसने पति और परिवार से छिपा कर रखे गए अस्सी हजार रुपये सप्तवर्णी जी को अगले दिन भेज दिए। पैसे भेजकर उसे एक अजीब किस्म का आत्मिक सुख और संतोष मिला। इस घटना को महीनों बीत गए। जब उसे लगा कि अब काफी वक्त बीत चुका है, अब सब कुछ नार्मल हो गया होगा तो क्यों न सिद्धा सम्मान की खबर ली जाए। उसने सम्पर्क करने की कोशिश की तो सप्तवर्णी जी अपने मोबाइल, वाट्सएप, ईमेल सबसे नदारद पाए गए। बैंक जाकर चेक कराया तो पता चला कि वह खाता भी बंद है, जिसमें उसने रुपये भेजे थे। उसका मन बहुत आशंकित हो उठा, लेकिन अपनी शंका और

परेशानी वह अपने पति और

परिवार से कह नहीं सकती थी। क्योंकि परिवार वाले नाराज तो दो-चार दिन के लिए ही होते, मगर खिल्ली जीवन भर उड़ाते। पैसों का नुकसान तो वो सह लेती, मगर जीवन भर की खिल्ली उड़वाना उसे हरगिज गवारा न था। खुद की इमोशनल बेवकुफी पर उसे बड़ी शर्मिंदगी हुई और कोफ्त भी। कुछ दिनों बाद उसने लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाली बचपन की सखी निष्ठा शक्ला को फोन किया। अपनी व्यथा बताते हुए उसने सप्तवर्णी के क्रिया-कलाप और उनके कम्प्यटर कर्मी सुनील वर्मा की हालात पता लगाने

दो दिन बाद निष्ठा शुक्ला ने

की गजारिश की।

सृष्टि को फोन करके बताया कि 'सुनील वर्मा ने पिछले वर्ष ही उनके यहां काम छोड़ दिया था, क्योंकि सप्तवर्णी ने कभी भी एक रुपया उसके काम का भुगतान ही नहीं किया था। सुनील वर्मा का कभी कोई एक्सीडेंट हुआ ही नहीं और वो अब मेडिकल लाइन में कोई काम करता है । सप्तवर्णी एक नम्बर का ठग है, जो लेखिकाओं को ऐसी झूठी इमोशनल कहानियां सुनाकर लम्बी रकम ठगता रहा है। पचासों महिलाओं को ठगा है उसने। कभी बीवी की किडनी फेल होने की तो कभी बेटी के लिवर ट्रांसप्लांट के नाम पर। हरेक ठगी के बाद वो अपना फोन और अन्य सम्पर्क कुछ दिन के लिए बंद कर लेता है और फिर कुछ महीने अंडरग्राउंड और सुप्त रहने के बाद फिर किसी नई लेखिका को सिद्धा और फिर बीमारी के नाम पर इमोशनली ठगता है। तुम कहो तो मैं यहां के अखबार में ये ठगी की खबर दे दूं या पुलिस में कुछ करूँ तो इसकी अक्ल ठिकाने आए'। 'नहीं रहने दो, तुमने इतना किया बहुत है मेरे लिए, बस आखिरी मदद ये कर दो कि ये बात कभी किसी से कहना नहीं' ये बात कहते हुए सृष्टि ने मोबाइल रख दिया। उसने मोबाइल रखा तो देखा कि मेज पर उसकी जो डायरी खुली थी, उस पर उस्ताद शायर सैयद इंशा अल्ला खां इंशा का एक शेर लिखा था -'यह जो महंत बैठे हैं राधा के

कुण्ड पर अवतार बनकर गिरते हैं परियों के झुंड पर'।

ये पढ़कर उसे लगा कि मानो कुछ गिद्ध उसके बदन को नोच रहे हों और वह बेबस होकर कुछ प्रतिरोध न कर पा रही हो। उसके पूरे बदन में दर्द का एक आवेग उठा और उसकी आँखों से आंसू टपक पड़े।















BRIEF NEWS ऑल इंडिया रेलवे हॉकी दूर्नामेंट में तैनात रही आर्किड की मेडिकल टीम

RANCHI: रांची के रेलवे हॉकी स्टेडियम. हटिया में 18 फरवरी से 22 फरवरी तक आयोजित ऑल इंडिया रेलवे मेंस हॉकी टनामैंट के दौरान ऑर्किड मेडिकल सेंटर ने खिलाड़ियों के लिए आपातकालीन चिकित्सा टीम और एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान कीं। इस ट्रनामेंट के दौरान मेडिकल टीम ने खिलाड़ियों के लिए फर्स्ट ऐड किट के साथ तत्परता से सेवाएं दी। इससे किसी भी प्रकार की मेडिकल ट्रीटमेंट तत्काल दी गई। ट्नामेंट के आयोजकों और हॉकी टीम ने ऑर्किड मेडिकल सेंटर के सहयोग और उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की। ऑर्किड मेडिकल सेंटर की यह पहल स्वास्थ्य सेवा में कार्रवाई की जाएगी। सहयोग का एक बेहतरीन उदाहरण बनी और भविष्य में ऐसे सहयोग की

श्री श्याम मंडल का विराट फाल्गुन सतरंगी महोत्सव 9 मार्च से

उम्मीद जताई गई।



RANCHI: श्री श्याम मंडल रांची द्वारा 9 से 11 मार्च तक तीन दिवसीय विराट फाल्गुन सतरंगी महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। सभी कार्यक्रम अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में होंगे। कार्यक्रम की शुरूआत 9 मार्च को 3 बजे श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर से विधिपूर्वक निशान यात्रा से होगी। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी। इस यात्रा में प्रभु दिव्य रथ पर विराजमान होंगे और 700 भक्त कंधे पर निशान लेकर चलेंगे। भजन के साथ प्रसाद वितरण किया जाएगा। 10 मार्च को रात 9 बजे से मुख्य कार्यक्रम में भजन पुस्तिका का विमोचन, भव्य श्रृंगार, अखंड ज्योत, छप्पन भोग और होली समारोह होगा। 11 मार्च को द्वादशी दर्शन और खीर चुरमा प्रसाद वितरण होगा।

फातमा टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज ने ग्रामीणों को किया जागरूक



RANCHI: फातमा टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, चंदवे की ओर से दो दिवसीय सामुदायिक सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम दिन सिद्दी, दुबलिया और सोसो गांव में महिला सशक्तिकरण, साक्षरता स्तर में सुधार तथा संसाधनों की उपयुर्कत्ता हेत् जागरूकता विषयों से संबंधित ग्रामीणों में जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। दूसरे दिन कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने रक्तदान के महत्व को समझते हुए उत्साहपूर्वक अपना योगदान दिया। शिविर के सफल संचालन में सहायक प्रधानाध्यापक सुमन टोप्पो और नागरमल मोदी सेवा सदन के डॉ. एसके सिंह व उनकी टीम ने पूरा सहयोग दिया।

कर्मियों पर लगाम नहीं लगा पा रहे थे पिठोरिया थानेदार, सस्पेंड

रांची के पिठोरिया थानेदार को सस्पेंड कर दिया गया है। डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने यह कार्रवाई की है। दरअसल, पिठोरिया थानेदार अपनी डयटी के प्रति सजग नहीं थे। कार्यों में लापरवाही बरतने और अपने अधीनस्थ पलिस पदाधिकारी पर नियंत्रण नहीं रखने को लेकर रांची एसएसपी ने थानेदार गौतम रॉय को सस्पेंड कर दिया। बता दें कि 'द फोटोन न्यूज' ने पिठोरिया थानेदार पर लापरवाही बरतने को लेकर कई बार खबर प्रकाशित की थी। इस दौरान थानेदार के ऊपर कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी को संरक्षण देने के आरोप की भी खबर प्रकाशित की गई थी। उस समय ग्रामीण एसपी समित अग्रवाल ने कहा था मामले की जांच कर कठोर

देर रात औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे रांची एसएसपी, इसके बाद गिरी गाज द फोटोन न्यूज ने कार्यों में लापरवाही बरतने को लेकर प्रकाशित की थी खबर

- निरीक्षण के दौरान डयटी से नदारद मिले थाना प्रभारी, स्टेशन डायरी भी नहीं मिली मेनटेन
- कुख्यात अपराधी सजाउद्दीन अंसारी को संरक्षण देने का भी लगा
- ग्रामीण एसपी ने कहा था-जांच कर की जाएगी कठोर कार्रवाई

नहीं बख्शे जाएंगे लापरवाह पुलिस प्रदाधिकारी



एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले किसी भी पुलिस अफसर को बख्शा नहीं जाएगा। जो भी पुलिस पदाधिकारी अपने कर्तव्य के प्रति सजग नहीं रहेंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बता दें कि इससे पहले भी एसएसपी ने पुलिस पदाधिकारियों को सख्त हिदायत दी थी। उन्होंने कहा था- थानेदार बनने के लिए पैरवी लगाने वालों को सस्पेंड कर दिया जाएगा।

पार्ड गर्ड खामियां

डायरी में थाना प्रभारी ने अंतिम प्रपत्र भी अंकित नहीं किया था। इसके बाद एसएसपी ने एक्शन लिया। कार्रवाई करते हुए एसएसपी ने पिठोरिया थानेदार को सस्पेंड कर दिया। इसे लेकर आदेश भी जारी कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि औचक निरीक्षण के दौरान पिठोरिया थाने में कई तरह की खामियां पाई गई। इससे प्रतीत होता है कि पिठोरिया थानेदार अपने कर्तव्य के प्रति घर लापरवाह हैं। कहा गया कि वे अनुशासनहीन, कर्तव्यहीन और एक अयोग्य पलिस पदाधिकारी हैं। इस कारण से उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है।

एसएसपी को लगातार पिठोरिया थाने की शिकायतें मिल रही थी। इस बीच एसएसपी ने खुद पिठोरिया थाने का निरीक्षण का मन बना लिया। 20 फरवरी की देर रात एसएसपी पिठोरिया थाना पहुंचे। इस दौरान थाना प्रभारी गौतम रॉय ड्यूटी से नदारद मिले। औचक निरीक्षण के दौरान थाने में कुछ भी सामान्य नहीं मिला। पिठोरिया थाना का हाल देखकर एसएसपी चौंक गए। निरीक्षण के दौरान थाने में अन्य पुलिसकर्मी मौजुद नहीं थे। एसएसपी ने देखा कि थाने में ओडी अफसर भी मौजूद नहीं हैं। एसएसपी ने स्टेशन डायरी को भी देखा। स्टेशन डायरी भी मेनटेन किया हुआ नहीं मिला। एसएसपी ने पाया कि डायरी में जिस ओडी अफसर सत्यदेव प्रसाद का नाम अंकित है, उनकी डयटी गश्ति दल में भी है।

थाने में नहीं थे पुलिसकर्मी

रांची नगर निगम के कोर्ट ने दिया है बंद कराने का आदेश

अवैध रूप से संचालित ३३ रूफटॉप रेस्टोरेंट होंगे बंद

PHOTON NEWS RANCHI: रांची नगर निगम क्षेत्र में संचालित कुल 36 रूफटॉप बार-रेस्टोरेंट को बंद करने का आदेश रांची नगर निगम के कोर्ट ने दिया है। वहीं संचालकों को 30 दिनों के अंदर भवन प्लान के साथ आवेदन देने को कहा गया है। इसके बाद 30 दिनों के अंदर स्ट्रक्कर को हटाने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं करने पर रांची नगर निगम उस स्ट्रक्कर को हटाएगा। इतना ही नहीं, उसका खर्च भी संचालकों से वसूल किया जाएगा। बता दें कि रांची नगर निगम में रूफटॉप बार व रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ अनाधिकृत निर्माण संबंधी वाद चल रहा था। यह आदेश अपर प्रशासक संजय कमार के कोर्ट में पारित किया गया। जांच के दौरान तीन रूफटॉप बार-रेस्टोरेंट्स मोचा रेस्टोरेंट, धुनकी, अनारदाना का स्वीकृत नक्शा पाया गया, जबिक बाकी के 33 संचालकों द्वारा संतोषजनक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए गए। ऐसे में इन 33 रूफटॉप बार व रेस्टोरेंट्स को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया गया। रांची नगर निगम ने इस आदेश में स्पष्ट किया है कि जो भी संबंधित रूफटॉप के

संचालक हैं, उन्हें अनधिकत

संरचनाओं के कम्पाउंडिंग और

पुनरीक्षण हेतु भवन प्लान आवेदन

30 दिनों के भीतर झारखंड भवन

उपविधि 2016 के तहत,

बीपीएएमएस प्रक्रिया के माध्यम से

प्रस्तत करना होगा। यह आदेश सभी

रूफटॉप बार व रेस्टोरेंट के

संचालकों के लिए है कि वे अपने

निर्माण के लिए उचित स्वीकृति प्राप्त

करें और अनधिकृत संरचनाओं को

वैध बनाने की प्रक्रिया परी करें।

संबंधित आदेश में यह भी कहा गया

है कि यदि 30 दिनों की अवधि के

भीतर संचालक द्वारा भवन प्लान

आवेदन नहीं दिया जाता है, तो उस

स्थिति में उक्त संरचना को 30 दिनों

कई बार नोटिस भेजने के बाद भी संचालकों ने नहीं उपलब्ध कराया भवन का नक्शा

- भवन का स्ट्रक्रर हटाने का चार्ज भी संचालकों से वसूलेगा नगर निगम
- 30 दिनों के बाद आवेदन नहीं करने वाले संचालकों को गिराना होगा स्ट्रकर



बिना नक्शा के चल रहे थे ये रेस्टोरेंट

- लूप लाउंज एंड बार (पैंटालून बिल्डिंग) ईस्टर्न मॉल.
- जगन्नाथ टावर, लालपुर द अर्हान द्याविया ह्यार सर्कुलर
- कोर्ट कॉम्प्लेक्स, लालपुर • कैलोरी रेस्टोरेंट होटल
- लैंडमार्क बिल्डिंग, लालपुर • विडोरा रेस्ट्रो एंड लाउंज अमरावती कॉम्प्लेक्स, ईस्ट
- अर्हान ह्यातिया ह्याउ (मान्यत्यः) शोरूम बिल्डिंग) ओवर ब्रिज के पास, मेन रोड

जेल रोड, प्लाजा चौक, रांची

- जंगली मूनडांस रेस्तरां चौथी माजल नद भवन महात्मा गांधी मुख्य सड़क ओवर ब्रिज के पास, निवारणपुर, रांची,
- स्मोक्ड रेस्टोरेंट एंड लाउंज मेन रोड. पीपी कंपाउंड के पास, रांची
- ग्रीका किचन एंड बार मिन् हाइट, कांके रोड
- एमआई अमोर कैफे एंड रेस्ट्रो (साहिल यामाहा शोरूम के बगल में) हरमू बायपास
- मदीरा लाउंज एंड बार, सुनीता कॉम्प्लेक्स अरगोरा चौक के

के भीतर हटाने का आदेश दिया

जाएगा। अगर संचालक अपनी

तरफ से संरचना नहीं हटाते हैं, तो

रांची नगर निगम स्वयं इसे हटाने की

- नेवर द लेस लाउंज एंड रेस्टोरेंट (45 टीवीएस शोरूम
- पंप हरमू बायपास रोड • पाण लाउंज आर एस स्क्वायर हरम् बायपास रोड

बिल्डिंग) ओपोजिट पेट्रोल

- स्काई वॉक लाउंज एंड बार, आरएमसी अंबेडकर पार्क के पास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, होटल क्रैडल इन, रांची
- फ्यजन बार एंड रेस्टोरेंट होटल ढ रासो, बिरसा चौक
- स्काई डाइन रेस्टोरेंट, बिरसा चौक हिनू रोड, रांची
- टेन 11 रेस्टोरेंट एंड बार, बिरसा चौक हिनू रोड, रांची
- 🛮 मोक्ष फैमिली रेस्ट्रो एंड बार बिरसा चौक हिनू रोड, रांची
- 🛮 क्राउन ७ रेस्टोरेंट, चंद्रा हाइट, हवाई नगर
- द रीफ रूफटॉप रेस्टोरेंट कोरल ग्रैंड, पुरुलिया रोड, डंगराटोली, लालपुर, रांची
- लेवल ७ रूफटॉप रेस्टोरेंट, आकाश कॉम्प्लेक्स. नॉर्थ ऑफिस पारा, श्यामली कॉलोनी, डोरंडा, रांची
- लाउंज, बोधराज हाइट, निवारणपुर, डोरंडा

• मैकेनिक्स रेस्टोरेंट एंड

फर्स्ट डेट कैफे (रूफटॉप) बिमल रेजीडेंसी, बड़ा घाघरा

कार्रवाई करेगा। इसके बाद जो भी

खर्च निगम को इस कार्रवाई में

आएगा, वह संबंधित संचालक से

वसुला जाएगा। यह आदेश नगर

नामकुम रोड, रांची

- 🛚 अटारी किचन एंड लॉज मां टावर, बड़ा घाघरा नामकुम
- सोरोस-किचन एंड बार, स्काईलाइन टावर, कदू अशोक नगर रोड, गुरुद्वारा के पास. रांची
- ऑलिट्स एंड फिग्स साई आर्केड, किआ शोरूम के ह्यगल में अशोक नगर, रांची
- स्काईस्केप बार एंड लाउंज किआ शोरूम के सामने, लेक
- निवाणीं लाउंज एंड रेस्टोरेंट
- सर्जना चौक के पास 🔵 याराना रूफ टाप कफ ब
- ਨਗਾ**रੀ**बाग रोड. एस जी एक्सोटिका बिल्डिंग के पास.
- बेबीलोन रूफटॉप रेस्टोरेंट रूफटॉप, कोरल प्लाजा, मेडिका हॉस्पिटल बुटी मोड के पास, बरियातू रोड, रांची, झारखंड
- लिटिल रूफ रूफ रेस्टोरेंट, लाइफ केयर हॉस्पिटल बुटी मोड़ के पास, रांची
- सिंह मोड़
- द शेक किचन, लटमा रोड,
- સિંह मोड।

निगम का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शहर में अवैध निमाणीं को वैध किया जाए।

श्रीमद्भागवत कथा के बाद इंद्रेश जी महाराज ने खेली फूलों की होली, वृंदावन जैसा दिखा नजारा

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शनिवार को भव्य समापन हुआ। श्रद्धालुओं से खचाखच भरे पंडाल में इंद्रेश जी उपाध्याय ने कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण के अद्भृत बाल्यकाल की लीलाएं, कंस वध, सुदामा-श्रीकृष्ण मित्रता, रुक्मिणी विवाह और नरकासुर से मुक्ति दिलाकर 16108 कन्याओं से विवाह जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन हुआ, विशेषकर मधुमंगल के हास्य प्रसंगों और केशी राक्षस के वध की कथा से भक्तों ने भगवान की शक्ति का अनुभव किया। रुक्मिणी विवाह और 16108 कन्याओं के विवाह का प्रसंग भक्तों



कर गया। कथा सुनते हुए भक्तों ने जयकारे लगाए और भक्ति भाव में डूब गए। कार्यक्रम के बाद इंद्रेश जी महाराज ने 45 मिनट तक फूलों की होली खेली, जिससे माहौल वृंदावन की होली जैसा हो गया। इस दौरान उन्होंने फूलों की बौछार की और भक्तों को प्रेम और भक्ति का संदेश 10 हजार भक्तों की

ऐतिहासिक बन गया। इसके साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 162 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रासेश्वर नाथ मिश्रा ने कहा कि यह आयोजन भक्तों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा और जीवन के गृढ़ रहस्यों को समझने का अवसर था, जो लंबे समय तक

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति इस वर्ष करेगी भव्य पजा



के लिए पूजा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस कड़ी में महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साह ने मूर्तिकार रामपाल जी को मां भवानी की प्रतिमा बनाने के लिए फोटो सौंपा और एडवांस किया। मुख्य संरक्षक ने बताया कि 2 मार्च को श्री चैती दुर्गा पजा महासमिति की एक आम बैठक होगी। बैठक में आय-व्यय का ब्योरा कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्ल सिंह) द्वारा प्रस्तत किया जाएगा। साथ ही पुरानी कमेटी को भंग करने या उसे सुचारु रूप से चलाने पर भी चर्चा होगी। इस अवसर पर महासमिति के कार्यकर्ता संजय कुमार सिंह (लल्लू सिंह), नमन भारतीय, आकाश रजक, करण सिंह, मोहित रजक, रोहन सिंह, अर्जुन सिंह, पवन रजक, यश

एनडीपीएस की आरोपी रांची सिविल कोर्ट की अधिवक्ता बरी



PHOTON NEWS RANCHI:

रांची सिविल कोर्ट की अधिवक्ता सुजाता सेन को कोर्ट ने बरी कर दिया है। वह एनडीपीएस से जुड़े केस में टायल फेस कर रही थी। अधिवक्ता सुजाता के खिलाफ लोअर बाजार थाना में कांड संख्या 336/2021 दर्ज की गयी थी। प्राथमिकी के मुताबिक अधिवक्ता के पास से प्रतिबंधित कफ सिरप और नींद की दवाइयां बरामद हुई थी। वह लगभग तीन वर्ष से ज्यादा समय से जेल में थी। कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें बिरसा मंडा केंद्रीय कारागार से रिहा कर दिया गया। एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में केस दर्ज वर्मा, प्रियांशु वर्मा आदि उपस्थित थे। | किया गया था। सुजाता की ओर

10वीं तक की छात्राओं को ₹2500 व 11-12वीं के लिए देने थे ₹5000

सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के

से अधिवक्ता निमई चन्द्र दास ने बहस की। पुलिस की ओर से इस केस में सात गवाह और कई साक्ष्य प्रस्तुत किये गये वहीं बचाव पक्ष की ओर से एक भी गवाह प्रस्तुत नहीं किया गया। लेकिन पलिस द्वारा पेश किये गये गवाह यह साबित नहीं कर पाये कि अधिवक्ता सुजाता सेन नशे के कारोबार में शामिल हैं। अधिवक्ता निमई चन्द्र दास के मुताबिक कोर्ट द्वारा रिहाई के आदेश से अधिवक्ता सुजाता पर लगा दाग तो धुल गया लेकिन तीन वर्ष तक एक महिला अधिवक्ता को जेल की सलाखो के पीछे रहना पड़ा यह काफी

सफल रहा न्यूरोसर्जरी विभाग की टीम का प्रयास, रिम्स पर कम होगा लोड

सदर अस्पताल में पहली बार हुई स्पाइन सर्जरी

PHOTON NEWS RANCHI:

शनिवार को सदर अस्पताल रांची के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग में पहला ऑपरेशन किया गया। इस ऑपरेशन के साथ ही सदर अस्पताल में न्यूरोसर्जरी की शुरूआत हो गई। इससे अब रांची व अन्य जगहों के मरीजों को राजधानी के बड़े अस्पतालों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे न केवल मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी, बल्कि राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स पर भी लोड कम होगा। बोकारो के चंदन कियारी के 64 साल के अशोक भगत को तीन महीने पहले दिसंबर 2024 में लुंबर स्पाइन फ्रैक्कर हो गया। इससे

बोकारों के चंदनकियारी निवासी अशोक भगत का हुआ ऑपरेशन मरीजों को अब बड़े प्राइवेट अस्पतालों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं

उसे लेकर सदर अस्पताल

पहुंचे। जहां न्यूरो सर्जन डॉ.

अशोक मुंडा ने मरीज की जरूरी

जांच कराई। इसके बाद उन्होंने

मरीज का ऑपरेशन करने की



उनकी एक नस दब गई। इसके

बाद मरीज के दोनों पैर में

सुनापन आ गया। इस बीच

मरीज के दोनों पैर ने काम करना

बंद कर दिया। मरीज के परिजन

सिविल सर्जन ने पूरी टीम को दी बधाई सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार अस्पताल में न्यूरोसर्जरी विभाग

ने इसके लिए पूरी टीम को बधाई दी है। साथ ही कहा कि मरीज के पैर में कमजोरी और सुन्नपन की समस्या थी। इसके कारण वह पैर को हिला–डुला नहीं पा रहा था। मरीज का ऑपरेशन स्पाइन सर्जरी के तहत किया गया और ऑपरेशन के तुरंत बाद उसे पैर में ताकत महसूस होने लगी। सिविल सर्जन ने सराहना करते हुए कहा कि सदर

का शुरू होना मील का पत्थर साबित होगा। वहीं डॉ . अखिलेश झा ने भी टीम को बधाई दी। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. अशोक कुमार मुंडा, एनेस्थीसिया के नीरज कुमार, वसुधा गुप्ता, डॉ. विकास कुमार ओटी असिस्टेंट में अनांद किशोर कुमार, लखन कुमार, प्रणव कुमार, नीरज कुमार, वसीम अकरम शामिल रहे।

योजना बनाई। ऑपरेशन के बाद मरीज को पैर में ताकत महसूस होने लगी है। फिलहाल उसे डॉक्टरों की निगरानी में रखा

विशेष लोक अदालत में १५०३ मामलों का किया गया निष्पादन



भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने कहा झालसा के निर्देश पर न्यायायुक्त-है कि सावित्री बाई फुले किशोरी सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा समृद्धि योजना के तहत 5,514 पाधिकार, रांची के मार्गदर्शन में लोक लाभार्थियों को अब तक भुगतान अदालत का सफल आयोजन हुआ। नहीं किया गया है। इस योजना के इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष तहत कक्षा आठ से 10 तक की दिवाकर पांडेय, प्रधान न्यायाधीश छात्राओं को 2,500 रुपये प्रति वर्ष कुटुब न्यायालय एसएस फातमी, रांची और कक्षा 11-12 के लिए 5,000 जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, रुपये प्रति वर्ष दिए जाने थे, ताकि शंभु प्रसाद अग्रवाल, महासचिव संजय वे अपनी शिक्षा जारी रख सकें। विद्रोही समेत व्यावहर न्यायालय के अपर न्यायायुक्त, न्यायिक फंड की कमी के कारण अभी तक पदाधिकारी, न्यायिक दंडाधिकारी एवं कई किशोरियों को उनकी राशि अन्य उपस्थित थे। मंच का संचालन नहीं मिल पाई है। बजट का सही डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने तरीके से आवंटित नहीं किए जाने किया। विशेष लोक अदालत के लिए और प्रशासन की लापरवाही के 18 बैंच का गठन किया गया। इस कारण योजना पूरी तरह सफल विशेष लोक अदालत में चेक नहीं हो पाई है। मरांडी ने शनिवार अनादरण संबंधित कुल १५०३ वादों का निष्पादन किया गया। को सोशल मीडिया एक्स पर

लाभार्थियों को अब तक भुगतान नहीं : मरांडी महाकुंभ पर्व सनातन हिंदू धर्म की



दूसरी ओर मरांडी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि महाकुंभ पर्व सनातन

पुरा देश इस समय प्रयागराज के पवित्र संगम में स्नान और महाकुंभ के दिव्य वातावरण, संत महात्माओं के दर्शन कर जन्म जन्मांतर का पुण्य फलीभूत करना चाहता है। लेकिन झारखंड सरकार के दो मंत्री हिफजुल हसन और इरफान अंसारी महाकुंभ के बारे में भ्रामक टिप्पणी कर सनातन धर्म में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों का अपमान कर माहौल को बिगाडने का प्रयास कर रहे हैं।

हिंदू धर्म की आस्था का प्रतीक है।

लिखा है कि राशि भुगतान में देरी से गरीब और जरूरतमंद छात्राओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। हेमंत सरकार की योजनाएं केवल

कागजों तक सीमित रह गई हैं, लाभार्थियों तक समय पर लाभ नहीं पहुंचने के कारण इसका उद्देश्य ही विफल हो गया है।

बंडामुंडा में पटरी से उतरी मालगाड़ी



हादसा हुआ है। मामला चक्रधरपुर रेल मंडल के बंडामुंडा का है, जहां यार्ड में शुक्रवार को शंटिंग के दौरान मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी है स्टिक ब्रेक लगाए बिना मालगाड़ी की शंटिंग की जा रही थी, जिसकी वजह से ट्रेन

एसयूसीआई (सी) पार्टी की प्रखंड कमेटी ने 8 सूत्री मांग

विकास मजूमदार, दुर्गाचरण

रोल डाउन होकर पटरी से उतर गई। बंडामुंडा के एआरएम ने कहा कि यह कोई बडा रेल हादसा नहीं था। इससे कोई रेल सेवा बाधित नहीं हुई।

एसयूसीआई (सी) ने सौंपा 8 सूत्री मांगपत्र

GHATSILA: रेलवे से संबंधित जन समस्याओं को लेकर डीआरएम शनिवार को घाटशिला स्टेशन प्रबंधक को सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया कम्युनिस्ट

पत्र सौंपा। इसमें कहा गया है कि जल्द से जल्द रेलवे प्रशासन हमारी मांगों पर कार्रवाई करे, अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन को बाध्य होंगे। सबसे पहले 27 फरवरी को खड़गपुर डिविजनल रेलवे मैनेजर के समक्ष प्रदर्शन किया जाएगा।

झामुमो ने मनाई मौलाना आजाद की पृण्यतिथि

GHATSILA: झामुमो ने शनिवार को संपर्क कार्यालय में देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबल कलाम आजाद की पुण्यतिथि मनाई। इस मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत,

मर्म, मो. जलील, सशील मर्डी, गोपाल कोइरी, सागर पानी, प्रकाश निषाद, शिवम शर्मा, राजा सिंह, संदीप देवगम, गोपाल महतो, जितेन दास, भास्कर भकत आदि शामिल थे।

अर्का जैन विवि वार्षिक प्रबंधन उत्सव में दिखा नवाचार

JAMSHEDPUR: कल्पनाओं से परे, संभावनाओं की ओर इस मंत्र के साथ जमशेदपुर स्थित अर्का जैन विश्वविद्यालय में वार्षिक



आयाम स्थापित किया है। यह विश्वविद्यालय का वार्षिक और प्रमुख प्रबंधन

उत्सव है, जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को रचनात्मकता और नेतृत्व के लिए एक बेहतरीन मंच मिला, बल्कि देशभर के विभिन्न कॉलेजों से प्रतिभाशाली छात्रों को भी शामिल किया गया। पहले दिन जहां अतिथियों ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। वहीं दूसरी दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

बाबा दीप सिंह का शहीदी दिवस शुरू

JAMSHEDPUR: टेल्को क्षेत्र के जेम्को मैदान में इस साल भी सिख



गुरुद्वारा शोभायात्रा निकाली गई जो पंडाल तक पहुंची।

भाई जसवीर सिंह ने संगत को कीर्तन से जोड़ा। इसके उपरांत महान कथावाचक जानी पिंदरपाल सिंह ने अपने कथा विचारों के साथ संगत को निहाल किया। इसके साथ ही गुरजंत सिंह कविश्री जत्था ने समूह संगत को अपने शब्दों से जोड़ा। इसके उपरांत अरदास हुई और गुरु का अट्ट लंगर चला। जेम्को गुरुद्वारा के अध्यक्ष सरदुल सिंह ने बताया कि रविवार को भी इसी तरह दीवान सजाया जाएगा, जो रात भर चलेगा।

भाजपा ने की केंद्रीय बजट पर विचार गोष्टी

CHAIBASA: भाजपा ने शनिवार को बाल मंडली, चाईबासा में बजट 2025-26 पर विचार सतीश

गोष्ठी की। इसमें पूर्व सांसद गीता कोड़ा, प्रदेश जेबी तुबिद, जिलाध्यक्ष संजय पांडे, पुरी, प्रताप कटियार आदि ने केंद्रीय बजट पर विस्तत चर्चा की। गीता कोड़ा ने कहा

कि यह बजट देश के लिए समद्धि और विकास का नया रास्ता खोलेगा। केंद्र सरकार ने 39.45 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जिसमें 10.42 लाख करोड़ रुपये का आवंटन बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किया

चाकुलिया में बकरी चोरी के आरोप में दो युवकों की हो गई मॉब लिंचिंग

घटना की जांच में जुटी पुलिस, छावनी में तब्दील हुआ गांव, गिरफ्तारी के डर से ग्रामीण फरार

JASHEDPUR/GHATSILA: चाकुलिया थाना क्षेत्र के जोड़सा गांव में शुक्रवार को मॉब लिंचिंग की एक दर्दनाक घटना घटी। ग्रामीणों ने गांव में बकरी चोरी करने घसे दो यवकों को पकड़कर बेरहमी से पीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इनमें से एक युवक कुशक बेहरा की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबिक दुसरा युवक भोलानाथ महतो गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए जमशेदपर के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि जिन बकरियों को युवकों ने चुराया था, उसमें से एक बकरी के गले में घंटी बंधी थी। घंटी की आवाज से बकरियों



अनुमंडल अस्पताल में पहुंचे पुलिस पदाधिकारी

खुल गई। मृतक भोलानाथ महतो चाकुलिया के जीरापाड़ा का निवासी था। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद है और मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस ने कहा है कि दोषियों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर पर सवाल उठाती है और कानून करती है। बताया जाता है कि गिरफ्तारी के डर से ग्रामीण फरार

धतकीडीह गोलीकांड में सात बदमाश किए गए गिरफ्तार

जेल में शुरू हुआ था विवाद, कुछ को कोलकाता से किया अरेस्ट

बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित धतकीडीह में 19 फरवरी को शिवम घोष पर जानलेवा हमला किया गया था। उसे गोली मारी गई थी। घटना में गंभीर रूप से घायल शिवम का इलाज टीएमएच में चल रहा है। पुलिस ने घटना के खुलासे के बाद सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पुलिस ने तीन पिस्टल, सात कारतूस, एक स्कूटी, एक बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को जेल भेज

गिरफ्तार आरोपियों में ज्योति विभार, विशाल विभार, शोएब अख्तर उर्फ शिबु, सोमेश राव उर्फ एल सोमेश, आसिफ, परवेज खान



उर्फ कैश खान और सोनू झा उर्फ विकास कुमार झा शामिल हैं। ये सभी कदमा और टेल्को इलाके के निवासी हैं। एसएसपी कार्यालय ने बताया कि अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने जमशेदपुर के अलावा कोलकाता में भी कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। पलिस की जांच में यह भी सामने

आया कि शिवम घोष का विवाद जेल में आरोपियों से हुआ था। शिवम ने इन बदमाशों पर टिप्पणी की थी, जिससे उनकी दुश्मनी बढ़ी और यह गोलीकांड हुआ। इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया था, जिसने बारीकी से जांच करते हुए अपराधियों को पकड़ने में सफलता हासिल की।

तत्काल टिकट की



• फोटोन न्यूज कोटगढ़ में शक्ति स्थल के पास उपस्थित सांसद व विधायक NOAMUNDI: पश्चिमी सिंहभम जिले के नोवामंडी के कोटगढ में सांसद जोबा मांझी और मनोहरपुर के विधायक जगत माझी को मां समलेश्वरी मंदिर हातनाबेडा कोर समिति के अध्यक्ष गणेश चंद्र गोप, युवा समिति के चंद्रमोहन गोप, महासचिव सनातन गोप तथा विनीत गोप आदि ने मां समलेश्वरी मंदिर हातनाबेड़ा की समस्या से अवगत कराया। सांसद व विधायक किरीबुरू स्थित वन ग्राम मिर्चीगढ़ा के एक कार्यक्रम में जाते समय कोटगढ में ठहरे थे। समिति के लोगों ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराने तथा मुख्य तोरणद्वार बनाने की मांग रखी। वहीं, इंटर महाविद्यालय जगन्नाथपर की प्रबंध समिति. सीताराम रूंगटा सरस्वती शिश मंदिर कोटगढ़ तथा उच्च विद्यालय कोटगढ़ की विद्यालय प्रबंधन समिति, शासी निकाय के पदधारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सांसद से अपने-अपने विद्यालय व महाविद्यालय की समस्या सुनाई।

सांसद-विधायक ने सुनी मंदिर

कालाबाजारी का मामला सीबीआई तक पहुंचा



टिकटों की कालाबाजारी का मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) तक पहुंच गया है। इस मामले को राष्ट्रीय भ्रष्टाचार नियंत्रण एवं जनकल्याण संगठन के प्रदेश निदेशक बसंत महतो ने शनिवार को सीबीआई की डीएसपी जे. माझी से चाईबासा के सर्किट हाउस में मलाकात कर सामने रखा। उन्होंने सीबीआई को कालाबाजारी से जुड़े साक्ष्यों और तथ्यों की जानकारी दी। महतो ने इस घोटाले के खिलाफ किए गए स्टिंग ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी साझा की। अब देखना है कि सीबीआई इस मामले में किस तेजी से कार्रवाई करती है।



की पलिस ने जवाहर नगर रोड नंबर 6 स्थित गड्ढा मैदान के पास से ब्राउन शुगर बेच रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 40 पुड़िया ब्राउन शुगर, दो मोबाइल फोन और 1600 रुपये नकद जब्त किया है। गिरफ्तार यवकों में भालबासा हरिजन बस्ती निवासी राकी मुखी, जवाहर नगर निवासी आकाश मुखी और जुगसलाई के गरीब नवाज कॉलोनी निवासी सरफराज

उर्फ तिल्ली हैं। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनसार, सरफराज उर्फ तिल्ली के पास से 15 पुड़िया, राकी मुखी के पास से 5 पुड़िया और आकाश मुखी के पास से 7 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई। छापेमारी के दौरान उनके पास से दो मोबाइल फोन और 1600 नकद भी मिला।

जनता के लिए कांग्रेस हमेशा

जगन्नाथपुर के विधायक सोनाराम

मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को

हमेशा हमारी तरफ से सहयोग

मिलता रहेगा। संगठन की मजबूती

से ही हम सभी आज इस मुकाम

तक पहुंचे हैं। जनता के बीच काम

हमें दिया है। जनता के लिए कांग्रेस

हमेशा आगे बढ़कर काम करती है।

कोई भी छोटी-बड़ी समस्या हम

सुनते हैं और उसका समाधान

कराने का प्रयास कराते हैं।

करने का अवसर संगठन ने

आगे : सोनाराम सिंकू

सिंकू ने कहा कि संगठन की



सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने शनिवार को साकची में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि गिरफ्तार यवकों का आपराधिक इतिहास रहा है। तीनों को जेल भेज दिया है। पूछताछ के दौरान युवकों ने ब्राउन शुगर के सप्लायर का नाम भी उजागर किया, जो इस वक्त जेल में बंद है। पुलिस इस कड़ी में आगे की जांच कर रही है. ताकि नशा कारोबार की जड़ों तक

तीन बकरियां चोरी कर ले जा रहे थे आरोपी

हरगोविंद नायक ने बताया कि उसके घर से चोर तीन बकरी चोरी कर ले जा रहे थे। छोटी बकरी के गले में घंटी बंधी थी। घंटी आवाज करने लगी। घंटी की आवाज से अंदेशा हुआ कि हाथी आ गया है। हाथी का भी प्रकोप क्षेत्र में लगातार बढ़ता जा रहा है। हरगोविंद बताते हैं कि घर से बाहर निकले तो देखा कि दो युवक बकरी को लेकर भाग रहे हैं। उसे दौड़ा कर पकड़ने का प्रयास किया, तो युवकों ने उल्टा हरगोविंद को पीटना शुरू कर दिया। हल्ला करने पर गांव के लोग जुटे और दोनों युवकों को घेर कर पकडा और पिटाई कर दी।

दो-दो किलो के दो आईईडी गोलमुरी में युवक ने बरामद, पुलिस ने किया नष्ट

दोनों को घाटशिला अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंची थी पुलिस

जमशेदपुर रेफर कर दिया गया था। चाकुलिया पुलिस ने बताया कि रात में सुचना मिली थी कि जोड़सा गांव में चोरी की घटना में दो चोरों को ग्रामीणों ने पीटा हैं। इसके बाद पुलिस ने दलबल के साथ गांव पहुंचकर दोनों

चाकुलिया थाना की पुलिस दोनों को लेकर शनिवार की सुबह लगभग 7 बजे घाटशिला अनुमंडल अस्पताल

पहुँची। अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सकों ने जांच के बाद कुशक बेहरा को मृत घोषित कर दिया। वहीं,

चांकुलिया थाना क्षेत्र के जीरापाड़ा निवासी भोलानाथ महतो को हालत गंभीर होने पर एमजीएम अस्पताल,

आरोपियों को अपने कब्जे में लेकर ग्रामीणों को शांत कराया थाँ।

हरगोविंद के घर बकरी

चोरी करने घुसे थे चोर

घटना चाकुलिया थाना क्षेत्र के सोनाहात्

पंचायत के जोड़सा गांव में घटी। ग्रामीणों

नायक के घर बकरी चोरी करने घुसे थे।

के अनुसार, दोनों जोड़सा के हरगोविंद

यहां से बकरी चोरी कर ले जा रहे थे,

तभी दोनों युवकों को शुक्रवार की रात

लगभग 2 बजे ग्रामीणों ने लाठी-डंडों से

जमकर पीटा। इस वारदात में एक युवक

गई, जबकि दूसरा भोलानाथ महतो गंभीर

कुशक बेहरा की मौके पर ही मौत हो

रूप से घायल था।



क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम

देने के उद्देश्य से भ्रमणशील हैं। इसी

संदर्भ में, चाईबासा पुलिस, कोबरा 209

बटालियन, झारखंड जगुआर एवं

सीआरपीएफ 60, 197, 174, 193,

134 व 26 बटालियन की टीमों का

संयुक्त अभियान दल गढित कर

लगातार अभियान संचालित किया जा

रहा है। इसी क्रम में नक्सली संगठन

के एक अज्ञात दस्ता के कोल्हान क्षेत्र

में भ्रमणशील होने की सूचना प्राप्त हुई।

मानगो में ब्राउन शुगर बेचते

JAMSHEDPUR : गोलमरी थाना क्षेत्र के गाढ़ाबासा में 21 वर्षीय युवक प्रेम कुमार ने फांसी जिले में नक्सलियों के विरुद्ध चलाए जा लगाकर आत्महत्या कर ली। रहे अभियान में शनिवार को जेटेया बताया जा रहा है कि प्रेमिका के थाना अंतर्गत झिरझोर में नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाए गए 2–2 किलो के पिता की धमकी के कारण युवक दो आईईडी बरामद किए गए। तनाव में था, जिसके चलते जानकारी के अनुसार प्रतिबंधित उसने यह खौफनाक कदम भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, परिजनों के अनुसार, शुक्रवार मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा, कोल्हान

शाम प्रेम कुमार की प्रेमिका का पिता उसके घर आया था और उसे एकांत में ले जाकर

इस घटना के बाद प्रेम कुमार काफी तनाव में आ गया था। उसने अपनी मां को इस धमकी की जानकारी भी दी थी। रात में वह खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। अगली सुबह जब वह देर तक कमरे से



मृतक की फाइल फोटो

बाहर नहीं निकला तो परिजनों को शक हुआ। खिड़की से झांकने पर देखा गया कि प्रेम कुमार का शव रस्सी के सहारे लटक रहा था। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद गोलमुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

बांकसाई के ग्रामीण दूषित पानी पीने को हो रहे मजबर



CHAKRADHARPUR

चक्रधरपर प्रखंड के पदमपर पंचायत अंतर्गत चेलाबेड़ा बांकसाई में ग्रामीण दिषत पानी पीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने नलकप लगाने के लिए संबंधित विभाग को कई बार पत्राचार किया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। इसके कारण ग्रामीण डेढ़ किलोमीटर दूर नदी में चुआं बनाकर दिषत जल पी रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को ग्राम सभा हुई, जिसके बाद मुखिया प्रतिनिधि मंट गागराई ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग चक्रधरपुर प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता नवीन भगत को

कांग्रेस भवन चाईबासा में कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिलों के जुटे पदाधिकारी व कार्यकर्ता

कांग्रेस के डीएनए में ही आदिवासी व मूलवासी : के. राजू

PHOTON NEWS CHAIBASA:

झारखंड कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू शनिवार को कोल्हान प्रमंडल मुख्यालय चाईबासा पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस भवन चाईबासा में कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिला प. सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां तथा पूर्वी सिंहभूम के प्रखंड,नगर तथा मंडल के अध्यक्ष शामिल थे। बैठक को संबोधित करते हुए के.राजू ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में आदिवासी और मूलवासी है। यह नहीं सोचना है कि दूसरी पार्टी उन्हें आगे लेकर जाएगी। आदिवासी-मुलवासी को कांग्रेस आगे लेकर जाएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में झामुमो को सपोर्ट करें, लेकिन कांग्रेस की अपनी एक पहचान है। झारखंड के ही बेटे जयपाल सिंह मुंडा ने कांग्रेस का दामन थामा था। उनकी सोच को पूरा कर सकते हैं।



कांग्रेस भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते प्रदेश प्रमारी के. राजू

मोहल्ले तक संगढन को ले जाना है : केशव कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बैठक में कहा कि 2025 संगठन सृजन का वर्ष है और हमें संगठन की अंतिम इकाई तक को मजबूत करना है। हम जिन ग्राम, वार्ड, मोहल्ले में रहते हैं, उस स्तर तक संगठन को

कांग्रेस प्रभारी ने नेता और

कार्यकर्ताओं को पांच मंत्र दिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्मान,

संगठन की मजबूती, युवा व महिला

नेताओं को मौका, एससी-एसटी-

ओबीसी व अल्पसंख्यक समुदाय से

नेता बनाना और सरकार व संगठन

जाति जनगणना को राशि देने का प्रस्ताव : प्रदीप कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि राज्य में जाति जनगणना, ओबीसी को २७ प्रतिशत आरक्षण सबसे प्रमुख मुद्दा है। वर्तमान बजट में जातीय जनगणना के लिए राशि का आवंटन करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को

के बीच बेहतर तालमेल के साथ जनता से किए वादे को पूरा करना शामिल है। के. राजू ने कहा कि वह झारखंड में संगठन को चलाने के लिए नहीं, बल्कि सभी के सहयोग से आगे बढ़ाने और मजबूत करने के लिए आए हैं। बैठक का संचालन

प॰सिंहभूम जिला के प्रभारी विजय खां ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला बीस सुत्री सदस्य त्रिशानु राय ने किया। बैठक को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व मंत्री बन्ना

गुप्ता, बादल पत्रलेख, देवेंद्रनाथ

चांपिया, बंधु तिर्की, पूर्व मेयर रमा

कांग्रेस नेताओं का होगा सोशल ऑडिट : राजेश कच्छप कांग्रेस विधायक दल के उप नेता

राजेश कच्छप ने कहा कि के . राजू ने देश में कार्यों के सोशल ऑडिट की शुरूआत की थी। झारखंड में भी सोशल ऑडिट होगा, सभी नेताओं के कार्यों का सोशल ऑडिट किया जाएगा। किन नेताओं का संगढन और जनता के हित में क्या योगदान रहा, इसकी पूरी जानकारी नए प्रभारी जुटाकर रखेंगे। संगठन में ईमानदारी पूर्वक काम करना है। संगठन आगे बढ़ेगा तो हम आगे

खलखो, कांग्रेस जिला अध्यक्ष चटर्जी, बालेमा कुई, लक्ष्मण हांसदा, चंद्रशेखर दास, आनंद बिहारी दुबे, आनंद सिंकू, डॉ. परितोष सिंह, सतीश पॉल मुंजनी, कृतुबुद्दीन खान, धर्मेंद्र सोनकर, अमित राय आदि ने भी संबोधित किया। बैठक में बिजय शांतनु मिश्रा, अंबर रायचौधरी, खां, जोसाई मार्डी, केदार पासवान, अशरफुल होदा, प्रीतम बांकिरा, गजेंद्र सिंह, सुनीत शर्मा, अशोक दिनेश प्रधान, बसंत सामड, सुशील चौधरी, संजीव श्रीवास्तव, देबू कुमार दास आदि भी उपस्थित थे।

सारंडा के ग्रामीणों के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे : जोबा मांझी



जनता को संबोधित करतीं सांसद जोबा मांझी

KIRIBURU: सारंडा के बीहड़ मरचागड़ा में शनिवार को वनाधिकार अधिनियम विजय दिवस सह अभिनंदन समारोह हुआ। इसमें सांसद जोबा मांझी व मनोहरपुर के विधायक जगत माझी शामिल हुए। मरचागड़ा स्थित शक्ति स्थल में सांसद और विधायक सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने देवेंद्र माझी सिहत जल, जंगल और जमीन आंदोलन के नेताओं को श्रद्धांजिल दी। इस मौके पर सांसद ने कहा कि सारंडा क्षेत्र में बसे ग्रामीणों को मूलभूत सुविधा और जल, जंगल, जमीन पर अधिकार के लिए देवेंद्र माझी सहित कई लोगों ने संघर्ष करते हुए अपनी शहादत दी है। वे यहां बसे ग्रामीणों के हक-अधिकार के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगी। कार्यक्रम में सोन् सिरका, बामिया माझी, स्टीफन कोनगाडी, जयराम मुंडा, मतियस ओड़िया, मनोडा लागुरी, अनिल कुंडीर, जय मसीह मुंडू, गोनो चिम्पया, सिराम कच्छप, विजय अंगरिया, पीयूष गुड़िया समेत गांव मारचगड़ा, जम्बईबुरु, टोपकोय, कटोगड़ा, बालेहातू, धरनादिरी, रांगरिंग, मरीदा चालीस, लोहराबेडा, चेरवालोर, करमपदा, कुलातूपु आदि गांवों के ग्रामीण उपस्थित रहे।

BRIEF NEWS

नाबालिंग को प्रेम जाल में फंसाने वाला गिरफ्तार RAMGARH: रामगढ़ थाना क्षेत्र के सिरका अरगड्डा चौहान कॉलोनी से



नाबालिक युवती को प्रेम जाल में फंसा कर अपहरण करने वाला युवक गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार तौकीर आलम उर्फ छमछम को जेल भेज दिया है। मूल रूप से पलामू जिले के नावा जयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खजूरी गांव निवासी तौकीर आलम को पुलिस ने रांची से पकड़ा। गिरफ्तार तौकीर ने अपना गुनाह भी पुलिस के समक्ष कबूल किया है। अपहृत युवती को रांची जिले के खलारी रेलवे स्टेशन से पुलिस ने बरामद किया था। इस मामले में पीडिता के पिता ने अपहरण में शामिल छह लोगों के

खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पलामू जिले की नाबालिक युवती के पिता ने नौ फरवरी को अपनी बेटी ऋत (काल्पनिक नाम) की अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि उनकी बेटी छह फरवरी को अपने घर से नानी के घर रामगढ़ जिले के सिरका अरगड्डा चौहान मोहल्ला में रहने आई थी। नौ फरवरी को नावा जयपुर निवासी तौकीर आलम , अपने दोस्त शमशेर आलम बाइक (जेएच 03 एएन 3576) से चौहान मोहल्ला पहुंचा और उनकी बेटी का अपहरण कर लिया। यह अपहरण शादी की नीयत से किया गया था। उसने उनकी बेटी के साथ गलत कार्य भी किया है। पीड़िता के पिता ने इस मामले में तौकीर आलम समेत छह लोगों पर प्राथमिकी 44/25 दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि अपहरण में तौकीर के दोस्त और उनके परिजन भी शामिल हैं। इस प्राथमिकी में पलाम जिले के रुदीडीह निवासी रजिया खातून उर्फ. मुन्नी, नावाडीह जयपुर निवासी शमशेर आलम, हसनैन अंसारी, तौकीर के मामा मसरूर अंसारी और मंजूर अंसारी को

लोक अदालत में 360 मामलों का हुआ निष्पादन



CHAIBASA: झालसा के निदेशीनसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में चाईबासा सिविल कोर्ट और चक्रधरपुर के अनुमंडल न्यायालय में मासिक लोक अदालत का आयोजन हुआ। इस 360 मुद्दों का निष्पादन किया गया, तो 34,69,029 की राशि वसुली हुई। अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सदर सह प्राधिकार की प्रभारी सचिव सुप्रिया रानी तिग्गा ने बताया कि प्रत्येक माह लोक अदालत का आयोजन

टाटानगर से प्रयागराज जाने वाली 3 ट्रेनें हुईं रद्द

JAMSHEDPUR: रेलवे ने ट्रेनों के परिचालन में हो रही समस्या के कारण टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनों को रद्द किया है। इसमें प्रयागराज के लिए चलने वाली नई दिल्ली-पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, आनंदविहार-हिल्दया-आनंदविहार एक्सप्रेस और टाटाननगर-जम्मृतवी-टाटानगर एक्सप्रेस भी शामिल है। ऐसे में प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को अंतिम समय में परेशानी होगी। वहीं पूर्व से कराए यात्रियों को प्रयागराज जाने के लिए दूसरा विकल्प देखना होगा। ऐसे में टाटानगर से प्रयागराज जाने के लिए ट्रेन नंबर-18101 जो रविवार को खुलेगी, इस सप्ताह महाकुंभ की समाप्ति के पहले जाने वाली ट्रेन है। ऐसे में इस ट्रेन में काफी भीड़ होने की संभावना है।

इन ट्रेनों को किया गया है रह

- 12801- पुरी- नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस 25, 26 फरवरी • 12802- नई दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस- 22,23,24,25 और 26 फरवरी
- 18101- टाटानगर- जम्मुतवी एक्सप्रेस- 26, 28 फरवरी और 2 मार्च
- 18102- जम्मृतवी-टाटानगर एक्सप्रेस 22,24 और 26 फरवरी
- 12444 आनंदिबहार-हिल्दिया एक्सप्रेस- 25 फरवरी • 12443 हल्दिया-आनंदिबहार एक्सप्रेस- 27 फरवरी

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

GHATSILA: गालुडीह थाना क्षेत्र के सर्विस रोड पर अज्ञात वाहन की



जादुगोड़ा थाना क्षेत्र के चतरो गांव के एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। गालूडीह थाना की हाईवे पेट्रोल पुलिस ने दोनों को अनुमंडल अस्पताल

चिकित्सक डॉ. विकास मार्डी ने जांच के बाद जादुगोड़ा थाना क्षेत्र के चतरो निवासी राजु रूहीदास को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि बाइक पर सवार उसी गांव के रहने वाले दीपक मुर्मू को भी गंभीर चोट लगी है। घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक राजू रूहीदास के बहनोई गणेश रूहीदास धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के गोटाशीला गांव के टोला बारासोली निवासी घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि दोनों युवक गांव से शाम लगभग 4 बजे निकले थे। घटना कैसे हुई, यह बताना मुश्किल है।

कोडरमा में लापता युवक का कुएं में मिला शव, लोगों ने सड़क कर दिया जाम

कोडरमा थाना क्षेत्र के चुटियारो

निवासी लापता उपेंद्र राणा का शव कोडरमा पुलिस ने शुक्रवार रात जेजे कॉलेज के समीप एक कुएं से बरामद किया। इसके बाद शनिवार को सबह 11 बजे से परिजन समेत स्थानीय ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को लक्खीबागी के समीप नेशनल हाईवे रांची पटना रोड पर रखकर सड़क को जाम कर दिया। इस दौरान मृतक के परिजन और स्थानीय लोग युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से मामले का खुलासा करने और मृतक के आश्रित को मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे थे। सड़क जाम की सचना पर पहुंचे कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार के द्वारा



रहने के बाद मृतक के परिजन लोगों की गिरफ्तार करने और सरकारी प्रावधान के अनुसार

• फोटोन न्यूज

मृतक के आश्रित को सुविधा

नाबालिग को ट्रक ने कुचला

चालक की जमकर धुनाई

हुसैनाबाद प्रखंड के दंंगवार में बस

स्टैंड के समीप दंगवार-कजरात

सड़क दुर्घटना हुई। ट्रक दुर्घटना में

ट्रक की चपेट में आने से साइकिल

चला रहे एक किशोर की दर्दनाक

आक्रोशित लोगों ने ट्रक चालक की

पुलिस को सौंप दिया। किशोर की

पहचान दंगवार के रिंकू विश्वकर्मा

का १२ वर्षीय पुत्र दीपू विश्वकर्मा के

रूप में हुई है। मृतक स्तरोन्त उच्च

विद्यालय दंगवार का छात्र था। घटना

के बाद आक्रोशित लोगों ने मुख्य

सड़क को जाम कर दिया है और

मुआवजा की मांग पर अड़ गए हैं।

सूचना मिलने के बाद दंगवार ओपी

एवं हुसैनाबाद थाना पुलिस मौके पर

पहुंचकर लोगों का आक्रोश खत्म

करने का प्रयास कर रही है।

जमकर पिटायी की एवं दंगवार

मौत हो गयी। घटना के बाद

नावाडीह रेलवे स्टेशन मोड़ पर

PALAMU: पलामू जिले के

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, किया बवाल हादसे में युवक की मौत पर हंगामा

जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौत के बाद कई घंटे तक हंगामा किया गया। बाजार बंद करा दी गयी। लोगों ने मृतक के परिजनों के लिए 20 लाख रुपए मुआवजे की मांग की। स्थानीय लोगों ने डंपर चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया। करीब 20 घंटे के आंदोलन के बाद शनिवार शाम चार बजे जाम समाप्त किया गया। उल्लेखनीय है कि गत शुक्रवार को पिपरा थाना क्षेत्र में अपनी चचेरी बहन को इंटर की परीक्षा दिलवाकर वापस लौट रहे हिमांशु कुमार गुप्ता नामक युवक को होलेया गांव के सुखनदिया के पास डंपर ने अपनी चपेट में ले लिया



गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर बैठे लोग

था। दुर्घटना में हिमांशु की मौके पर ही मौत हो गयी थी, वहीं अदिति कुमारी गंभीर रूप से जख्मी हो गयी

घटना से नाराज ग्रामीणों ने डंपर को फूंक दिया था, वहीं पुलिस पर पथराव भी किया था। शनिवार को हॉस्पीटल में हिमांशु कुमार गुप्ता के शव का पोस्टमार्टम किया गया। में भर्ती कराया गया है। नाराज ग्रामीणों ने पिपरा बाजार को बंद

पांकी रोड पर बालू लदे डंपर ने बाइक सवार को कुचला, तत्काल हो गई मौत

जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शहर थाना क्षेत्र के पांकी रोड जनकपुरी में डंपर के धक्के से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। युवक पांकी की ओर से मेदिनीनगर की ओर आ रहा था, जबिक डंपर मेदिनीनगर की ओर से पांकी की ओर जा रहा था। युवक की पहचान पांकी बाजार में मस्जिद के पास रहने वाले मोहम्मद असमत (35) के रूप में हुई है। युवक मेदिनीनगर क्यों आ रहा था? यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना के बाद चालक एवं सहचालक घटनास्थल से कुछ दूर पर डंपर को छोड़कर फरार बताये जाते हैं। घटना की सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस छानबीन में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार को बाइक सवार युवक



पांकी की ओर से मेदिनीनगर की ओर आ रहा था, जबकि डंपर बालू लेकर पांकी रोड की ओर जा रहा था। जनकपुरी में पहुंचने पर बाइक सवार एक टेंपो से बचने के लिए जैसे ही मुड़ा, अनियंत्रित होकर गिर गया। इसी क्रम में सामने से आ रहे डंपर ने ब्रेक मारते मारते उसे अपनी चपेट में ले लिया। डंपर के रौंदने से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति का हेलमेट पूरी तरह से फट गया। मोहम्मद असमत ठेकेदार का काम

अभाविप छात्र संघ ने डिग्री कॉलेज में की तालाबंदी



CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर डिग्री कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की मनोहरपुर इकाई ने शनिवार को तालाबंदी कर दी। छात्र संघ का कहना है कि छात्रों को मुलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। पिछले लगभग 2 माह से कॉलेज में प्राचार्य का पद रिक्त है। कॉलेज में 60 कंप्यूटर हैं, लेकिन कंप्यूटर शिक्षक के अभाव में कंप्यूटर की पढ़ाई बाधित है। कॉलेज में छात्रों को शुद्ध पेयजल भी उपलब्ध नहीं है। छात्र संघ का कहना है की जब तक इस कॉलेज में प्राचार्य एवं संबंधित शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की जाती है, तब तक कॉलेज बंद रहेगा। इसके साथ ही हमारी मांगें पूरी होने पर ही कॉलेज का ताला

परीक्षा को लेकर फेक न्यूज से रहें सचेत : डीसी

HAZARIBAG एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा हजारीबाग जिला में संचालित मैटिक और इंटर की परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की खबरें चल रही हैं। मैट्रिक के हिंदी और साइंस प्रश्नपत्र के लीक मामले पर जैक ने उक्त परीक्षा रद्द कर दिया है। वहीं इस मामले में असामाजिक तत्वों द्वारा गलत इरादे से भ्रमक खबर फैलाए जाने की आशंका को लेकर उपायुक्त नैन्सी सहाय ने पदाधिकारियों को अलर्ट पर रहने व सोशल मीडिया की गहन निगरानी का निर्देश दिया है। हजारीबाग पुलिस ने जिलावासियों से अपील की है कि राज्य में चल रहे मैट्रिक /इन्टर परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक मामले में अफवाह न फैलाये। अगर आपके पास किसी भी प्रकार की जानकारी हो, तो तुरंत हमारे साइबर थाना



उपायुक्त नैन्सी सहाय

9430165939 पर जानकारी साझा करें अथवा डायल 100 या 112 पर कॉल करें। किसी प्रकार की भ्रामक सचना यदि किसी व्यक्ति यूट्यूब, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्रविटर के माध्यम से फैलायी जा रही है, तो ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानुनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। इसलिए आप सभी से निवेदन है की परीक्षाओं को कदाचार मुक्त एवं भ्रामक सूचना फैलाए बिना संपन्न कराने में हजारीबाग पलिस का सहयोग करें।

जैक पर्यवेक्षक ने इंटर-मैट्रिक परीक्षा का किया निरीक्षण



परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते पर्यवेक्षक

• फोटोन न्यूज

LOHARDAGA : झारखंड अधिविद्य परिषद की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक डा सुरजीत सिंह ने शनिवार को लोहरदगा में मैट्रिक इंटर की परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। चल रही परीक्षा का अवलोकन करते हुए व्यवस्था, सुविधा और कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन से जुड़े अन्य बिंदुओं पर जानकारी ली। एमएलए महिला कॉलेज लोहरदगा में परीक्षा के निरीक्षण के दौरान प्रिंसिपल सह केंद्र अधीक्षक स्नेह

कमार से परीक्षा में उपस्थित और अनपस्थित परीक्षार्थियों के बारे में जानकारी ली। शौचालय, पानी की सुविधा, सीसीटीवी सहित अन्य व्यवस्था की बिंदुवार जानकारी ली।परीक्षा केंद्र में परीक्षा के लिए आदर्श वातावरण और कदाचार मक्त परीक्षा के लिए किए गए तमाम बंदोबस्त को बेहतर कहा। पर्यवेक्षक ने उसूर्लाइन कॉन्वेंट, लूथरन हाई स्कूल सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का

डीसी के आवास में चोरी की घटना ने पलिस प्रशासन की उड़ाई नींद



BOKARO : बोकारो उपायक्त आवास मे चोरी की घटना ने पुलिस प्रशासन की नींद उड़ा दी है। बताया जाता है कि पिछले 18 फरवरी को उपायुक्त किसी काम से बाहर गई हुई थी। इसी दौरान उनके आवास से 95 हजार कैश, लाखों रुपए के जेवरात कपड़े और सौंदर्य प्रधान की सामानों की चोरी कर ली गई है। उपायुक्त आवास में कार्यरत होमगार्ड सोनी कुमारी के आवेदन पर सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पलिस उपाधीक्षक (नगर) आलोक कुमार ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। उपायुक्त आवास में कार्यरत संविदा कर्मी पारो देवी और अंबिका से पूछताछ कर रही है ।खबर भेजे जाने तक संबंधित थाने की पलिस स्थानीय तालाब और आसपास के क्षेत्र में सघन जांच अभियान चला रही है ताकि जल्द से जल्द इस चोरी की घटना का उदभेदन किया जा सके।

डाक टिकटों की प्रदर्शनी में दिख रहा रामायण, महाभारत व टाटा का इतिहास

शनिवार को दो दिवसीय फिलाटेली प्रदर्शनी जैम्पेक्स-2025 शुरू हुआ। जैम्पेक्स का उद्घाटन झारखंड सर्किल के चीफ पोस्टमास्टर विधान चंद रॉय ने किया। इस प्रदर्शनी में मुल्यवान एवं दुर्लभ डाक टिकट 114 फ्रेम में प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी में डाक विभाग द्वारा विभिन्न काउंटर भी लगाकर लोगों को विभाग में माई स्टाम्प, बचत खाता, डाक जीवन बीमा, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की सुविधा दी गई है। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, बिष्टुपुर शाखा के 101 वर्ष पुरे होने पर 2 पोस्टल कवर का अनावरण किया गया। भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि के रूप में बिष्टुपुर के मुख्य प्रबंधन प्रियंका सिन्हा, बिष्टुपुर शाखा



प्रदर्शनी में लगे रामायण-महाभारत के चित्र वाले डाक टिकट

के उप प्रबंधक निरंजन सुमन तिरू और सिंहभूम मंडल के वरीय डाक अधीक्षक परमानंद कुमार भी उपस्थित थे। वहीं डाक टिकटों के प्रदर्शनी देखने के लिए स्कूली बच्चों और आम नागरिकों की भीड़ भी दिखी। प्रदर्शनी में रामायण, महाभारत की कहानी देखनी, समझनी है तो आप तुलसी भवन में डाक विभाग द्वारा लगाए गए जम्पेक्स-2025 में चले जाइए।

इतना ही नहीं इस प्रदर्शनी में विश्व का पहला डाक विभाग पैनी ब्लैक भी देखने को मिलेगा। यह डाक टिकट इंग्लैड ने 1840 में जारी किया था। इस पोस्टल पर महारानी विक्टोरिया की फोटो है। इस डाक टिकट को सिदगोड़ा के रहने वाले अशोक कुमार तिवारी ने सहेज कर रखा है। इसके साथ ही भारत का पहला डाक टिकट लिथोग्राफ भी

विधायक संजीव सरदार ने कहा- पूर्वी सिंहभूम के पोटका सहित आसपास में रहने वाले युवा होंगे लाभान्वित

8.42 करोड़ से करनडीह में बनेगा विशाल स्टेडियम, बैट सकेंगे 4000 दर्शक

PHOTON NEWS JSR:

पोटका विधानसभा क्षेत्र के करनडीह में लंबे समय से रुका हुआ जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम का निर्माण कार्य अब एक नई दिशा में बढ़ रहा है। सात साल बाद, विधायक संजीव सरदार की पहल पर इस स्टेडियम के निर्माण को झारखंड सरकार से मंजूरी मिल गई है, जिससे स्थानीय युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस खुशी के मौके पर क्षेत्रवासियों ने विधायक का जोरदार स्वागत किया और लड्डू बांटे। यह स्टेडियम 8.42 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा, जो पहले 4.64 करोड़ रुपये प्रस्तावित था। इस स्टेडियम के निर्माण से न सिर्फ करनडीह, बल्कि आसपास के कई इलाकों जैसे हारहरगट्ट, कीताडीह, बागबेड़ा, सुंदरनगर आदि के युवाओं को खेल की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि यह उनके लिए



स्टेडियम में 4,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता वाले गैलरी और पवेलियन के अलावा फुटबॉल, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, हैंडबॉल, टेबल टेनिस जैसे खेलों की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह स्टेडियम क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन मंच साबित होगा, जहां वे अपनी खेल प्रतिभा को निखार सकते हैं।

सौभाग्य की बात है कि उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता से किए गए वादे को निभाया। इस स्टेडियम से स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा और क्षेत्र के युवा

खिलाड़ी आगे बढ़ेंगे। इस स्टेडियम के निर्माण के साथ-साथ क्षेत्र के युवाओं को अब अपनी खेल यात्रा को नए आयाम तक ले जाने का अवसर मिलेगा। विधायक संजीव सरदार ने इसे ग्रामीण खेल प्रतिभाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी करार दिया और कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि आने वाले समय में यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल भी

१८ महीने में पूरा हो जाएगा स्टेडियम का निर्माण

विधायक संजीव सरदार ने बताया कि इस स्टेडियम का निर्माण कार्य १८ महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। भविष्य में इसे एक मॉडल स्टेडियम में तब्दील किया जाएगा, जिसमें रबर ट्रैक जैसी उच्चस्तरीय सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी। यह स्टेडियम स्थानीय खेल प्रतिभाओं के लिए वरदान साबित होगा, क्योंकि यहां विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ-साथ उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का भी मौका मिलेगा।

आयोजित किए जाएं। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और विधायक को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। वे मानते हैं कि इस स्टेडियम से क्षेत्र में खेल का माहौल बनेगा और युवा खिलाड़ियों को अपनी मेहनत को सही दिशा में प्रकट करने का अवसर मिलेगा।

बड़ौदा घाट पर 4.69 करोड़ से बनेगा बॉक्स ब्रिज

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा वासियों की दशकों पुरानी मांग को अंततः पूरा किया गया। पथ निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत टाटानगर रेलवे स्टेशन से बड़ौदा घाट पथ पर बॉक्स ब्रिज का निर्माण कार्य हाल ही में शिलान्यास किया गया। यह



से बनने वाला यह 150 फीट लंबा पुल अगले 18 महीनों में तैयार होगा। इस पुल के निर्माण से नया बस्ती, बाबाकुटी, रिवर व्यू कॉलोनी, रेलवे सोसायटी, बड़ौदा घाट, प्रधान टोला और रानीडीह जैसे क्षेत्रों के करीब डेढ़ लाख लोगों को फायदा मिलेगा। पुल के निर्माण से इन इलाकों के लोग राहत महसूस करेंगे, क्योंकि पिछले दो साल से इस मार्ग पर चार पहिया वाहनों का आवागमन बाधित था। इससे अस्पतालों और स्कलों के वाहनों को आवाजाही में कठिनाई हो रही थी। पुल बनने के बाद इस समस्या का समाधान होगा और लोग बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। विधायक ने शिलान्यास के मौके पर कहा कि यह पूल सिर्फ एक कनेक्शन नहीं है, बल्कि यह बागबेड़ा वासियों की लंबे समय से चली आ रही उम्मीदों को पूरा करने का प्रतीक है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी विकासशील सोच और दृढ़ निश्चय से झारखंड राज्य में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह पुल न केवल लोगों की समस्याओं को सुलझाएगा बि्क पूरे क्षेत्र के विकास को भी नई दिशा और गति प्रदान करेगा। विधायक ने यह भी बताया कि टीक एक साल पहले तत्कालीन मंत्री बसंत सोरेन के समक्ष पूल निर्माण की मांग रखी गई थी, और उसी समय इस मुद्दे को झारखंड विधानसभा में

भी उढाया गया था। अब सरकार की प्रतिबद्धता और जनता की जरूरतों को

प्राथमिकता देने के कारण यह परियोजना धरातल पर उतर पाई है।

परीक्षा देने जा रही छात्रा लापता बेहोशी की हालत में मिली

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला के कुड़ के पतराटोली स्थित परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने जा रहीं इंटर की छात्रा रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। शुक्रवार देर शाम तक जब लड़की परीक्षा देकर अपने घर नहीं लौटी तो परिजनों ने शाम से खोजबीन शुरू किया तो पता चला कि लड़की इंटर का परीक्षा देने शुक्रवार को परीक्षा केंद्र नहीं आई थी। इसके बाद परिजनों ने कुडू थाना को लिखित आवेदन देकर लड़की को खोजने की मांग की। इसी बीच लगभग दस बजे रात में लड़की का मोबाइल फोन आन होने का मैसेज आने के बाद पता चला कि लड़की बेहोशी की हालत में रांची रिंग रोड में पड़ी हुई हैं। बताया जाता है कि लोहरदगा जिले की रहनेवाली चांदनी कुमारी (बदला हुआ नाम) को परिजनों ने शुक्रवार सुबह दस बजे लोहरदगा में परीक्षा देने के लिए टेम्पो में सवार किया था। इसके

बाद से चांदनी लापता हो गई शुक्रवार शाम जब चांदनी छह बजे तक परीक्षा देकर वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने चांदनी को फोन किया लेकिन उसका फोन बंद था इससे परिजनों को अनहोनी की आशंका होने लगी। परिजन परीक्षा केंद्र पहुंचे तथा परीक्षा केंद्र के संचालक से जानकारी लिए तो पता चला का चांदनी शुक्रवार को परीक्षा देने केंद्र पहुंचीं ही नहीं। परिजन रात आठ बजे कुडू थाना पहुंचे तथा लड़की के लापता होने की लिखित आवेदन दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही थी कि रात दस बजे नंदनी का फोन ऑन हो गया। इसके बाद परिजनों ने फोन किया तो रिंग रोड में तैनात पुलिस के पीसीआर वैन की पुलिस अधिकारी ने बताया कि चांदनी बेहोशी की हालत में रिंग रोड में मिली हैं। उसके इलाज के लिए मोदी केयर अस्पताल लेकर पुलिस

डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर अपनी बदली रणनीति का संकेत दिया?



साथियों बात अगर हम रूस यूक्रेन युद्ध में ट्रंप के बदले रुख कि करें तो, यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग को लेकर अमेरिका का रुख डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से बदला हुआ लग रहा है। उन्होंने पिछले दिनों यह कहकर यूक्रेन समेत सभी को चौंका दिया था कि जंग के लिए कीव जिम्मेदार है। अब तक जो बाइडेन सरकार यूक्रेन का समर्थन कर रही थी और रूस को ही इस जंग की वजह बता रही थी। ऐसे में अब युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर डोनाल्ड ट्रप ने अपनी बदली नीति का संकेत दिया है।

श्विक स्तरपर सर्वविदित है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के कैंपेन में उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने हर चुनावी सभा में अनेकों वादे किए थे, जो चुनने के बाद क्रमवार,एक प्रक्रिया के तहत पूरे करते जा रहे हैं। पहले टैरिफ बढ़ाना, अवैध अप्रवासियों को निकालना अमेरिकी फर्स्ट संकल्प को आगे बढ़ाने के साथ अब रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर फोकस किया जा रहा है। परंतु यह किसी को उम्मीद नहीं थी कि इस पीस प्रक्रिया में यूक्रेन को ही बाहर कर दिया जाएगा? क्योंकि अभी हाल ही में यूक्रेन अमेरिका सहित कुछ अधिकारियों की सऊदीअरब के रियाद में संपन्न हुई जिसमें तीन मुद्दों पर आपसी सहमति बनी (1) युक्रेन मुद्दे पर शांति समझौते के लिए दोनों देश टीम बनाएंगे।ये टीमें लगातार बातचीत करेंगीं। (2) अमेरिका ने कहा कि बैठक का मकसद होगा युद्ध को स्थायी तौर पर खत्म करना। (3) अमेरिका ने कहा कि शांति बहाल करने की कोशिशों में किसी न किसी तरह यूक्रेन और यूरोप को भी शामिल किया जाएगा। हम ऐसा हल निकालेंगे जो युद्ध से प्रभावित हर पक्ष को स्वीकार हो। बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि बैठकों में यूक्रेन और यूरोप को शामिल ने कर ट्रंप एकला चलो की राह पर युरोपीय संघ व युक्रेन को नजर अंदाज कर रहे हैं,जो रेखांकित करने वाली बात है। रियाद बैठक के बाद अब सबकी नजरें ट्रंप-पुतिन की संभावित बैठक पर लगी हुई है?।चूँकि डोनाल्ड ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर अपनी रणनीति का संकेत दिया है तथा यूक्रेन में युद्ध पर यूरोपीय संघ के आपातकालीन शिखर सम्मेलन में ट्रंप की अनदेखी कर ट्रंप की शांति प्रक्रिया से यूरोप अलग- थलग पड़ा हैं? इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,रूस यूक्रेन पीस स्टॉक में अपने ही देश में जंग पर चर्चा से बाहर है यूक्रेन! पूरे विश्व की निगाहें ट्रंप पुतिन की संभावित बैठक पर लगी

साथियों बात अगर हम रूस यूक्रेन युद्ध में ट्रंप के बदले रुख कि करें तो, यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग को लेकर अमेरिका का रुख डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से बदला हुआ लग रहा है। उन्होंने पिछले दिनों यह कहकर यक्रेन समेत सभी को चौंका दिया था कि जंग के लिए कीव जिम्मेदार है। अब तक जो बाइडेन सरकार यूक्रेन का समर्थन कर रही थी और रूस को ही इस जंग की वजह बता रही थी। ऐसे में अब युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बदली नीति का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के लिए कीव जिम्मेदार है। यूक्रेन में युद्ध अगले सप्ताह अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर जाएगा। इस बीच यूक्रेन और रूस के लिए अमेरिका के विशेष दूत कीव पहुंचे हैं। वह यहां राष्ट्रपति जेलेंस्की एवं सैन्य कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे। रूस को अलग-थलग करने की अपनी वर्षों पुरानी नीति में अमेरिका के बदलाव लाने के बीच के लॉग यूक्रेन का दौरा कर रहे हैं। सऊदी अरब में शीर्ष अमेरिकी और रूसी राजनियकों के बीच वार्ता हुई थी। इसमें यूक्रेन और उसके यूरोपीय समर्थकों को दरिकनार कर दिया गया था। ट्रंप की टिप्पणियों से युक्रेनी अधिकारियों को परेशानी हो सकती है,



जिन्होंने रूसी आक्रमण से लड़ने में यूरोपीय देशों से मदद करने का आग्रह किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध 24 फरवरी 2022 को शुरू हुआ था। इस बीच, रूसी सेना द्वारा यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्रों में लगातार किए जा रहे हमले से युक्रेनी सेना कमजोर हो रही है, जिसे धीरे-धीरे लेकिन लगातार 1,000 किलोमीटर की अग्रिम पंक्ति में कुछ मोर्चों पर पीछे धकेला जा रहा है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप खुद को व्लादिमीर पुतिन का मित्र बताते रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि सऊदी अरब की मध्यस्थता के साथ कोई रास्ता निकाला जा सकता है। सऊदी की अमेरिका और रूस दोनों ही देशों से करीबी है और अच्छे संबंध हैं। सऊदी अरब के रियाद में 4:30 घंटे चली बैठक में रूस-अमेरिका के विदेश मंत्रियों समेत अन्य नेता शामिल हुए थे। इस बैठक में दोनों देशों ने सबसे पहले अपने आपसी रिश्ते सुधारने की पहल की इसमें सहमित बनी कि दोनों देश जल्द से जल्द अपने दुतावासों को चालू करेंगे। यहां स्टाफ की भर्ती करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति न बने। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद दोनों देशों ने दूतावास से स्टाफ को निकाल दिया था। करीब तीन साल से दूतावास बंद पड़े थे।

साथियों बात अगर हम इस मुद्दे पर पुतिन ट्रंप व जेलेंस्कीके बयानों की करें तो, पुतिन जेलेंस्की से बातचीत करने को तैयारहैं और कहा- पहली बैठक का मकसद यूएस -रूस के बीच भरोसा बढ़ाना था; युक्रेन के बिना समझौता नहीं होगा। रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपति आखिरी बार दिसंबर 2019 में फ्रांस में मिले थे। रूसी राष्ट्रपति ने बुधवार को कहा है कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जंग रोकने के लिए किसी भी समझौते से यूक्रेन को बाहर नहीं रखा जाएगा दरअसल मंगलवार को सऊदी अरब में हुई रूस और अमेरिका के बातचीत पर जेलेंस्की ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि बैठक में हमें न बुलाया जाना हैरान करने वाला है। कोई भी डील हमसे बात किए कैसे हो सकती है।रूस की एजेंसी के मुताबिक पुतिन ने कहा कि रूस और अमेरिका के बीच भरोसा बढ़ाए बिना यूक्रेन युद्ध समेत कई मुद्दों का हल नहीं निकाला जा सकता है। रियाद में हुई बैठक का यही मकसद था।पुतिन ने ये भी कहा कि रूस ने कभी यूरोप या यूक्रेन से बात करने से इनकार नहीं किया। बल्कि युक्रेन ही अब तक रूस से बात करने से इनकार करता आया है।पुतिन ने कहा-हम किसी पर कुछ भी नहीं थोप रहे। हम बात करने के लिए तैयार हैं। ये हम सैकड़ों बार कह चुके हैं। अगर वे राजी हैं, तो बातचीत होने दीजिए। कोई यूक्रेन को किसी समझौते से बाहर नहीं कर रहा है इसमें सहमति बनी कि दोनों देश जल्द से जल्द अपने दुतावासों को चालू करेंगे। यहां स्टाफ की भर्ती करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति न बने। यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद दोनों देशों ने दूतावास से स्टाफ को निकाल दिया था। करीब तीन साल से दूतावास बंद पड़े थे।पुतिन ने रूस और अमेरिका के बीच हुई बातचीत को अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने बिना किसी पक्षपात के बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने ये भी कहा कि वे ट्रम्प से मिलना चाहेंगे लेकिन इस बैठक की तैयारी करनी बाकी है।ट्रम्प ने कहा- युक्रेन ने समाधान खोजने के लिए तीन साल का वक्त गंवाया वहीं,जेलेंस्की कीनाराजगी को लेकर ट्रम्प ने कहा कि मैं सुन रहा हूं जेलेंस्की कह रहे कि हमने बातचीत में उन्हें शामिल नहीं किया। सच तो ये है कि उनके पास बातचीत करने के लिए तीन साल का वक्त था। उससे पहले भी वे बात कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ये वक्त गंवाया।ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की को कभी युद्ध की शुरूआत करनी ही नहीं चाहिए थी। वे बहुत आसानी से डील कर सकते थे।ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि यक्रेन में जेलेंस्की की अप्रवल रेटिंग गिरकर सिर्फ 4 पेसेंट रह गई है। इसके जवाब में जेलेंस्की ने कहा कि सबसे हालिया नतीजों में मुझे 58 पेसेंट वोट मिले हैं यानी इतने यूक्रेनी लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसलिए अगर कोई मुझे सत्ता से हटाना चाहता है, तो ये अभी काम नहीं करेगा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस की तरफ से लगातार युक्रेन को लेकर गलत जानकारी दी जा रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प का हम सम्मान करते हैं, लेकिन अफसोस की बात है वे गलत जानकारी के बुलबुले में जी रहे हैं। मेरी अप्रूवल रेटिंग की गलत जानकारी रूस ही अमेरिका को दे रहा है।इसे लेकर ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि जेलेंस्की एक तानाशाह हैं जो बिना चुनाव के राष्ट्रपति बने हुए हैं। वे जल्दी कदम उठाएं नहीं तो उनके पास कोई देश नहीं

साथियों बात अगर हम रूस अमेरिकी राष्ट्रपति की बैठक

पर पूरी दुनियाँ की नजरों की करें तो, ट्रंप प्रशासन रूस से अलग समझौता करने की कोशिश में है, कहा जा रहा है कि अमेरिका यक्रेन को नाटो से बाहर रखने, रूस को क्षेत्रीय रियायतें देने और भविष्य में अमेरिकी भागीदारी को सीमित करने की योजना बना रहा है? यह यूरोपीय देशों के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। यूरोपीय नेताओं के लिए अब यह तय करना अहम है कि वे अमेरिकी नीतियों के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं और अपनी सुरक्षा नीति को कैसे मजबूत करते हैं, फ्रांस के अखबार ले मोंद ने लिखा,यूरोप और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक दरार उभर रही है। यूरोपीय देशों को अब खुद अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। यूरोप में अब रक्षा बजट बढाने और नाटो की भूमिका को फिर से परिभाषित करने की मांग जोर पकड़ रही

साथियों बात अगर हम ट्रंप की बदली रणनीति से यूरोपीय संघ सख्त होने की करें तो,फ्रांस के राष्ट्रपति बुधवार देर रात तक यूक्रेन युद्ध को लेकर यूरोपीय नेताओं के साथ दूसरी मीटिंग किए, इसमें करीब 15 देशों के शामिल होने का अनुमान था। इनमें से ज्यादातर देश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जिए जुड़ें।दो दिन पहले ही यूक्रेन की सिक्योरिटी को लेकर एक बैठक हुई थी। इसमें ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन, डेनमार्क और नीदरलैंड्स शामिल हुए थे। इसके अलावा यूरोपीय यूनियन के शीर्ष प्रतिनिधी और नाटो के सेक्रेटरी जनरल भी इसमें मौजूद थे।इस बैठक में तय किया गया था कि ये देश और संस्थाएं अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करेंगे और यूक्रेन के भविष्य के बारे में लिए जाने वाले फैसलों में उसे शामिल करेंगे। संभावना है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आने वाले दिनों में तीसरी मीटिंग रखेंगे।अमेरिका के राष्ट्रपति की नई नीति के बाद यरोप में हड़कंप मचा हुआ है, फ्रांस की राजधानी पेरिस में हुई यूरोपीय नेताओं की आपात बैठक में यूक्रेन संकट पर एक राय नहीं बन पाई,ब्रिटेन और फ्रांस ने सुरक्षा गारंटी पर जोर दिया, जबिक जर्मनी ने शांति सैनिक भेजने के सुझाव को खारिज कर दिया इस बैठक से पहले,म्यूनिख में हुए सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ की तीखी आलोचना की थी, यूरोपीय नेताओं को डर है कि ट्रंप प्रशासन रूस के साथ शांति वार्ता में उन्हें नजरअंदाज कर

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध का ठीकरा यूक्रेन पर फोड़कर अपनी बदली रणनीति का संकेत दिया?यूक्रेन युद्ध पर यूरोपीय संघ के आपातकालीन शिखर सम्मेलन में ट्रंप कीअनदेखी -ट्रंप के शांति प्रयास से यूरोपिया संघ अलग-अलग पड़ा?रूस-यूक्रेन पीस टॉक-अपने ही देश में जंग पर चर्चा से बाहर है यूक्रेन !-पूरे विश्व की निगाहें ट्रंप-पुतिन की संभावित बैठक

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

नये रिश्तों की शुरुआत

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद वैश्विक स्तर पर नई शक्ति समीकरण बन रहे हैं। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के राजनीतिकों के बीच हुई वार्ता दो पूर्व शत्रु देश के दरम्यान मित्रता की नई शुरू आत के संकेत हैं। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पहली बार अमेरिका और रूस वार्ता की मेज पर आमने-सामने आए हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और अमेरिका के विदेश मंत्री माकाक रूबियों ने अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वार्ता <u>ब्यतः दा बिदुआ पर काद्रत था। एक, रूस-यूक्रन युद्ध समाप्ति का दिशा</u> में आगे कैसे बढ़ा जाए और दूसरे, अमेरिका और उसके बीच आर्थिक सहयोग के रास्ते तलाश जाएं। वार्ता में किसी तरह का प्रतिरोध पैदा नहीं

हुआ और दोनों मुद्धों पर परस्पर सहमति के साथ आगे बढ़ने का संकेत भी मिला। आने वाले दिनों में अमेरिका और रूस के शीर्ष नेतृत्व के बीच मुलाकात की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप का रूस के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है। ट्रंप के पूर्ववर्ती बाइड़न प्रशासन का रणनीतिक लक्य था कि रूस को सैनिक दृष्टि से कमजोर किया जाए। यह याद रखना चाहिए कि बाइडेन ने पुतिन को 'हत्यारा तानाशाह' कहा था और



उसके खिलाफ यूक्रेन को भारी सैन्य और वित्तीय मदद पहुंचाई थी। अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप प्रशासन युद्ध के लिए यूक्रेन को दोषी ठहरा रहा है और उसे सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। हैरत की बात यह है कि यूक्रेन को वार्ता की मेज पर बैठने की भी जगह नहीं दी गई है। वास्तव में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप का विरोध करने की स्थिति में नहीं है। हालांकि वह पर्दे के पीछे अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिका के दबाव में यदि युद्ध विराम होता है तो यूक्रेन का करीब एक तिहाई हिस्सा रूस के अधिकार में होगा। यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। दरअसल, ट्रंप रूस के साथ अस्थाई रिश्ता बनाना चाहते हैं। सोवियत संघ के विघटन के बाद स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप रूस को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखते। लेकिन अमेरिकी राजनीतिक हेनरी किसिंजर का यह चर्चित कथन था कि ह्यअमेरिका के साथ दुश्मनी करना खतरनाक है, लेकिन दोस्ती करना जानलेवा है'। क्या पुतिन इस कथन को नजरअंदाज कर सकते हैं?



सही प्रश्न पूछना में मेघावी बनने का मार्ग है

विचारशील व्यक्ति को हर जगह सम्मान मिलता है

– सोफोक्लेस यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले

जाती है ना कि उसके दृश्मन की

जीवन में दुखद बात यह है कि हम बड़े तो जल्दी हो जाते हैं लेकिन समझदार देर से होते है

– अज्ञात



धुनिक व्यापार-व्यवसाय ने अब तेजी से प्राकृतिक संसाधना का अपना चपट म लना शुरू कर दिया है। जंगल, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई परिभाषा के मुताबिक केवल रिकॉर्ड में दर्ज होना ही काफी है, निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं।वन बहुल मध्यप्रदेश की सरकार धीरे-धीरे जंगलों को निजी हाथों में सोंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।वर्तमान में फिर से मध्यप्रदेश सरकार ने वनीकरण के लिए बिगड़े वन भूमि को ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए निजी निवेशकों को सोंपने का योजना बनाई है, जिसमें निवेशकों को 50 प्रतिशत लघ वनोपज बेचने का अधिकार भी शामिल होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार,सत्रह राज्यों ने अबतक



ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए 57,700 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को अलग रखा है। मध्यप्रदेश जो देश में सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है। उसने 2 फरवरी तक इस कार्यक्रम के लिए 15,200 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि की पहचान और उसका पंजीकरण किया है जो सभी राज्यों से अधिक है, ऐसा सरकार ने वर्तमान संसद सत्र में बताया है। करोना काल में मध्यप्रदेश सरकार के ह्मप्रधान मुख्य वन संरक्षकह्न कार्यालय ने 20 अक्तूबर 2020 को 37 लाख हेक्टेयर बिगड़े-वनों को ह्यपब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिपह्न (पीपीपी) मोड पर ानजा कम्पानया का दन का आदश जारा किया था, परन्तु विरोध के बाद इसे रोका गया। प्रकृति को सधारने के नाम पर मनाफा कमाते हुए पंजी बढ़ाने की तरकीब है झ ह्यकार्बन व्यापारह्न या ह्यकार्बन ट्रेडिंग।ह्न वर्ष 2021 में ह्यवैश्विक कार्बन क्रेडिट बाजारह्न में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्ष 2030 तक इसके 100 बिलियन अमेरिकी डालर पार करने की उम्मीद है। ह्यकार्बन व्यापारह्न के जरिए (वनीकरण करके) अन्तराष्ट्रीय बाजार से करोड़ों रुपए कमाना प्राथमिकता में है। भारत सरकार ने 2008 से 12 के बीच बिगडे-वन, गांव का चारागाह एवं पड़त-जमीन

लाख डॉलर कमाने की योजना बनाई थी। विश्वबैंक के आंकलन के अनुसार लकड़ी, बांस एवं अकाष्टीय वनोत्पाद का मुल्य 20,000 लाख डॉलर है। ह्यसंयुक्त वन प्रबंधनह्न इलाके के पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय टूरिज्म का मूल्य 17,000 लाख डॉलर

ह्यग्रीन इंडिया मिशनह्न और ह्यरिडयूसिंग एमिशन फ्रॉम डिफारेस्ट्रेशन एण्ड डिग्रेडेशनह्न (आरईडीडी), जिसे संक्षिप्त में ह्यरेडह्न कहा जाता है, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अन्तराष्टीय पंजी लाने की योजना है। पर्यावरण बचाने के नाम पर विश्व बाजार तैयार करना भा अन्तरराष्ट्राय पूजा का हिस्सा हा गया है। अब ता ह्यएनजीओह्न भी आदिवासियों को उनके कब्जे की भिम से बेदखल कर वक्षारोपण करने का कार्यक्रम चला रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के मानपुर और ताला विकास खंड में आया है, जहां एक संस्था द्वारा आदिवासियों को उनकी ह्यवनाधिकार कानूनह्न के दावे वाली वनभूमि से हटाकर वृक्षारोपण करने की शिकायत मिली है। पर्यावरण बचाने के नाम पर धन भी बहुत है, लेकिन पुंजीवादी सोच के कारण सब कुछ व्यापारिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है। इससे न तो जंगल और न ही पर्यावरण बच पा रहा है। मध्यप्रदेश में कुल

52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा आरक्षित वन है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें बिगड़े वन या संरक्षित वन कहा जाता है।इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है। ये संरक्षित जंगल उन स्थानीय समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन हैं जो जंगलों में बसे हैं और जिसका इस्तेमाल वे निस्तार जरुरतों के लिए करत है। प्रदेश के विभिन्न जिला में 6520 वनखंडी में प्रस्तावित 30,06,624 हेक्टेयर भूमि के संबंध में वन व्यवस्थापन की कार्यवाही 1988 से लंबित है। भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के तहत वन व्यवस्थापन अधिकारियों को धारा- 5 से 19 तक कार्यवाही कर धारा-20 में आरक्षित वन बनाने की प्रारुप अधिसूचना मय प्रतिवेदन प्रस्तृत करनी थी, जो अबतक लंबित है। प्रश्न उठता है कि वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1)(झ) द्वारा ग्राम सभा को जंगल के संरक्षण, प्रबंधन और उपयोग के लिए जो सामुदायिक अधिकार दिया गया है या दिया जाने वाला है, उसका क्या होगा?

मासाहार: संभल कर करें सेवन

कम्पनियों के जंगलों में प्रवेश से दहशत में वन निवासी



रजनीश कपूर

आप प सभी के भी ऐसे दोस्त व रिश्तेदार होंगे जो किसी शादी या नये साल के दावत में चिकन-मटन न मिलने पर ऐसा कहते हों, 'क्या घास-कूड़ा खिला दिया।'

औसत दर्जे के लोग बटर चिकन, कढ़ाई चिकन, बोनलेस चिकन, चिकन कोफ्ता, मुर्गा दो प्याजा या मटन की तमाम किस्में खाते हैं। वरना भुना मुर्गा लार टपका कर निगल जाते हैं। जो जरा ज्यादा फैशनेबल हैं उनको सुबह नाश्ते में सासेज, सलामी आदि खाने की आदत पड़ जाती है, लंच में चिकन, लैम्ब सूप या प्रॉन (झींगा) वगैरह। डिनर में लॉबस्टर, फिश या कोई और चीनी या समुद्री खाना।

भारत के सभी महानगरों से लेकर छोटे-छोटे कस्बों में यह देखकर आश्चर्य होता है कि किस ललचाई नजरों से लोग मांसाहार के लिए आतुर रहते हैं। जिनके पास साधन हैं वो यह सारी वस्तुएं आयातित मांस से पकाते हैं या पांच सितारा होटलों में ही खाते हैं। वरना दिल्ली के कनॉट पैलेस व अन्य इलाकों में कई रेस्टोरेंट व ढाबे हर शहर और राजमार्ग पर बिखरे पड़े हैं जहां सलाखों में मुगरे की मसाला लगी टांगे टंगी रहती हैं। पर अब जरा दूसरी तरफ देखिए अगर आप देश के बहुत ही संपन्न लोगों की संगति में बैठे हों तो आप पाएंगे कि बहुत से बड़े लोग मांसाहार छोड़ते जा रहे हैं। और तो और अमेरिका और युरोप के देश जहां दस वर्ष पहले तक शाकाहार का नाम तक नहीं जानते थे, लेकिन आज काफी तादाद में मांसाहार पूरी तरह छोड़ चुके हैं। जानते हैं क्यों? पहली बात तो यह कि मानव शरीर शाकाहार के लिए बना है मांसाहार के

पर वनीकरण कर ह्यकार्बन क्रेडिटह्न के जरिए 1250

यह बात हम अपनी तुलना शाकाहारी और मांसाहारी पशुओं से करने पर समझ सकते हैं। शेर, कुत्ता, घड़ियाल व भेड़िया मांसाहारी हैं। गाय, बकरी, बंदर व खरगोश शाकाहारी हैं। मांसाहारी पशुओं को कुदरत ने दोनों जबड़ों में तेज नुकीले कीलनुमा दांत और खतरनाक पंजे दिए हैं। पर गाय और बंदर की ही तरह मानव को कुदरत ने ऐसे दांतों और पंजों से वंचित रखा है, क्यों? मांसाहारी पशु जैसे कुत्ता जीभ से पसीना टपकाता है। इसलिए हांफता रहता है। शाकाहारी पशुओं और मानव के बदन से पसीना टपकता है। मांसाहारी पशुओं की आंतें काफी छोटी होती है ताकि मांस जल्दी ही पखाने के रास्ते बाहर निकल जाए जबकि शाकाहारी जानवरों और मानव की आंतें अनुपात में तीन गुनी बड़ी और ज्यादा घुमावदार होती है ताकि अन्न, फल, सब्जियों का रसा अच्छी तरह सोख ले। यदि आप मांसाहारी है तो आपने नोट किया होगा कि फ्रिज के निचले खाने में इतनी ठंडक होने के बावजूद मांस कुछ ही घंटों में सड़ने लगता है।

फिर मानव शरीर की गर्मी में मांस के आंत में अटक-

अटक चलने में इसकी क्या गति होती होगी, कभी सोचा आपने ? आपने कभी सड़क पर कुचला कुत्ता देखा है कितनी सी देर में उसमें से बदबू आने लगती है तो क्या हमारी आंत में पड़ा मांस तरोताजा बना रहता है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि मांसाहारी पशुओं के आमाशय में जो तेजाब रिसता है वह शाकाहारी पशुओं और मानव के आमाशय में रिसने वाले तेजाब से बीस गुना ज्यादा तीखा होता है, ताकि मांस जल्दी गला सके। ऐसे तेजाब के अभाव में हमारे आमाशय में पड़े मांस की क्या हालत होती होगी? भारत जैसे देश में, बहुसंख्यक आबादी किसी न किसी रोग से ग्रस्त है। हमारे शरीर में तरह-तरह की बीमारियां पल रही हैं, तो जो जानवर काटे जा रहे हैं उनके वातावरण, भोजन और रखरखाव में जो नर्क से बदतर जिंदगी होती है, उससे कैसा मांस आप तक पहुंचता है? फिर आप तो जानते हैं कि भारत में कितना भ्रष्टाचार है। जिन भी इंस्पेक्टरों की ड्यूटी कसाईखानों में लगी होती है उनसे क्या आप राजा हरिशचंद्र होने की उम्मीद कर सकते हैं? या वक्त के साथ चलने वाला होशियार आदमी।

कई बरस पहले दिल्ली के पांच सितारा होटल में पोषण विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था। वहां दोपहर के भोजन के समय शोर मच गया। दुनिया भर से आए पोषण विशेषज्ञ डाक्टरों ने कहा कि लंच में जो मुर्गे परोसे गए वे सड़े हुए हैं। होटल के महाप्रबंधक तक खबर पहुंची। फौरन दौड़े-दोड़े बैंक्वट हॉल में आए। आयोजकों से माफी मांगी। सरकारी नौकरी चले जाने का हवाला देकर ख़ुशामद की। समझौता हुआ कि लंच का जो बीस-तीस हजार रुपये का बिल बना था वो माफ हो जाएगा। तभी



होटल वालों को पता चला कि वहां डाक्टरों की भीड़ में एक संवाददाता भी मौजूद था। घबराए हुए वे उस पत्रकार के पास आए और गिड़िगड़ा कर कहने लगे कि ये खबर मत छापिएगा। लालच देने लगे कि आपके शादी में पचास फीसद बिल माफ कर देंगे। जब उसी पत्रकार ने इस पर तहकीकात की तो पता चला कि आमतौर पर कमीशन के चक्कर में सबसे सड़े, बासी और बेकार मुर्गे वहां और कई बड़े होटलों में खरीदे जाते हैं। कुछ समय बाद खबर छपी। ह्मपोषण विशेषज्ञों को पांच सितारा होटल ने सड़े मुर्गे परोसे।ह्न यह दिल्ली के एक प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल की कहानी है तो बाकी की बात आप खुद ही समझ लीजिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The tryst with destiny of Delhi's woman Cms

The surprise choice of first-time MLA Rekha Gupta as the Chief Minister of Delhi has brought back the focus on woman CMs in the national capital. A buoyant BJP is showcasing Rekha Gupta's elevation as proof of Prime Minister Narendra Modi's thrust on 'Nari Shakti' and a reward for woman voters who opted for the saffron party.

Rekha Gupta is the second woman chief minister of the BJP (after Anandiben Patel in Gujarat) since 2014 and the only woman among the current CMs in 20 BJP/NDA-ruled states and UTs. Considering that women account for around 50 per cent of the voting population, this is a dismal record.

We must also remember that Indira Gandhi became prime minister way back in 1966, much before many western democracies got a woman PM. This highlighted the limited space for women in power in their own country. The late Khushwant Singh used to say that a significant presence of women in political-public spaces consisted of the anglicised, upper-class gentry of India and the working class did not have the same ease and access to power as the elite, upper-class women.

While the BJP under Modi is trying to change this, a cursory look at all woman MLAs and MPs shows a disproportionately high representation of dynastic politicians as compared to the inclusion of working class woman leaders. Yet, woman politicians, just like Indira Gandhi, have been successful in transforming politics in a big way. Take Sheila Dikshit, for example. Sonia Gandhi had turned to Sheila Dikshit in 1998 when the glory of Prime Minister Atal Bihari Vajapyee was on full display and Sonia Gandhi had just taken over as Congress president. There was mild rebellion over the manner in which her successor Sitaram Kesri was dumped and how the General Elections in 1998 had given the Congress lesser number of seats than the post-Emergency 1977 Lok Sabha polls. Sonia was desperate to do something spectacular to gain the confidence of her own rank and file. Elections in Delhi, Madhya Pradesh and Rajasthan were round the corner. The Delhi Congress unit was particularly in disarray, sharply divided between supporters and opponents of an ailing and aging HKL Bhagat. Sajjan Kumar and Jagdish Tytler were not an option as a sizeable Sikh population in Delhi was against them on grounds of their dubious role during the 1984 Sikh carnage. At a meeting of the Indira Gandhi Memorial Trust held at 10, Janpath, Sheila Dikshit's name was proposed as Delhi CM. While Sonia quickly came on board, Dikshit required encouragement from K Natwar Singh to take up the challenging assignment. The rest, as they say, is history. Sheila Dikshit rode high on the rising onion prices and delivered Delhi for Sonia, beating Sushma Swaraj who was the then BJP chief minister of Delhi. If there was anyone more stunned than Sushma Swaraj and Vajpayee, it was HKL Bhagat and a section of the Congressmen who had tried their level best to sabotage Congress' prospects. Sheila's sincerity, appeal to the great Indian middle class, simplicity and vision for big flyovers, metros, malls and parks helped her tide over all challenges. In 2016, however, Sheila Dikshit faced a rather unsurmountable challenge, when she was projected as the Congress chief-ministerial candidate in Uttar Pradesh. Age was not on her side as Sheila struggled to look for a 'safe constituency' for herself in UP. Unlike Delhi, the UP Congress unit was both defunct and demoralised.Interestingly, Sonia relied on Sheila Dikshit each time she faced a difficult situation. In 2012, when Pranab Mukherjee moved to Rashtrapati Bhavan and P Chidambaram shifted to the Finance Ministry, Sonia had toyed with the idea of making Sheila Dikshit the Home Minister y. But Sheila Dikshit reportedly declined the offer, hoping to win Delhi for a record fourth time in 2013. 'Kaun jaaye Dilli ki gallian chhod kar' was the refrain.But her calculations misfired when Sheila lost her own election to a former revenue service official, Arvind Kejriwal. Not only did she miss the North Block bus, she also saw the

Walls, chains & cheap labour: West's hypocrisy on migration

While right-wing politicians in destination countries reap the electoral benefits of demonising 'illegal' immigrants, their economies are in dire need of a cheap and docile foreign workforce.

Since the first US military aircraft carrying 104 deported Indians landed in Amritsar on February 5, a slew of comments has emerged in the Indian media addressing the inhumane condition of the deportees' transportation and the response (or lack of) of the Indian authorities.

Many heart-wrenching stories have been published about sacrifice of their families, including selling land, to send them abroad. Their socio-economic profiles and reasons for migration have also been highlighted.

As a scholar who has worked for 25 years on the Sikh diaspora, I found that though interesting, these stories miss a very important point — migration is not per se a access to. criminal activity. It has been projected as a criminal activity recently in the countries of destination of migrants. In the US, it has been done mainly since 9/11.

But in Europe, the process had started earlier in the context of the dismantling of EU's internal borders and the fortification of its external ones. Indeed, because of the seemingly unstoppable wave of populist anti-immigrant discourse and the resultant increasingly restrictive border regimes, illegality, criminality and a sense of threat have become the dominant lens through which the state in the destination countries sees migrants from the Global South.Let me argue here that we should apply a different lens and try to change the narrative around international migration and humanise it. To start with, we must change our terminology. Many scholars and activists promote the use of 'undocumented' migrants, which is a more neutral term, instead of 'illegal' migrants, which stigmatises and criminalises mobile people. The lack of humanity and dignity during the horrendous 40-hour journey of the

deportees, turbans removed, handcuffed and even legchained like criminals is for all to see, except for the Indian government, which seems to find not much wrong with the criminalisation and dehumanisation of its own citizens.

In contrast, Colombian President Gustavo Metro strongly protested against the way the deportations were carried out, stressing the need to treat the deportees with dignity and respect. Initially, he even denied entry to two US flights before backing down, when threatened by Trump of a 50 per cent rise in tariffs on Colombian imports. Among the reasons for the lack of a strong response by

Delhi seems to be a bid to placate the US government and protect H-1B visas for skilled Indian migrants. This narrative of skilled (read 'good', 'wanted') vs unskilled (read 'bad', 'disposable') migrants is used in many destination countries to exploit the latter and deprive them of basic human rights.

the infamous dunki route taken by the deportees, the In her book on the experience of foreign workers in Qatar (Does Skill Make Us Human? Migrant Workers in 21st Century Oatar and Beyond, Princeton University Press, 2021), US scholar Natasha Iskander argues that the notion of skill is a political tool, defining the rights

> While right-wing politicians in destination countries reap the electoral benefits of demonising 'illegal' immigrants, their economies — particularly the construction,



services and care sectors — are in dire need of a vulnerable foreign workforce. 'Illegal migration' is not a natural category. It is a political construct, an instrument that serves a purpose: of disciplining and coercing a docile and cheap immigrant labour force into accepting what sociologists call 3 Ds (dirty, dangerous, demeaning) jobs, shunned by the

The hypocrisy of anti-immigrant rhetoric is probably best exemplified by none other than Trump himself. As reported by The Washington Post in 2019, his holding company, the Trump Organisation, has employed for

national population.

nearly two decades dozens of undocumented Latin-American construction workers at several properties owned by the company. And, guess why? Because they are cheap, hardworking and too afraid of deportations to complain about a back-breaking, harassing work.

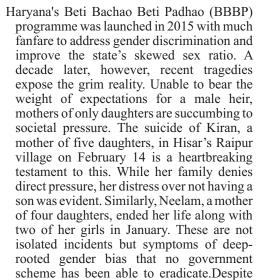
Here, one needs to understand why 'unskilled' men and women from the Global South keep migrating to the Global North despite the increasingly expensive and dangerous journeys they are compelled to take due to the stringent immigration policies enforced by the destination countries. There are multiple reasons for the life-changing decision that emigration entails. They encompass a combination of push factors (socioeconomic or political conditions in the country of origin) and pull factors (what attracts people in the country of destination). To put it bluntly, one major reason lies with

the continuous economic and demographic demand for cheap migrant labour in the Global North despite the anti-immigration rhetoric. Take my own country, France. Who looks after our elderly, who cleans hotel rooms, collects garbage, builds bridges, schools, housing complexes, delivers our orders? Immigrants, of course. And, many of them irregular. They neither come to live on social benefits nor to steal the jobs of the French, as the far-right would have it. Mobility is not a crime. It is a natural human urge. Crossing an international border shouldn't mean losing one's basic rights and dignity. Migrants, whether skilled or unskilled, are not criminals.A hateful narrative dehumanising immigrants has become all too common in many western countries. In a debate with Democrat candidate Kamala Harris, Trump went as far as to refer to Haitian refugees in

Ohio as "eating the pets of the people that live there."Many people and advocacy groups oppose this rhetoric in the West. They argue that border enforcement policies are devastating for migrants, costly for the country of destination and ultimately ineffective because regardless of the risks, people will continue to move as they have done throughout human history. In the case of Punjabis, mass migration was triggered and organised by the British rule to its own advantage. This colonial engineering created a deeply embedded culture of migration that no deportation, no border regime and no walls will be able to uproot.

Beyond slogans

Tragedy of mothers of only girls in Haryana



the BBBP initiative, Haryana's sex ratio at birth (SRB)



remains a concern, declining to 910 girls per 1,000 boys by the end of 2024 — the lowest since 2017. The persistence of such figures signals that while awareness campaigns are loud, the societal mindset remains resistant to change. The tragedy extends beyond mothers. Newborn girls continue to be abandoned, their worth determined by outdated patriarchal norms.Gender discrimination is not merely an economic or policy issue; it is a societal failure. Financial aid schemes like the Sukanya Samriddhi Yojana or Kanyadan Policy cannot single-handedly erase centuries of entrenched bias. The need of the hour is grassroots-level transformation. Gender sensitisation in schools. active male participation in equality movements and strict monitoring of government schemes to ensure that they reach the most vulnerable families can make a difference. A decade after its launch, the BBBP must move beyond slogans. It's time for Haryana to prove that its daughters

are not just being 'saved', but also truly valued.

Uplifting stories of upward mobility

Go-getters are surmounting restrictions imposed by the deeply entrenched caste system

After 36 years in the Indian Police Service (IPS), followed by four years in Romania as India's Ambassador, I returned in 1993 to Mumbai, where I was born and where my father's forebears had settled in the first half of the 19th century. I decided to accede to my dear wife's wish to "settle down" in our permanent home, refusing offers that would require me to move out of the city.

complete rout of the Congress in Delhi.

My first thought after deplaning following a long journey from Bucharest via Lisbon (to touch base with my only uncle who had settled there) was to work for the constabulary that lived in the Police Lines near my permanent residence. One visit alerted me to the fact that the perennial problems of alcoholism, domestic violence and errant children were a thing of the past. The constabulary was vastly more educated, with only graduates having made the cut. In one sense, it reflected the paucity of paying jobs in the private sector or, what was more likely, a lack of skills required by industrial houses even at junior levels. There was one other dominant consideration that prompted cops' children to opt for a career in the police. That consideration was the need to assure the personnel who were about to retire from service of a roof over their heads in the 'maximum city'. If the sons and daughters managed to beat the competition, the paternal 'kholi' would be allotted to the new entrant as per the prevalent policy. That would mean that the father would continue to stay in Mumbai instead of being compelled to return to his village, where his siblings and their families had already established themselves. A far greater revolution had taken place. The new entrants to the ranks had married educated girls, many of whom were college graduates like them. The fact that girls are opting for education beyond the high school level is changing the entire dynamics of life in police colonies and beyond. Not every woman is employed, but the many who are have made a huge impact on their living standards and the social outlook of

the family. They limit the number of their offspring and send their only child or two children to English-medium schools. About a decade ago, I was asked by some eager parents to plead with principals of English-medium schools to admit cops' children to their institutions. Many of them did oblige. My colleague in the IPS, D

Sivanandhan, when he was posted as Commissioner of the Thane police, opened a school in the Police Lines to cater to policemen's children in that city. When he moved to Mumbai as the Police Commissioner, I requested him to repeat the feat here. He did try hard, but found it difficult to locate a suitable and available plot for the school in this overcrowded metropolis.

On January 1 this year, my former PSO (personal security officer) Rahul Laxman Bhoj and his wife called on me. They brought along their only child, a girl. Rahul's wife Swati is a software engineer who probably used to earn more than him before she became a mother and was forced to take a break from work. Their seven-year-old daughter, Ira, was clearly a very intelligent child, full of confidence and quick on the uptake. She impressed me immensely. I am sure that with the

personal attention that the mother is giving the child, Ira will turn out to be an asset not only to the family but also to Maharashtra and the country. Karthik is the son of Ramesh Wala, who sweeps the compound of the building where my former colleagues and I stay. He had been enrolled in an English-medium school, but his ability to speak the language needed a huge boost. I asked the boy to accompany me on my daily walk around the building, speaking only in English. His skill

improved. He went on to enter a university and landed a job as an event manager after graduation. It gives me immense satisfaction to mention these upward mobility cases that are helping to surmount the restrictions imposed by the deeply entrenched caste system. Even

the four-centuries-old conversion to Christianity in Goa



had not made a proper dent in the caste configuration. The priesthood was thrown open to all, but inter-caste marriages continued to remain out of bounds. Ten years ago, I met Bernardo, the son of the landless labourer who had been allotted a small plot on my maternal grandparents' landed property in the Goan village from where they hailed. He had worked in Dubai, earned a tidy amount of dirhams, returned and built a proper house to replace the mud hut that passed for his dwelling

place. His two daughters had studied in English-medium institutions, graduated, done clerical jobs in Mumbai, got married and made a better life for themselves than their disadvantaged parents.

Bernardo offered me a beer. I asked him to share it with me, but he would not. No amount of gentle persuasion

> could make him change his mind. I said we would drink to the fact that he had educated his girls so well. Even that was unable to do the trick. In contrast to Goa, Bihar has much catching up to do. After I broke the neck of my femur bone five years ago and underwent surgery, a famous physician, Dr Farokh Udwadia, warned me of worse consequences in case I fell again. I hired a boy from Bihar to ensure that I did not fall. He told me that he was a 'Maha Dalit'. I had not heard of any such category in Maharashtra. Five months ago, he approached me with tears in his eyes as the village medical clinic run by the government had detected a hole in the heart of his recently born son. The doctor in charge told him to take the child to Delhi or Mumbai. The very fact that the authorities have opened a medical unit in one village of a cluster

was a great advance. One or two decades ago, the hole in the heart would have gone undetected! Arrangements for mother and son to travel to Mumbai were made. My nephew, one of Mumbai's leading cardiologists, attended on the tiny one who has as much a right to live as you and I.These are positive stories of progress that should take my readers' minds away from Uttarakhand's Uniform Civil Code and the installation of the new Delhi

Tesla recalling more than 375,000 vehicles due to power steering issue

New Delhi. Tesla is recalling more than 375,000 vehicles due to a power steering issue. The recall is for certain 2023 Model 3 and Model Y vehicles operating software prior to 2023.38.4, according to the National Highway Traffic Safety Administration.

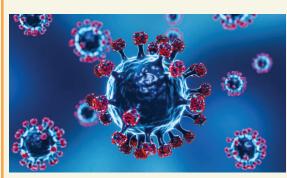
The printed circuit board for the electronic power steering assist may become overstressed, causing a loss of power steering assist when the vehicle reaches a stop and then accelerates again, the agency said.

The loss of power could required more effort to control the car by drivers, particularly at low speeds, increasing the risk of a crash. Tesla isn't aware of any crashes, injuries, or deaths related to the condition.

The electric vehicle maker headed by Elon Musk has released a free software update to address the issue.

Letters are expected to be sent to vehicle owners on March 25.Owners may contact Tesla customer service at 1-877-798-3752 or the NHTSA at 1-888-

Covid-like bat virus discovered by researchers at Wuhan lab in China



NEW DELHI. Researchers at the Wuhan Institute of Virology in China said they discovered a new coronavirus in bats that enters cells using the same gateway as the virus that causes Covid-19. This virus hasn't been detected in humans, merely identified in a laboratory. Word of the discovery lifted the shares of some vaccine makers Friday. Moderna Inc. rose as much as 6.6 per cent Friday afternoon and Novavax Inc. rose as much as 7.8 per cent. American depositary receipts of BioNTech SE, Pfizer Inc.'s Covid vaccine partner, climbed as much as 5.1 per cent. Pfizer gained as much as 2.6 per cent.

The lab finding does raise the possibility that this new bat virus could spread from animals to humans, researchers said in a paper published Tuesday in the journal Cell. The Wuhan virus research center is known for its work on bat coronaviruses. One theory of how the Covid pandemic began is that it leaked from that lab, perhaps through an infected worker. Institute researchers have previously denied working on any viruses that could have started the pandemic. The US in 2023 halted funding for the lab, which had received money through the US-based EcoHealth Alliance, amid the controversy.

This newly discovered bat virus infects cells by binding to a protein found throughout the bodies of humans and other mammals. It's closely related to the coronavirus family that causes Middle East respiratory syndrome.

That virus, also known as MERS, has been confirmed in around 2,600 people globally from 2012 through May 2024, killing roughly 36 per cent of those infected. The vast majority of the cases were in Saudi Arabia, according to the World Health Organization

Tata Capital board to look at potential fund-raise

MUMBAI. The board of Tata Capital, which is preparing for an initial public offering (IPO), will meet on Tuesday to discuss a potential fund-raise through a rights issue. The Reserve Bank of India has classified Tata Capital as an upper-layer nonbanking financial services company (NBFC) and has directed the firm to list its shares by September. Tata Sons, which has about 93% ownership in Tata Capital, is expected to participate in the rights issue to maintain its current shareholding in the NBFC.

Tata Capital requires consistent capital infusion to support its growth rate of 20-25%, and the rights issue aims to fulfill this requirement, said a person familiar with the matter. The remaining 7% ownership in Tata Capital is distributed among various Tata Group entities, select executives from both Tata Group and external organisations, and the Washington-based International Finance Corporation. A rights issue is a more beneficial option for unlisted companies to raise funds compared to preferential allotment, as it eliminates the requirement for fair value assessment. The main advantage lies in its uniform pricing structure, where all existing shareholders must subscribe to new shares at the same price, said Katalyst advisors' executive director Binoy

Tata Capital's proposed fund-raise through a rights issue follows recent changes to its memorandum of association (MoA) and articles of association (AoA). The company, in its January communication to shareholders requesting approval for MoA and AoA amendments, disclosed having around 29,000 shareholders.

To comply with sections 25 and 42 of the Companies Act and prevent further expansion of its shareholder base through corporate actions, Tata Capital said it has introduced a new provision in its AoA to restrict shareholders from renouncing their rights in rights issues until the company's equity shares are listed on the stock exchanges. It clarified that this restriction does not prevent existing shareholders from participating in or subscribing to additional equity shares through rights issues. Tata Capital is the largest financial services entity within the Tata Group and is identified as a crucial element for growth by the conglomerate.

Kash Patel sworn in at WH as new FBI director, calls it 'greatest honour'

New Delhi. Kash Patel was sworn in as the FBI director and he called the opportunity to lead the nation's premier federal law enforcement agency the "greatest honour" of his life.Patel was confirmed by the Senate on Thursday by a 51-49 margin, with two Republican lawmakers, Susan Collins of Maine and Lisa Murkowski of Alaska, breaking party ranks and voting against him."I think he'll go down as the best ever at that position," President Donald Trump told reporters Friday ahead of the White House swearing-in on Friday, which was conducted by Attorney General Pam Bondi and attended by Republican supporters in Congress, including Sen. Ted Cruz of Texas and Rep. Jim Jordan of Ohio.

Trump added that the "agents love this guy".

Patel will inherit an FBI gripped by turmoil as the Justice Department over the past month has forced out a group of senior bureau officials and made a highly unusual demand for the names of thousands of agents who participated in

investigations related to the January 6,

2021, riot at the US Capitol.Democrats had sounded the alarm about the appointment, saying they fear Patel will operate as a loyalist for Trump and abuse

the FBI's law enforcement powers to go after the president's adversaries. They've cited past comments such as his suggestion before he was nominated that he would "come after" anti-Trump "conspirators" in the government and media.Patel sought to assuage those concerns at his confirmation hearing last month, saying he intended to follow the Constitution and had no interest in pursuing retribution, though he also said at his swearing-in Friday that reporters had written "fake, malicious,

Republicans angry over what they see as law enforcement bias against conservatives during the Democratic Biden administration, as well as criminal investigations into Trump, have rallied behind Patel as the right person for the job.Patel has spoken of his desire to

slanderous and defamatory" stories about

implement major changes at the FBI, including a reduced footprint in Washington and a renewed emphasis on the bureau's traditional crime-fighting



duties rather than the intelligencegathering work that has come to define its mandate over the past two decades as national security threats have proliferated.He said Friday that the FBI's "national security mission" was equally as important as its efforts to fight violent crime and drug overdoses.

'Anyone that wishes to do harm to our way of life and our citizens, here and abroad, FBI," Patel said. "If you seek to hide in any corner of this country or planet, we will put on the world's largest manhunt and we will find you and we will decide your end-state." A former Justice Department counterterrorism prosecutor, Patel was selected in November to replace Christopher Wray, who was picked by Trump in 2017 and who resigned at the conclusion of the Biden administration to make way for his chosen successor. Wray infuriated Trump throughout his tenure, including after FBI agents searched his Mar-a-Lago estate in Florida in August 2022 for classified documents in one of two federal investigations that resulted in indictments against Trump that were dismissed after his election win.

BI directors are given 10-year terms as a way to insulate them from political influence and keep them from becoming beholden to a particular president or administration. But Trump fired the FBI director he inherited, James Comey, after Comey had spent over three years on the job and replaced Wray after more than seven years in the position.

SIP debate: Staying invested is more important than trying to time the market

NEW DELHI. Play the Game as per your strength. A Reverse sweep is a tough shot. Players like Rishabh Pant and Surayakumar Yadav make it look easy and score lots of runs. In the 1987 Reliance World Cup Final at Eden Garden, Kolkata England was well placed at 135/2, chasing a modest target of 254 against Australia. Mike Gatting was playing textbook cricket for well-made 41 runs from 45 balls. Australian Captain Allan Border, who was not a regular bowler, came to bowl in desperation. Mike Gatting played a reverse sweep (probably to score a boundary) straight to Dyer at the short third man when he could have placed the ball in the front anywhere (for a single or a double). England could never recover from that and lost the final by seven runs, handing Australia their First ODI World Cup win. The story's moral is that you must select the shot based on your capabilities and

For some, staying on the pitch and scoring ones and twos can help them reach the target. For others, hitting fours and sixes by playing a tricky shot like a reverse sweep can also help.

lay the game as it is suitable for you. Follow the following means to enhance



which shot you played.SIP is a simple concept of buying regularly in a market that will go up and down in the short to medium term but will be up over a long period of time. For an average investor, staying the course of an investment is more important than trying to buy at a low level and stopping at the top. Please remember that no one can predict the future. It is your time in the market, not Timing the market, that makes money for you.Like in cricket, where many

shots can be played to score runs, there are many ways to make money in Mutual Funds apart from SIP.

Mutual Fund Distributor or advisor.- SIP top-up when markets have become cheaper (SIP returns have become negative like in the Wuhan virus crisis)

Asset allocation across debt, equity, gold, and real estate is to be overweight in cheap markets and underweight in expensive markets. Don't ignore tax and transaction costs. We have often

seen that fund returns and investor returns are widely different. The main reason is that people try to time the market or become rich overnight.SIP is the panchtantra story of slow and steady winning the race. If you are a hare who won't sleep, run. If you are a tortoise, keep walking, and you will win the race. You will be out of the game only if you are a tortoise but still run or a hare and go to sleep.

Need new legal framework to regulate 'harmful' content: I&B Ministry

NEW DELHI. The Information and Broadcasting Ministry is examining the existing statutory provisions and the need for a new legal framework to regulate "harmful" content amid complaints of "obscenity and violence" being shown on digital platforms.In its reply to a parliamentary panel, the ministry said there is a growing concern in the society that the constitutional right of "freedom of expression is being misused to showcase obscene and violent content on digital platforms".It told the Standing Committee on Communications and Information Technology headed by BJP MP Nishikant Dubey that while certain provisions exist under the current laws, there is a growing demand for a stricter and effective legal framework to regulate such harmful content.It said, "This ministry has taken note of these developments and is in process of examining current statutory provisions and need for a new legal framework."

The ministry said that many high courts and the Supreme Court, MPs and statutory bodies like the National Commission of Women have spoken on the issue, which has made headlines after the crass comments of social media influencer Ranveer Allahbadia drew wide condemnation.Criminal cases have been registered against him, and his apology has done little to damp down the controversy. While the Supreme Court granted him protection from arrest, it also made very critical observations over his vulgar comments. The ministry told the committee, which will hold its next meeting on February 25, that it will submit a detailed note after due deliberations. The committee had asked the ministry on February 13 regarding the amendments needed in the existing laws to clamp down on controversial content in the wake of the emergence of new technology and media platforms. Unlike the conventional print and electronic content, which are covered under specific laws, new media services powered by internet such as OTT platforms or YouTube have no specific regulatory framework, triggering demands for amending the laws. While there have been some concern that authorities may use new provisions to censor content for extraneous reasons, frequent outrage triggered by episodes like the one involving Allahbadia have given rise to the demand for strengthening the legal framework through amendments in the existing laws or

RBI plans \$10 billion dollar-Re swap to improve liquidity

MUMBAI. In a move aimed at improving liquidity in the banking system, the RBI has said that it will conduct a USD/INR buy/sell swap auction on Feb 28 to inject Rs 86,000 crore into the banking system. The auction, aimed at meeting long-term liquidity needs, will involve a \$10 billion swap with a three-year tenor. The first leg of the swap will be settled on March 4, 2025, while the reverse leg will be settled on March 6,

According to money market dealers there is a severe shortfall of liquidity in money markets and liquidity infusion of Rs 1.2 lakh crore is needed by March 2025 to bring core liquidity from deficit to neutral to ensure that policy rates are effective in the term



to counter a sharp liquidity decline caused by aggressive forex market intervention and other factors. Despite these efforts, India's banking system faced a liquidity deficit of Rs 1.7 lakh crore as on Feb 20.RBI has purchased Rs 1.4 lakh crore worth of bonds through open market and

secondary purchases and infused Rs 44,000 crore via a \$5 billion dollar/rupee swap. However, the weighted average inter-bank call money rate remains above RBI's policy repo rate, despite these infusions.RBI has already infused Rs 1.8 lakh crore through longterm repos maturing in early April and may roll

them over for another two months. Liquidity conditions are expected to improve once RBI pays a dividend to govt by May-end.

Under the swap mechanism, banks will sell US dollars to RBI and agree to repurchase them at the end of the swap

money markets.RBI has infused funds Chhattisgarh allows shops, cafes to run 24/7, women can work night shifts

Traders have the flexibility to decide their operational hours, and all workers will be entitled to a weekly off, and no employee can be made to work beyond eight hours a day

New Delhi. The Chhattisgarh government, led by Chief Minister Vishnu Deo Sai, has announced that shops, parlours, cafes, and restaurants across the state can now operate 24/7. This initiative aims to boost business growth, create employment opportunities, and improve urban infrastructure. However, liquor shops will still have to close by 10 pm, according to the existing regulations. The state has also permitted women to work night shifts. Women employees

can work night shifts

Cabinet Minister Lakhan Lal Dewangan, while announcing the decision, said that shops in Chhattisgarh can now function round the clock, and women employees will also be allowed to work at night.

Earlier, businesses had to remain shut for one day each week. Now, traders have the flexibility to decide their operational hours. However, the government has ensured that employees' rights remain protected. Workers will be entitled to a weekly off, and no employee can be made to work beyond eight hours a day. Additionally, all shop owners must comply with labour welfare policies to safeguard employee interests. The new regulations have also streamlined the shop registration process. Businesses

already registered under the Employees'

State Insurance and Provident Fund

schemes will automatically be included

in the new framework but must obtain a

Labour Identification Number within six

months. However, applications

submitted after this period will incur a fee, as per government norms. Benefits for small businesses

Earlier, the 24-hour business operation rule applied only to urban municipal areas. The revised policy now benefits small businesses employing at least 10 workers. Additionally, penalties for violations have been increased, though businesses can opt for compounding offences to avoid prolonged legal

According to a government notification issued on February 13, shop and establishment registrations will now fall under the Labour Department instead of municipal bodies. The registration fee has been revised to a range of Rs 1,000 to Rs 10,000, based on the number of employees, replacing the earlier Rs 100 to Rs 250 fee structure. While the decision aims to provide greater workforce opportunities, particularly for women, concerns have been raised regarding public transport and safety. Currently, Raipur's city bus services operate

only until 7:30 pm, leaving many female employees worried about commuting at night. A report by India Today quoted Aditi Kale, an interior designer at Matter of Design, as saying that traveling late at night in Chhattisgarh feels unsafe due to limited public transport and deserted streets. Will the government introduce strong safety measures, or will women be left to manage these risks on their own?, she

"Both Hands Intact" Guideline For Pursuing MBBS Reeks Of Ableism: Court

A bench of Justices B R Gavai and K V Viswanathan observed the guidelines prescribed "both hands intact, with intact sensations, sufficient strength and range of motion" to be essential for eligibility in the medical course.

New Delhi. The Supreme Court on Friday said the National Medical Commission (NMC) guidelines requiring students with specified disabilities to have "both hands intact" to pursue MBBS course was "completely antithetical" and reeked of "ableism".

A bench of Justices B R Gavai and K V Viswanathan observed the guidelines prescribed "both hands intact, with intact sensations, sufficient strength and range of motion" to be essential for eligibility in the medical course.

"This prescription of 'both hands intact...' is completely antithetical to Article 41 of the Constitution; the principles enshrined in the United Nations Convention on the Rights of Persons with Disabilities and the salutary provisions of the RPwD Act (Rights of Persons with Disabilities Act, 2016)," said



The court went on to add, "It also indicates a classification which is overbroad and glorifies 'ableism'. It propagates that persons with typical abilities and with faculties similar to what the majority may have or somehow superior." This was precisely what the Directive Principles of State Policy, the United Nations Convention and the 2016 Act abhor, it added.

October last year which asked the NMC to issue revised regulations and guidelines in supersession of the guidelines of May 13, 2019 with regard to admission of students with specified disabilities under the Act with respect to MBBS course.

t said pursuant to the verdict, the NMC assured the top court in another matter that it would constitute a new committee of domain experts to comply with the judgement.

We direct this matter to be posted on March 3, 2025 to consider whether the National Medical Commission has formulated the revised guidelines in accordance with the judgments of this court...," it said. The bench in the meantime directed the NMC to file an affidavit explaining the current

The top court referred to its verdict passed in The top court delivered its verdict on an appeal against a September 2024 order of the Punjab and Haryana High Court, which rejected the claim of a disabled aspirant and upheld the denial of his admission to MBBS

> The top court said it had on December 12, 2024 ordered the appellant's admission in the Government Medical College, Sirohi, Rajasthan against a seat reserved for Persons with Disabilities (PwD) (OBC) category. The bench gave its reasoning in the judgement delivered on Friday.

> t referred to the guidelines over the admission of students with "specified disabilities" under the 2016 Act in MBBS course which constituted appendix H-1 to the Graduate Medical Education Regulations (Amendment), 2019, notified on May 13,

JNUSU calls campus strike over Barak hostel opening

NEW DELHI. The Jawaharlal Nehru University Students' Union (JNUSU) on Friday called for a complete university strike, demanding the immediate release of the JNUSU 2024-25 election notifications and the immediate opening

A JNUSU leader alleged that the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP)-administration nexus was attempting to suppress the democratic voice of students by delaying elections and citing arbitrary reasons. "Due to their unwillingness to open Barak Hostel, students are forced to live without basic facilities in the dormitory," the leader added.

In response to the call for action, students from all schools and centres across the university boycotted classes to press for the fulfillment of their demands. JNUSU President Dhananjay emphasised the importance of the strike, stating that it was crucial to defending campus democracy and ensuring students' right to live with dignity. "JNUSU will continue to struggle until the demands are met," he asserted.

Barak Hostel, a special accommodation facility for students from the North-East community, was einaugurated at JNU by Home Minister Amit Shah on February 4, 2024. The foundation stone for the hostel was initially laid in July 2017 by Minister of State for Development of North Eastern Region, Dr. Jitendra Singh. However, the construction faced delays of over three years before its completion.

The hostel, named after the Barak River in the North-East, was built with a budget of Rs 28.675 crore. It comprises five floors with 228 rooms, designed to accommodate up to 446 North-Eastern students, with 75% of its capacity reserved for them.

IIT Kanpur exam question mocking Kejriwal over 'Mann Ki Baat' tuning goes viral



NEW DELHI. A question in an IIT Kanpur examination has gone viral on social media for blending politics, engineering, and satire.

The question referenced former Delhi Chief Minister and IIT graduate Arvind Kejriwal, who, after losing the recent Delhi Assembly elections, wishes to listen to PM Modi's "Mann Ki Baat" on Vividh Bharti FM (105.4 MHz). The exam, dated February 11, 2025, was conducted by the Department of Electrical Engineering and included a two-mark question that has sparked widespread discussion online.

The viral question read: "After a crushing defeat in the Delhi elections, IIT Alumnus Arvind Kejriwal wants to tune into the 'Mann ki Baat' program by our PM on the Vividh Bharti (AIR) FM at a frequency of 105.4 MHz. Mr. Kejriwal wants to design a filter that may pass the content of the Vividh Bharti channel while attenuating (rejecting) the adjacent FM radio channels Radio Nasha (107.2 MHz) and FM Rainbow Lucknow (100.7 MHz) by at least -60 dB."

It further said: "Since he spent a lot of money during the election campaign, he can only afford a resistor of 50 ohms, a variable inductor, and a variable capacitor to design this filter. Can you please help Mr. Kejriwal design this filter using the R, L, and C components and find out: (a) the quality factor (Q) of this filter; (b) the values of inductance and capacitance needed?" The sub-questions carried two marks each. The post quickly gained traction, with many users expressing curiosity about the professor who framed the question.

Not a penny will be wasted on glorifying govt, says Delhi BJP

NEW DELHI. Promising a transparent advertisement policy, the Delhi BJP government on Friday asserted that every advertisement issued would serve the public interest, and not a single rupee of taxpayer money would be spent on glorifying the government, chief minister, or the party. While in opposition, the BJP had frequently criticised the AAP government for allegedly misusing public funds for self-promotion rather than developmental projects.

Throughout its election campaign, the BJP pledged to put an end to such expenditure, terming it an example of mismanagement and bad governance. "Delhi residents remember how, before the oath-taking ceremonies of Arvind Kejriwal's AAP government in 2015 and 2020, public money was used to flood the



newspapers with government advertisements. In contrast, on Thursday, our government did not spend a single penny from the public treasury on

promoting the swearing-in event," Delhi BJP president Virendra Sachdeva said.

'All advertisements, hoardings, and invitations for the 'Developed Delhi' oath-taking ceremony were funded entirely by the BJP itself," he added. Meanwhile, AAP in response said in a statement, "Every government allocates a budget for advertisements. The AAP government has spent less than half of its allotted amount. In contrast, the BJP is notorious for wasteful expenditure. Between April 2014 and October 2017, the Modi government splurged over Rs 3,600 crore on advertisements across print, electronic, and outdoor media. From 2018-19 to mid-2023, another Rs 3,064.42 crore was spent." "Instead of reckless spending, the BJP should practice positive politics and fulfill the promises made to the people," it added.

"Elder Brother, Mentor": Bhutan PM Praises PM Modi's Leadership

New Delhi. Bhutanese Prime Minister Tshering termed the SOUL initiative a Tshering Tobgay on Friday described his Indian counterpart Narendra Modi as his "elder brother" and "mentor" and sought his guidance to help him contribute to transformation of public service in the neighbouring country.

In his keynote address at the School of Ultimate Leadership (SOUL) conclave here, Tobgay made liberal use of Hindi that drew multiple applause from the audience."Without a doubt, I see an image of an elder brother in you, who always guides me and helps me ('Nisandeh, aap mei ek bade bhai ki chhavi dekhta hun, jo sadaiv mera margdarshan karte hain, aur mujhe sahayta dete hain')," he

"brainchild of Modi", adding, it is yet another testament to his unwavering commitment to nurturing authentic leaders and empowering them to serve the great republic of India.

In his address, the Bhutanese prime minister humbly submitted that he had come to attend the event to not offer any leadership lessons but to "learn as a student".

"Leadership is not about titles, it is not about positions, it is about vision, it is about courage, it is about the ability to inspire change.

Leadership is about transformation, it is about taking society where it stands today, and guiding it towards a future that is more prosperous, more

peaceful and happier for all," he asserted. He emphasised that a leader sees what others do not yet see, believes in what others may doubt, and takes action where others hesitate. The greatest leaders in history have not

merely led organisations or nations, they have led revolutions of thoughts, process and development.

'Aadarniya Pradhan Mantri, mere bade bhai, aapne apni buddhimani, saahas aur karuna se bhare netritav se Bharat ko das hi warshon mein pragati ke path par agrasar kiya hai' (Hon'ble Prime Minister, my elder brother, with your leadership driven with intelligence, courage and compassion, you have set India on the path of development in just 10 years," Tobgay said.

"Always Fulfils Her Promises": Rekha **Gupta's College Principal After Meeting Her**

The Principal of Rekha Gupta's alma mater, Daulat Ram College, Savita Roy, expressed her joy, stating, "I have fond memories of her."

New Delhi. Since Rekha Gupta took charge as the Chief Minister of Delhi, congratulations and greetings have poured in from various quarters. A large number of people gathered outside her residence to greet her as she stepped into her new role. Her principal from Daulat Ram College, Savita Roy, also came to meet her.

The Principal of Rekha Gupta's alma mater, Daulat Ram College, Savita Roy, expressed her joy, stating, "I have fond memories of her. She always fulfils the promises she makes. My blessings are with her. All of us are with

Rekha Gupta said, "I feel proud... I want to tell the students from Delhi University and especially from Daulat Ram College that only Rekha Gupta has not become the Chief Minister; all of you have become the Chief of Delhi won the post of General



Secretary from the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad during her college days. On Wednesday, Congress leader Alka Lamba shared a photo of her with the Delhi Chief Minister as a memento. She shared a memorable picture of

Lamba won the Delhi University President post from the National Students' Union of India (NSUI), while Rekha Gupta won the General Secretary post from the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad

Minister." In 1995, the Chief Minister Alka Lamba posted, "This memorable photo from 1995 - when Rekha Gupta

and I took oath together. I won the Delhi University Students Union (DUSU) Adhyaksh post from NSUI, and Rekha won the MahaSachiv post from ABVP. Congratulations and best wishes to Rekha Gupta.'

Congratulations to Delhi for getting its fourth woman Chief Minister and we hope that Yamuna will be clean and daughters safe," read her post.

After chairing the first cabinet meeting on Thursday, Rekha Gupta decided to implement Ayushman Bharat and table 14 pending reports from the Comptroller and Auditor General.

herself and Rekha Gupta, of 1995 when Notably, the CAG report revealed a significant revenue loss of Rs 2,026 crore due to irregularities in the Delhi government's excise policy. The report's findings stated that there were deviations from the policy's objectives, a lack of transparency in pricing, and violations in issuing licenses that were

How an NGO tied up with Naga Sadhus for unique eye checkup camp at Kumbh

Prayagraj. Aimed at promoting better vision, the Naga Sadhus of Maha Kumbh tied up with a non-profit organisation, which adopted a unique initiative to check attendees' eyesight. A massive camp has been set up by the organisation, which requires those opting for screenings to read alphabets written on the backs of the sadhus.

Manned by more than 100 personnel, the camp offers free eye screenings and has distributed over 50,000 pairs of sunglasses to those in need. The services started on February 10 and will continue till the end of Kumbh on the 26th.

Pictures showed several Hindi alphabets written on the backs of the sadhus in the classic pyramid



style that is noticeable at a doctor's chamber when one goes for eye check-ups. The camp has been set up by Eyebetes, a charitable organisation dedicated to creating awareness about diabetes and preventable blindness. It is located at the Sangam site, and will offer free screening for diabetes and other common causes of preventable blindness.

"Physical and spiritual health are deeply linked in religious practice. Supporting this cause was an act of good for the countless devotees on their spiritual journey," a spokesperson for the Naga Akhara said. "Our studies have found that over 60 per cent of Indians in need of glasses go without them, and 60 per cent of pre-diabetics or early diabetics remain undiagnosed. Both these figures are correlated, and a lot needs to be done to prevent complications arising from these conditions. Over the duration of the mela, we are offering free tests to everyone who comes to our camp at the Maha Kumbh mela," Dr Nishant Kumar of the Eyebetes Foundation

Stricter rules needed for online content, Centre tells House panel amid joke row

The issue has gained traction amid an uproar over the crass comments of social media influencer Ranveer Allahbadia.

Centre flags freedom of expression misuse in letter to House panel

Says it is examining need for a new legal framework

Reply comes amid row over Ranveer Allahbadia's vulgar joke on show

New Delhi. The Information and Broadcasting Ministry is examining the existing statutory provisions and the need for a new legal framework to regulate "harmful" content amid complaints of "obscenity and violence" being shown on digital platforms.

In its reply to a parliamentary panel, the ministry said there is a growing concern in society that the constitutional right of "freedom of expression is being misused to showcase obscene and violent content on digital platforms".

It told the Standing Committee on Communications and Information Technology, headed by BJP MP Nishikant Dubey, that while certain provisions exist under the current laws, there is a growing demand for a stricter and effective legal framework to regulate such harmful content.

It said, "This ministry has taken note of these developments and is in the process of examining current statutory provisions and the need for a new legal framework." The



ministry said that many high courts and the Supreme Court, MPs and statutory bodies like the National Commission of Women have spoken on the issue, which has made headlines after the crass comments of social media influencer Ranveer Allahbadia drew wide condemnation.

Criminal cases have been registered against him, and his apology has done little to damp down the controversy. While the Supreme Court granted him protection from arrest, it

also made very critical observations over his vulgar comments. The ministry told the committee that it would

submit a detailed note after due deliberations. The committee had asked the ministry on February 13 regarding the amendments needed in the existing laws to clamp down on controversial content in the wake of the emergence of new technology and media

platforms.

enacting new ones.

Unlike conventional print and electronic content, which are covered under specific laws, new media services powered by the internet, such as OTT platforms or YouTube, have no specific regulatory framework, triggering demands for amending the laws. While there has been some concern that authorities may use new provisions to censor content for extraneous reasons, frequent outrages triggered by episodes like the one involving Allahbadia have given rise to the demand for strengthening the legal framework through amendments in the existing laws or

Man accused of trying to kill author Salman Rushdie found guilty of attempted murder

MAYVILLE. A New Jersey man was convicted Friday of attempted murder and assault for stabbing author Salman Rushdie multiple times on a New York lecture stage in 2022. A jury found Hadi Matar, 27, guilty after a little less than two hours of deliberations following a trial in Chautauqua County Court.

Matar ran onto the stage at the Chautauqua Institution where Rushdie was about to speak on August 12, 2022, and stabbed him more than a dozen times before a live audience. The attack left the 77-year-old prizewinning novelist blind in one eye.

Rushdie was the key witness during seven days of testimony, describing in graphic detail his lifethreatening injuries and long and painful recovery.

Trump fires air force general CQ Brown as joint chiefs chairman, nominates Dan Caine



WASHINGTON: President Donald Trump has abruptly removed Air Force General CQ Brown as chairman of the Joint Chiefs of Staff, sidelining the respected officer as part of his effort to reshape military leadership. Brown, the second Black general to hold the position, had served for 16 months, focusing on the wars in Ukraine and the Middle East.

Trump announced the decision on social media, thanking Brown for his service and wishing him well. He has nominated Air Force Lt. Gen. Dan "Razin" Caine, an F-16 pilot with experience in the National Guard and the CIA, as Brown's replacement.

The move follows Trump's push to remove military leaders who support diversity and inclusion. Defense Secretary Pete Hegseth, who took office four weeks ago, has backed this approach. During his Senate confirmation hearing, he suggested reviewing senior officers based on merit and commitment to military standards. In the past, Hegseth had questioned whether Brown's appointment was based on race.

Brown was at the US-Mexico border assessing the military's role in Trump's executive order on illegal immigration when he was dismissed. His removal comes despite support from key lawmakers and a seemingly cordial meeting with Trump in December.

As an experienced F-16 pilot, Brown was seen as a key figure in shifting the military's focus from Middle Eastern conflicts to countering threats from China. His nomination as chairman was widely supported, with the Senate confirming him 98-0. Before that, in June 2020, he gained attention for speaking out on racial bias in the military following the police killing of George Floyd. Trump has used his second term to assert greater control over government institutions, removing officials from the Biden administration even in traditionally independent positions. Brown's dismissal is part of a broader effort to reshape military leadership under Trump's vision.

Man Disguised As Lawyer Kills Notorious Sri Lankan Gang Leader In Court

World A notorious gang leader in Sri Lanka was shot dead Wednesday inside a courthouse by a gunman disguised as a lawyer, the BBC reported. Gang leader Sanjeewa Kumara Samararathne, a suspect in multiple murder cases, was brought to court under a heavy armed escort by commandos from the elite Special Task Force. He was shot at close range as he entered the dock in a bail hearing at the Colombo Magistrates Court, police said in a statement. He was taken to hospital after he was shot but was pronounced dead on arrival. The gang leader, popularly known as Ganemulle Sanjeewa, had been in custody since he was arrested in September 2023, as per the outlet. Police said that the gunman used a revolver which was smuggled in a hollowed-out book by a female suspect. He managed to flee the scene but was later captured by police. Cops have identified the female suspect as 25-year-old Pinpura Dewage Ishara Sewwandi.Officials have reportedly put out a notice promising a reward for anyone providing information on the woman. Police have also arrested a policeman and van driver suspected of helping the two suspects in the shooting.

Notably, the latest incident is among a series of killings by rival gangs. At least nine people have died this year in a spate of shootings blamed on gang rivalry, as per the BBC. Amid this, authorities have vowed to crack down on gang violence in the country. The incident has also raised questions about security in the courthouse, with authorities currently reviewing security measures. On Wednesday, lawmakers also discussed reining in gang violence in parliament, with an opposition MP calling it a "major security issue". Health and mass media minister Nalinda Jayatissa, who in December had pledged to crack down on such criminal activity, said on Wednesday that the government would "take the actions of organised underworld gangs seriously".

Moreover, new security protocols are being implemented in the wake of the shooting, including deploying armed guards when certain people are brought to court.

Israel to receive 6 hostages from Gaza in exchange for 602 Palestinian prisoners

Jerusalem, Israel prepared on Saturday to receive six more hostages from Gaza in exchange for hundreds of Palestinian prisoners and detainees, after accusations over the return of a misidentified body this week threatened to derail a fragile truce. The six, the last living hostages from a group of 33 due to be freed in the first stage of the ceasefire deal agreed last month, were expected to be handed over at around 8.30 am (0630 GMT), according to officials from the militant group Hamas.Four of the hostages, Eliya Cohen, 27, Tal Shoham, 40, Omer Shem Tov, 22, and Omer Wenkert, 23, were seized by Hamas gunmen during their attack on Israel on October 7, 2023. Another two, Hisham Al-Sayed, 36, and Avera Mengistu, 39, have been held by Hamas since they entered Gaza separately under unexplained circumstances around a decade ago.In return, Israel is expected to release 602 Palestinian prisoners and detainees held in its jails in the latest stage of an exchange that has held up despite a series of problems

that have come close to sinking it on different occasions.Late on Thursday, Israel accused Hamas of violating the ceasefire by handing over an unidentified body instead of the remains of hostage Shiri Bibas that were due to be returned along with the bodies of her two small sons. Hamas said her remains appear to have been mixed up with other human remains recovered from the rubble after an Israeli air strike that it said killed her and her two sons in November 2023. On Friday, the group handed over another body, which Israeli forensic officials were preparing to investigate to confirm the identity.

The Bibas family, kidnapped along with their father in the October 7 attack, has been an emblem of the trauma suffered by Israel on that day and the misidentification of the remains of Shiri Bibas, as well as the staged handover of their coffins by Hamas outraged Israelis.The Israeli military said intelligence assessments and forensic analysis of the bodies of 10-month-old Kfir Bibas and his four-year-old brother Ariel

by their captors.Israeli Prime Minister



Benjamin Netanyahu threatened to make Hamas "pay the full price" for failing to return the body, but he held back from walking away from the ceasefire agreement, which took effect on January 19. Hamas, which has itself accused Israel of breaching the ceasefire by blocking vital aid supplies into Gaza, nonetheless formally informed Israel of the names of the hostages to be released on Saturday in a sign the handover would go ahead. The ceasefire has brought a pause in the fighting but prospects of a definitive end to the war remain unclear. Hamas, which killed some 1,200 people and took 251 hostages during its attack on Israel, has been at pains to demonstrate that it remains in control in Gaza despite heavy losses in the

The Israeli campaign killed at least 48,000 people, according to Palestinian health authorities, and reduced much of the enclave to rubble, leaving some hundreds of thousands in makeshift shelters and dependent on aid trucks. Both sides have said they intend to start talks on a second stage, which mediators say aim to agree the return of around 60 remaining hostages and the withdrawal of Israeli troops.But hopes of a deal have been clouded by disagreements over the future of Gaza, that have been deepened by shock across the region over US President Donald Trump's proposal to clear the enclave of Palestinians and develop it as a Riviera-style resort

US woman 'unknowingly' becomes couple's surrogate, sues IVF clinic for mix-up

World. A woman in US's Georgia has decided to sue a fertility clinic after giving birth to a boy through in vitro Murray said in the lawsuit that she opted fertilisation, who later turned out to be another couple's child, due to a mix-up

According to the lawsuit filed in Georgia state court, Krystena Murray, 38, learnt about the mix-up only after giving birth when it was clear that the boy wasn't hers due to his race. She is white and chose a sperm donor who is also of the same skin colour with blonde hair and blue eyes; the baby is Black.

The lawsuit said that the clinic's "extreme and outrageous" mistake caused Murray to become an "unwitting surrogate, against her will, for another couple". She has sought unspecified monetary damages, The Associated Press reported."The birth of my child was supposed to be the happiest moment of my life, and honestly, it was," she said at a news conference as reported by NBC News. "All of the love and joy I felt seeing him for the first time was immediately replaced by fear. How could this have happened?"

for a DNA test at home and found out Expressing her pain, Murray said the she was not related to her newborn. Even so, she decided to raise the child informed Coastal Fertility Specialists



about the mix-up, the clinic notified the child's biological parents, who in turn sued Murray to get custody of their son. The 38-year-old voluntarily gave up the 5-month-old's custody to avoid a legal fight after her lawyer told her she was not going to win. The lawsuit said

that Murray had "no issues or concerns with the baby's race" other than the fact that it showed he wasn't related to her. incident had "destroyed" her and that

as her own. However, when she "I'm heartsick; I'm emotionally broken. Nothing can express the shock and

she would "never fully recover".

violation upon learning that your doctor put a stranger's embryo into your body. To carry a baby, fall in love with him, deliver him, and build the uniquely special bond between mother and baby, all to have him taken away," she said at the press conference.

The lawsuit said that Murray remains unaware if the fertility clinic transferred her embryo to someone else, and thus, she doesn't know if her biologically

related child is being "raised by someone else", Fox News reported. In a statement, the fertility clinic expressed "deep regrets" for causing distress to Murray due to an "unprecedented error that resulted in an embryo transfer mixup", The New York Times reported.

China discovers new bat coronavirus capable of infecting humans: Top points

World. Chinese researchers have found a new bat coronavirus, HKU5-CoV-2, which has the potential to infect humans as it uses the same cell-surface protein to infiltrate cells as the SARS-CoV-2 virus that caused Covid-19. The study on the new virus, published in the Cell scientific journal, was carried out by leading Chinese virologist Shi Zhengli, who is also known as the "batwoman", as a result of her extensive research on bat coronaviruses, at the Guangzhou Laboratory. WHAT IS HKU5-CoV-2

The new virus called HKU5-CoV-2 has been discovered in bats in China. Despite the potential risk of infecting humans, the researchers said more details on animalto-human transmission are yet to be investigated. While there are hundreds of coronaviruses in the wild, only a few can infect humans.HKU5-CoV-2, that traces its lineage from the HKU5 coronavirus first identified in the Japanese pipistrelle bat in Hong Kong, comes from the merbecovirus subgenus, which also includes the virus that causes Middle East Respiratory Syndrome (Mers). The scientists said that like SARS-CoV-2, the bat virus HKU5-CoV-2 contains a feature known as the furin cleavage site that helps it to enter cells via the ACE2 receptor protein on cell surfaces.

In lab experiments, HKU5-CoV-2 infected human cells



Salman Rushdie attacker found guilty of attempted murder and assault

New York, Hadi Matar was found guilty on Friday of attempting to murder the novelist Salman Rushdie in an onstage stabbing attack at a New York arts institute in 2022.atar, 27, can be seen in videos rushing the Chautauqua Institution's stage as Rushdie was being introduced to the audience for a talk about keeping writers safe from harm, some of which were shown t the jury during the three-week trial.Rushdie, 77, was stabbed with a knife multiple times in the head, neck, torso and left hand, blinding his right eye and damaging his liver and intestines, requiring emergency surgery and months of recovery. The writer was among the first to testify at the Chautauqua County Court in Mayville, calmly describing to jurors how he believed he was going to die and showing them his blinded eye by removing his adapted spectacles with a blacked-out right lens.Matar was found



guilty of attempted murder in the second degree and assault in the second degree for stabbing Henry Reese, the co-founder of Pittsburgh's City of Asylum, a non-profit group that helps exiled writers, who was conducting the talk with Rushdie that morning. Rushdie, an atheist born into a Muslim Kashmiri family in India, has faced death threats since the 1988 publication of his novel "The Satanic Verses," which Ayatollah Ruhollah Khomeini, then Iran's supreme leader, denounced as blasphemous. After the

knife assault, Matar told the New York Post that he had travelled from his home in New Jersey after seeing the Rushdie event advertised because he disliked the novelist, saying Rushdie had attacked Islam.Matar, a dual citizen of his native US and Lebanon, said in the interview that he was surprised Rushdie had survived, the Post reported.Matar did not

testify at his trial. His defence lawyers told jurors that the prosecutors had not proved beyond reasonable doubt the necessary criminal intent needed for a conviction of attempted murder.Matar also faces federal charges brought by prosecutors in the US attorney's office in western New York, accusing him of attempting to murder Rushdie as an act of terrorism and of providing material support to the armed group Hezbollah in Lebanon, which the US has designated as a terrorist organisation.

with high ACE2 levels in test tubes and in models of human intestines and airways. The researchers also identified monoclonal antibodies and antiviral drugs that target the bat virus.

'BATWOMAN' LEADS RESEARCH

The research on the new coronavirus was led by China's leading virologist Shi Zhengli along with a team of scientists from the Guangzhou Academy of Sciences, Wuhan University and the Wuhan Institute of Virology.Shi is popularly known as the "batwoman" due to her extensive knowledge and research into bat coronaviruses. She is also known for for her work at the Wuhan Institute of Virology, which is commonly suspected to be the epicentre of the 2020 coronavirus pandemic. There have been claims that the virus leaked from a lab at the Wuhan institute.

Shi has, however, rejected the claim and denied that the pandemic originated from the institute. Till date, there has been no consensus on how the Covid-19 virus

Ukraine may lose Starlink access after turning down US minerals deal: Report

Ukraine's continued access to SpaceX-owned Starlink was brought up in discussions between US and Ukrainian officials after Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy turned down an initial proposal from US Treasury Secretary Scott Bessent.

Washington. US negotiators pressing Kyiv for access to Ukraine's critical minerals have raised the possibility of cutting the country's access to Elon Musk's vital Starlink satellite internet system, three sources familiar with the matter told Reuters. Ukraine's continued access to SpaceX-owned Starlink was brought up in discussions between US and Ukrainian

officials after Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy turned down an initial proposal from US Treasury Secretary Scott Bessent, the sources said.

Starlink provides crucial internet connectivity to war-torn Ukraine and its military. The issue was raised again on Thursday during meetings between Keith Kellogg, the US special Ukraine envoy, and Zelenskyy, said one of the sources, who was briefed on the talks. During the meeting, Ukraine was told it faced imminent shutoff of the service if it did not reach a deal on critical minerals, said the source, who requested anonymity to discuss closed negotiations."Ukraine runs on Starlink. They consider it their North Star," said the source. "Losing Starlink would be a massive blow."Zelenskyy has rejected demands from President Donald Trump's administration for \$500 billion in mineral wealth from Ukraine to repay Washington for wartime aid, saying the U.S. has offered no specific security guarantees.On Friday, the Ukrainian



president said the U.S. and Ukrainian teams were working on an agreement and Trump said he expects a deal will be signed soon.

Musk rushed thousands of Starlink terminals to Ukraine to replace communications services destroyed by Russia after its February 2022 invasion. Hailed as a hero in Ukraine, Musk later curtailed access at least once before in the fall of 2022 as he became more critical of Kyiv's handling of the war.U.S. lawmakers are divided over Trump's efforts to find a quick end to the Ukraine war and some have raised questions about Musk's rapid-fire efforts to

cull thousands of federal workers and shut down Federal agencies.Melinda Haring, a senior fellow with the Atlantic Council, said Starlink was essential for Ukraine's operation of drones, a key pillar of its military strategy."Losing Starlink would be a game changer," Haring said, noting that Ukraine was now at 1:1 parity with Russia in terms of drone usage and artillery shells. Ukraine

has a wide range of different drone capabilities, ranging from sea drones and surveillance drones to long-range unmanned aerial vehicles. The Ukrainian embassy in Washington, the White House and the U.S. Department of Defense did not immediately respond to a request for comment.SpaceX, which operates Starlink, also did not immediately respond to a request for comment.Last fall, Ukraine floated the idea of opening its critical minerals to investment by allies. This was part of a "victory plan" that sought to put it in the strongest position for talks and force Moscow to the table.

NEWS BOX

Want Pakistan to win, no fun watching Amitabh punch villains nonstop: Ex-India pacer

New Delhi . Former India fast bowler Atul Wassan said he wants Pakistan to beat India to add excitement to the business end of the Champions Trophy. Wassan lamented the lack of competitiveness in recent India vs Pakistan encounters, arguing that India are far stronger than their arch-rivals. He compared the one-sided contests to watching Amitabh Bachchan fight villains without taking a few blows himself, saying such predictable outcomes diminish the thrill.India and Pakistan are set to meet in their much-anticipated Champions Trophy Group A clash in Dubai on Sunday. India head into the contest following a comfortable six-wicket victory over Bangladesh, while Pakistan were humbled by New Zealand in the tournament opener in Karachi on Wednesday.Pakistan were comprehensively outplayed in all three departments, exposing the gap in quality between them and New Zealand. Chasing 321, Pakistan lacked intent and urgency in their innings, ultimately falling short by 60 runs.India will start as favourites on Sunday, and Pakistan appear to lack the resources to



trouble Rohit Sharma's well-oiled side.

I want Pakistan to win because it will make the rest of the tournament more exciting. If Pakistan plays well and wins, there will be a real contest," Atul Wassan told ANI news agency."It's like Amitabh Bachchan-if he keeps punching the enemies nonstop, there's no fun in watching it. I hope Pakistan makes a comeback; it will be good for the tournament," he added.

SHIT IN INDIA VS PAKISTAN RIVALRY Wassan, who played four Tests and nine ODIs for India between 1990 and 1991, reflected on how the balance of power has shifted in the India-Pakistan rivalry."Until Pakistan improves its cricket, there's no excitement in watching India vs Pakistan games. When I played in the '90s, Pakistan had so many great players-Wasim Akram, Waqar Younis, and Saeed Anwar. We used to lose to them quite often," Wassan said."Whatever happened in Pakistan affected their cricket, and they suffered because of it. Meanwhile, India have only grown stronger. Since the 2000s, we have dominated them," he added.

We were hungry to play Ranji final': Sachin Baby

KOCHI. After yet another tough duel dotted with several heartstopping moments, Kerala have scripted history by making their way to the final of the Ranji Trophy national cricket championship for the first time ever.

Sachin Baby and his spirited team are flying to Nagpur for the summit clash of the marquee tournament against former champions Vidarbha, slated to begin on February 26. The 2018 semifinal loss against the same opponents at Wayanad is now a thing of the past. For the captain, the dream run unbeaten in nine matches this season - is the result of the team's hunger to win.

'From the first day we came together as a team, we knew one thing - miracles are going to happen to this team. And that's what we saw in the last nine matches. We have experienced a semifinal before and we were



all very hungry for a final," Sachin told TNIE from Ahmedabad. The semifinal against Gujarat was a thrilling, intense affair over the past five days, he said.

"Though we have played such matches in leagues, this is the first experience in a tournament of this stature. So we wanted to win and feel the taste of a domestic cup. We are delighted that we have come so far," the seasoned Kerala skipper said. After all the close calls and the drama over Salman Nizar's 'helmet', after the ball bounced off him and nestled into Sachin's hands, the fortune that got Kerala to the semifinal in the form of a single-run first innings lead, backed them again, this time by two runs. Wicketkeeper-batter Mohammed Azharuddeen, who became Kerala's firstever centurion in a Ranji semifinal with an unbeaten 177, said: "I'm really happy I could contribute to the team when it was most needed. And since it's the first time (final entry), the success is sweeter," Azharuddeen

Is playing IPL at 43 tough MS Dhoni says 6-8 months of hard work is a must

MS Dhoni said playing in the IPL at 43 requires months of hard work to match younger players, but his love for the game keeps him going. Quashing retirement rumours, he confirmed his commitment to Chennai Super Kings for IPL 2025, where he will feature as an uncapped player.

New Delhi. World Cup-winning former India captain MS Dhoni said he does not take his two months in the Indian Premier League lightly, stressing that he must match the level of younger players and his competitors to ensure he contributes effectively to the Chennai Super Kings. Dhoni acknowledged that no allowances are made for players of his age, meaning he must work harder than some of his peers to stay prepared for an IPL season. The 43-year-old will return to play for Chennai Super Kings in the 2025 IPL season, starting on 21 March. Quashing Since retiring from international cricket in

speculation about his retirement, Dhoni said that he wants to continue playing in the IPL as long as he enjoys the game and remains committed to the hard work required.

Dhoni will be one of the oldest players in the tournament when he takes the field for the Super Kings as an uncapped player. He was retained by CSK for Rs 4 crore after the Indian cricket board (BCCI) reinstated the rule allowing players who have not represented India in the last five years to feature as uncapped players."I only play a couple of months in a year, but I want to enjoy it the way I started playing, that's something that keeps

me going," Dhoni said at a promotional event in Mumbai on Friday. IPL 2025: Full Schedule

"But, of course, for that, I need to put in a lot of hard work for six to eight months because IPL is one of the toughest tournaments. Nobody really cares about how old you are. If you're playing at this level, the level needs to be the same," the former captain added.

DHONI'S LOVE FOR THE GAME

2021, Dhoni has been spending more time with family and friends while remaining a regular presence at the Super Kings' preseason camps. Over the last two years, he has played through pain due to a knee niggle.

The five-time IPL-winning captain has managed to maintain his fitness and ensure he continues to add value to the team. In IPL 2024, Dhoni played all 14 matches for CSK, scoring 161 runs at an extraordinary strike rate of 220. He has continued to keep wickets for the Super Kings, though he has shifted to batting lower down the order, focusing on

Riders spinner was overlooked for India

selection for nearly three

years. However, Chakravarthy is back in

the mix and is looking more dangerous

than ever. There is no doubt that

impactful cameos.Dhoni reflected on how his priorities in cricket have evolved over the years, stressing that his love for the sport is what keeps him going. When I started playing international cricket, for me the biggest motivation was representing my country," he said."It has always been the country for me because coming from where I came, not known for cricket as a state, once I got a chance I wanted to contribute, I wanted to be part of a winning team that was trying

to win each and every game, you're trying to win the big tournaments, the bilateral series (and) so (on)."For me, my biggest motivation was that contribution to make India win. Now that I've retired from international cricket, I can't say it's the same, but for me now, it's the love for the sport," he added.Chennai Super Kings will begin their IPL 2025 campaign against arch-rivals Mumbai Indians in Chennai on 22 March, a day after the opening match between Kolkata Knight Riders and Royal Challengers Bengaluru in Kolkata.

Did you know? Pakistan have a better record against India in Champions Trophy

New Delhi. India and Pakistan are all set to lock horns at the Dubai International Cricket stadium on Sunday, February 23 as cricket fans will have their eyes on the intense clash between the arch-rivals. India started their Champions Trophy campaign with a win, while Pakistan were completely outplayed by New Zealand in the tournament opener on February 19. Shubman Gill and Mohammed Shami were the architects of India's win, while concerns were aplenty for defending champions Pakistan, who were deal with a major injury blow after their defeat.

While India looks a happy camp, Pakistan have plenty of issues to deal with. Babar Azam's slow knock against New Zealand was heavily criticised while Fakhar Zaman, their explosive opener, is out with an injury. Pakistan's much-talked-about pace trio of Shaheen Afridi, Haris Rauf and Naseem Shah faltered on the big day in front of their home crowd in Lahore.But on Sunday, everything will be back to zero as India and Pakistan will



know the importance of starting afresh. The

India vs Pakistan: Will Varun Chakravarthy get a chance to heal old wounds

India and Pakistan are set to clash in the Champions Trophy 2025 on Sunday, February 23, in Dubai. Should the Men in Blue tweak their playing XI and bring in Varun Chakravarthy for the blockbuster encounter, given his recent form?

New Delhi. The cricketing world is set to come to a standstill as two heavyweights of the game, India and Pakistan, prepare to face off in the marquee Champions Trophy clash on Sunday, February 23, at the Dubai International Cricket Stadium. Over the years, the India-Pakistan clash has provided a platform for players from both teams to etch their names in history with exceptional performances that have propelled their careers to new heights.

The upcoming fixture presents another golden opportunity for players to rise to the occasion and lead their teams to glory in this highly anticipated encounter. While India had several standout performers in their opening fixture, they kept their X-



factor, Varun Chakravarthy, on the bench.If Chakravarthy gets a chance against arch-rivals Pakistan, it will be a perfect opportunity to make amends for his underwhelming T20 World Cup 2021 campaign, where he remained wicketless in three matches. His first outing in an ICC event was one to forget, as he conceded 33 runs in four overs against Pakistan, who thrashed India by 10 wickets to register their first-ever World Cup victory over them. Following that disappointing performance in Dubai, the Kolkata Knight

Chakravarthy will be licking his lips to have a crack at the Pakistan batters. Since his return to the Indian team in October 2024, Chakravarthy has been on a rapid rise in international cricket. He has embraced his comeback with open arms, making everyone take notice of his wicket-taking prowess in

T20Is. Since then, he has picked up 31 wickets in 12 innings at an astonishing average of 11.25 and an economy rate of 7.18, with two five-wicket hauls to his name. Most recently, he was named Player of the Series in the five-match T20I series against England, where he scalped 14 wickets at an average of 9.85. Following his stellar T20I performances, Chakravarthy made his ODI debut in the second match against England, returning figures of 1/54 in ten overs.

Advice for Babar Azam Steve Smith surprised by question at press conference

New Delhi Australia captain Steve Smith was surprised when asked to offer a piece of advice to Pakistan star Babar Azam, who has been struggling for form and fluency in international cricket. Speaking to the press on the eve of Australia's Champions Trophy opener against Ashes rivals England, Smith was questioned about what Babar needed to do to regain his confidence.Smith sidestepped the query but backed Babar to find a way through this challenging phase in his career, adding that even the best players experience periods of poor form.Babar Azam came up with a lacklustre performance in front of his home crowd in Karachi during Pakistan's Champions Trophy 2025 defeat to New Zealand. Expectations were high for Pakistan in their first ICC tournament match at home in 29 years, but Babar's sluggish knock (64 off 90 deliveries) was one of the key factors behind their 60-run loss. The Pakistan top order, including Babar, faced scrutiny for their lack of intent while chasing



a steep target of 321 Champions Trophy: Full Coverage | Points While India and New Zealand have begun

"Look, he's a quality player. He has had a really good career so far. He's got all the time in the world, the way he plays, he has got a solid technique, he's got a good head on his shoulders, so yeah, he maybe hasn't scored as many runs as he would have liked in the last little bit. We're all guilty of that at stages throughout our careers, don't worry, but yeah, look, he's a wonderful player," Smith said. All eyes will be on Babar when Pakistan

face arch-rivals India in a do-or-die match in Dubai on Sunday. Pakistan are in danger of an early Champions Trophy exit after their 60-run defeat to New Zealand dented their Net Run Rate. Another loss, this time to India, could knock them out of the eightteam tournament.

'I AM NOT GOING TO ANSWER THAT' Meanwhile, Smith fielded another quirky question when asked to predict the semifinalists of the Champions Trophy.

their campaigns with victories in Group A, South Africa dominated Afghanistan in the opening game of Group B in Karachi on Friday. Australia and England, both struggling for form, will look to find early momentum when they clash in Lahore on Saturday."I'm not going to answer that (pick the top four)," Smith sid."I think we have got eight really good teams that can win on any given day. So, I think that's what makes this tournament really good.

stakes are high as India needs one more win to more or less seal their spot in the final 4. Pakistan need a win to keep their hopes alive in the tournament as a defeat would mean an early exit for the hosts. When it comes to World Cups, India have a 8-0 lead in the ODI format. But when it comes to the Champions Trophy, Pakistan have a better record against their arch-rivals. The Men In Green lead the head-to-head stats 3-2 against India in the mini-World Cup, with their last win being the final of the 2017 edition. So, what happened in the previous five meetings between both teams in the Champions TrophyThis was the first meeting both teams in the Champions Trophy and it was Pakistan who won the match in Birmingham. Asked to bat first, India found themselves in trouble at 106 for 6 in the 34th over. Rahul Dravid's 67 and Ajit Agarkar's 47 ensured India got to 200 at the end. Pakistan's chase was off to a poor start as Irfan Pathan rattled them with 3 wickets before Inzamam-ul-Haq and Mohammad Yousuf's unbeaten 81 not out was enough to

Chasing targets difficult in Champions Trophy Centurion Ryan Rickleton explains

-South Africa hammered Afghanistan by 107 runs to win their first match of the Champions Trophy. Chasing a target of 216, Afghanistan folded for 208 runs. After the match, Ryan Rickleton explained why it was difficult to chase targets in the tournament.

New Delhi. Young Ryan Rickleton scored a terrific century in his maiden outing at the Champions Trophy on Friday, February 21. Rickleton's century helped South Africa post a daunting total of 315 runs, which they later defended with ease.Playing at the Karachi Stadium, South Africa bowled out Champions Trophy 2025: Full Coverage Afghanistan for just 208 runs in 43.3 overs.

South Africa's pacers dominated with the ball under the lights in Karachi. Kagiso Rabada, Wiaan Mulder, Lungi Ngidi, and Marco Jansen were all among the wickets, handing an epic thrashing to the Dark Horses of the tournament. While chasing a target under the lights is usually preferable, the lack of dew this season in Pakistan and Dubai has made life really difficult for batters in the second innings. Afghanistan's loss while chasing was not an isolated incident in this Champions Trophy. In fact, two out of the three teams have lost while chasing a target in this tournament. India is the only team to win their match while chasing, but they did so with a fair amount of difficulty. If it weren't for Shubman Gill's sensational hundred, India's chase of 229 runs against Bangladesh would have been in trouble

Young South African batter Ryan Rickleton



weighed in on the matter, stating that under the lights, the Karachi wicket became a little bit 'tacky.' The centurion explained that the variable bounce and the fact that the ball spun more in the second innings put batters in trouble during the chase. Rickleton added that he spoke to New Zealand players before the match, who told him about the unique nature of the wickets this season.

'I heard all about the wacker clay or something like that—it looked a lot harder and drier. It wasn't the same wicket as the one we had the practice game on, so it was a bit different for us. But throughout the game, I thought the wicket was quite quick. As Matt was getting it through, and obviously we have some quick bowlers in our team—KG and Marco could really push it through, even Wiaan was getting it through nicely too. So, I think the wicket had pace in it, no doubt about it, but I think the variability in the bounce is what made it quite challenging for both teams. I think we just had the extra yard, the extra height to extract maybe a little bit more out of it," Ryan Rickleton said."Having chatted to the New Zealanders yesterday about the wickets, they said that when the dew didn't set in, it actually got a little bit tacky under lights. Probably the same today, it spun a little bit more as well. And that's, I guess, why the decision to bat first was made," he added.

www.thephotonnews.com Sunday, 23 February 2025



Was 'Shocked' After Yuzvendra Chahal's Marriage Proposal: 'Unhone Chakka Maar Diya'

ndian cricketer Yuzvendra Chahal and choreographerinfluencer Dhanashree Verma have reportedly finalized their divorce, ending their marriage of over four years. They first met virtually during Covid lockdown, when Chahal was taking dance lessons from Dhanashree. Last year, during her appearance on the dance reality show Jhalak Dikhhla Jaa 11, Dhanashree had opened up about Yuzvendra Chahal's marriage proposal. She revealed that after two months of dance training, he suddenly proposed to her, and it left her shocked.

On Jhalak Dilkhhla Jaa 11 last year, Dhanashree Verma said, "During the lockdown no matches were happening and all the cricketers were sitting at home and getting frustrated. During that time Yuzi decided one fine day that he wants to learn dance. He had seen my dance videos on social media and back in the



day, I used to teach dance and he approached me to be my student. I agreed to teach him. It was a very professional student-teacher relationship, I want to make it very clear." She further added that he took two months training from her, during which she made him a good dancer.

Suddenly after two months he directly proposed to me for marriage. Woh batting karte bhi nahi but unhone chakka maar diya direct." She revealed that she was 'shocked' and that she told her mom about it. Revealing her mom's reaction, Dhanashree said, "The first thing she said was, "Gaya tera student". I was a very professional teacher." Yuzvendra and Dhanashree got married in a Hindu ceremony in December 2020.

Chahal and Dhanashree have reportedly finalized their divorce, and have completed the legal proceedings at Bandra Family Court on Thursday. Reportedly, they were living separately for the past 18 months. Amidst the reports of their divorce being finalised, both Chahal and Dhanashree have shared cryptic posts on their respective

"God has protected me more times than I can count. So I can only imagine the times I've been rescued that I don't even know about. Thank you, God, for always being there, even when I don't know it. Amen," read a post shared by Chahal.

Meanwhile, Dhanashree wrote, "From Stressed To Blessed. Isn't it amazing how God can turn our worries and trials into blessings? If you're stressing about something today, know that you have a choice. You can either keep worrying, or you can surrender it all to God and choose to pray about everything. There is power in having faith that God can work all things together for your good."

> Kaveri Kapur, who debuted in Bobby Aur Rishi Ki Love Story, revealed her parents' divorce, Shekhar Kapur and Suchitra Krishnamoorthi, affected her mental health.

averi Kapur recently made her acting debut with Bobby Aur Rishi Ki Love Story. Amid the film's mixed reviews, she opened up about her parents, celebrated filmmaker Shekhar Kapur and actor-singer Suchitra Krishnamoorthi's divorce. In a rare revelation, Kaveri mentioned that though she was happy when they parted ways, it took a toll on her mental health while growing up.

"It wasn't the separation that affected me as much as the relationship itself. I was happy when they got divorced. But yes, it took a toll, especially because it was so public. You get exposed to things a child

wouldn't normally have to deal with. I have struggled with my mental health as an adult because of it," Kaveri told The Times of India.

She added that she probably hasn't found her ground yet. "I still struggle with my mental health—it's a process. I have OCD and I'm still healing. But I'm happy and grateful, and I know it takes time," added Kaveri.

Shekhar Kapur married Suchitra Krishnamoorthi in 1999 when she was just 22. The two welcomed Kaveri in 2001. However, the couple parted ways in 2007 i.e. after 12 years of

Kaveri, in the same interview, revealed who she is closer to, her mother or father. The debutante said, "Both, but in different ways. My dad is like my best friend-we talk about relationships and philosophy. My mom and I have a classic mother-daughter dynamic-she's my fierce protector and takes care of me. I turn to either one depending on the situation."

Meanwhile, Shekhar Kapur recently received the Padma Bhushan award. He is a celebrated filmmaker, known for directing films like Masoom, Bandit Queen, Mr India, and a few international projects. He is currently working on the sequel of Masoom, which also stars Kaveri in a key role.





or a long time now, Salman Khan's upcoming collaboration with Atlee has been making headlines. While not many details about the project are known as of now, it was recently reported that the South superstar Rajinikanth might also be a part of the show. However, in a shocking turn of events, it has now been reported that the film has been put on

As reported by Bollywood Hungama, Salman and Atlee's next has been put on hold due to casting issues. Reportedly, the production house – Sun Pictures, asked Atlee to rework the project after he failed to get Rajinikanth or Kamal Haasan on board.

'When Kamal Haasan and Rajinikanth casting didn't work out, Atlee was looking to cast Will Smith in the film. Salman helped Atlee connect to Will Smith and the conversations were proceeding on a very positive side. But in a shocking turn of events, Sun Pictures demanded the presence of a South Superstar in the film alongside Salman," a source cited by the entertainment portal claimed.

When Rajinikanth and Kamal Haasan conversation fell through, Sun Pictures didn't want to associate themselves with an International Film devoid of South stars. That's when they told Atlee to hold on to the things and rework," the insider added.

However, it should be noted that the project has not been called off yet and Salman Khan is trying to resolve the issue. "Atlee and Salman continue to be in talks and are trying to resolve all the issues with Sun Pictures. Both the powerhouses want to collaborate and do this film, as it's a dream they want to bring to life. We will get a clear picture of the scenario of A6. We will get a clear picture of the scenario of A6 with Salman by the end of March," the source said. However, it should be noted that there is no official word from the makers' side as of now regarding the project being put on hold. News18 Showsha can also not vouch for the authenticity of the report.

'Role Reversal': Kanwaljit **Singh Serves Food To His** 'Beta' In Latest Video To **Promote Mrs**



eteran actor Kanwaljit Singh has been making all the right noises for his role in the social drama Mrs. He played the role of a heartless father-in-law to Sanya Malhotra's Richa in the film. Now, in a recent video, the actor indulged in a role reversal and the Internet seemed happy about it.

In the clip, Kanwaljit Singh can be seen preparing food for a woman and serving it to her. While the identity of the woman is not known, he addresses her as 'beta', the same as what he called Richa in Mrs. He says in the video, "Beta maine aapki mummy ki recipe pe banaya hai aaj (I've prepared your mother in law's recipe)". As he serves the food to the woman, he expectantly asks, "Kesa bana hai?" The woman replies "Namak kam hai" with a straight face, similar to the snooty men in the movie. Kanwaljit then resigns to the kitchen with disappointment, just like Richa. Next, the woman says, "Chai bana dena."

Sharing the video, Kanwaljit Singh wrote,

"Mister, #MrsonZee5" Social media users were won over by the hilarious take in the video. The clip has received hundreds of comment. Reacting to the video, a user wrote, "On behalf of the whole women community, ab pata chala?" Another said, "Loved this role reversal, ab zara chutney bhi bana dijiye." Hilarious reactions continued with a user saying, "Change of heart for rude father-in-law, incredible." Many users also appreciated the actor's performance and comeback in Mrs. One of them said, "The great actor is back on screen and how."After receiving praise at several international film festivals, Mrs released on Zee5 on February 7. The film broke records after becoming the most searched film on Google and receiving the highest opening ever on the platform. Directed by Arati Kadav, the film tells the story of how a young woman finds her voice muted in a patriarchal household post-marriage and her eventual journey to freedom. Apart from Sanya Malhotra and Kanwaljit Singh, the film stars Nishant Dahiya and Loveleen Mishra in key roles.



Kaveri Kapur

Makes Rare Comment On Parents Shekhar Kapur, Suchitra Krishnamoorthi's Divorce



